सब का सपना

निष्पक्ष व निडर- हिंदी दैनिक समाचार पत्र

ऋषभ इस सीरीज के अंत तक तोड़ सकते हैं द्रविड़ का रिकार्ड : मांजरेकर -पेज: 7

इंडस्ट्री में संघर्ष पर छलका सानविका का दर्द -पेज: 8

वर्ष: 01 | अंक: 78 | गुरुवार 26 जून 2025 | अमरोहा (उत्तर प्रदेश) | www.sabkasapna.com | पृष्ठ : 8 | मूल्य : 4 रुपए

देश में लागू है 'अघोषित आपातकाल', मोदी सरकार छिपा रही है नाकामी : मल्लिकार्जुन खरगे

नई दिल्ली (एजेंसी): कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने बुधवार को आपातकाल की 50वीं बरसी पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के हमले को लेकर उन पर पलटवार किया और आरोप लगाया कि पिछले 11 साल से देश में अघोषित आपातकाल" है तथा भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) मोदी सरकार की विफलताओं को छिपाने के लिए 'संविधान हत्या दिवस' मनाने का नाटक कर रही है। उन्होंने महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव का हवाला देते हुए यह दावा किया कि निर्वाचन आयोग मोदी सरकार की कठपुतली बन गया है। राज्यसभा में नेता प्रतिपक्ष ने यह भी कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के कारण ही आज संविधान संकट में है। खरगे ने संवाददाताओं से कहा, जिनका देश की आजादी के आंदोलन और संविधान निर्माण में कोई योगदान नहीं रहा। जिन लोगों ने इस संविधान को बनाने में सहयोग नहीं किया। जो लोग हमेशा संविधान के खिलाफ बात करते रहे, वे आज तरह-तरह की बातें कर रहे हैं।" उन्होंने दावा किया, जिस संविधान को बाबा साहेब आंबेडकर जी, (जवाहर लाल) नेहरू जी, (महात्मा) गांधी जी और संविधान सभा ने तैयार किया था, उसे भी आरएसएस के लोगों ने रामलीला मैदान में जलाया था। यही नहीं, आरएसएस के लोगों ने बाबा साहेब आंबेडकर जी, नेहरू जी और गांधी जी का पुतला भी जलाया था।"

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने बुधवार को आपातकाल की 50वीं बरसी पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के हमले को लेकर उन पर पलटवार किया और आरोप लगाया कि पिछले 11 साल से देश में अघोषित आपातकाल' है

खरगे ने कहा, आरएसएस के लोगों का कहना था कि जो संविधान बाबा साहेब आंबेडकर जी ने बनाया है, उसमें हमारी पारंपरिक संस्कृति और मनुस्मृति के अंश नहीं हैं, इसलिए हम इस संविधान को नहीं मानेंगे।" उन्होंने दावा किया, भाजपा हमारे देशव्यापी ह्यसंविधान बचाओ आंदोलन' से घबरा गई है, इसीलिए आज वे लोग फिर से आपातकाल की बात कर रहे हैं।" कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा, सच्चाई यह है कि जो लोग अपने शासन में नाकामयाब रहे और जिनकी खुद की सरकार में महंगाई, बेरोजगारी, भ्रष्टाचार और आर्थिक बदहाली चरम पर है, वे आज लोगों का ध्यान भटका रहे हैं।" खरगे ने आरोप लगाया, सरकार गरीब को और गरीब, अमीर को और अमीर बना रही है। हालात ये हैं कि देश में गरीब और अमीर के बीच की खाई बढ़ती जा रही है, जिसे ये मिटा नहीं सकते। भाजपा सरकार में चुनिंदा उद्योगपतियों को ही सब सौंपा जा रहा है। नरेन्द्र मोदी अपने ही दोस्तों को देश का सारा धन सौंप रहे हैं।" उन्होंने यह आरोप लगाया कि यह एक तरह से अघोषित आपातकाल' है तथा सरकार संविधान और संसद का सम्मान नहीं करती है। कांग्रेस अध्यक्ष ने दावा किया, मोदी सरकार अपनी नाकामी और कमजोरी छिपाना चाहती है। लोगों का ध्यान असल मुद्दों पर न जाए इसलिए ध्यान भटकाने के लिए तरह-तरह की बातें करती रहती है। जब राहुल गांधी जी देश में जगह-जगह जाकर संविधान बचाने की बात कर रहे हैं, जिससे लोगों में जोश और जज्बा आया है। तब नरेन्द्र मोदी उस जोश को खत्म करने के लिए देश में बहुत बड़ा नाटक कर रहे हैं।" उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार संसद में मनमाने ढंग से कानून पारित करवाती है।

आपातकाल तत्कालीन सरकार की तानाशाही का प्रतीक था: नीतीश कुमार

बिहार (एजेंसी): बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने बुधवार को दावा किया कि आपातकाल इंदिरा गांधी के नेतृत्व वाली तत्कालीन सरकार की तानाशाही का प्रतीक था और इसे लागू करना इतिहास में एक काला दिन था। आपातकाल के दौरान एक युवा छात्र नेता के रूप में अपनी पहचान बनाने वाले जनता दल (यूनाइटेड) के प्रमुख ने सोशल मीडिया पर यह बयान दिया। उन्होंने एक्स पर लिखा, 25 जून, 1975 का वो दिन हम सभी को याद है, जब देश में आपातकाल लागू हुआ था। इसे स्वतंत्र भारत के इतिहास का काला दिन कहा जाता है। उन्होंने कहा कि आपातकाल में जनता की अभिव्यक्ति की आजादी पर पाबंदी लगा दी गई थी। उन्होंने कहा कि आपातकाल तत्कालीन सरकार की तानाशाही का प्रतीक था। कुमार (75) ने अपने मार्गदर्शक जयप्रकाश नारायण द्वारा शुरू किए गए आंदोलन में अपनी सक्रिय भागीदारी को भी याद किया। उन्होंने कहा, आपातकाल के खिलाफ लोकनायक जयप्रकाश नारायण जी ने आंदोलन शुरू किया। मैंने भी अपने कई साथियों के साथ इस आंदोलन में भाग लिया तथा आपातकाल का सक्रिय विरोध किया। कुमार ने कहा, हम सभी साथियों को तानाशाही के खिलाफ आवाज उठाने के लिए जेल में बंद कर दिया गया।

ईरान से लौटे 282 भारतीयों ने तिरंगा फहराया, भारतीय दूतावास को किया धन्यवाद

नई दिल्ली (एजेंसी): बुधवार को ईरान के मशहद से एक विशेष उड़ान नई दिल्ली पहुंची, जिसमें 282 भारतीय नागरिक सुरक्षित लौटे। यह ऑपरेशन सिंधु अभियान का हिस्सा है, जिसके तहत अब तक कुल 3,180 भारतीयों को ईरान से वापस लाया जा चुका है। यह अभियान ईरान और इजराइल के बीच बढ़ते तनाव के बीच शुरू किया गया था। सरकार और दूतावास के प्रयासों की सराहना दिल्ली पहुंचने पर लौटे भारतीयों ने भारत सरकार और ईरान स्थित भारतीय दूतावास के समर्पित प्रयासों के लिए आभार जताया। उन्होंने कहा कि दूतावास ने सभी के लिए उचित व्यवस्था की और उन्हें किसी तरह की परेशानी का सामना नहीं करना

पड़ा। एक शरणार्थी ने कहा कि हालात अब बेहतर हो गए हैं और दूतावास ने हर संभव सहायता प्रदान की। विदेश राज्य मंत्री पबित्रा मार्गेरिटा का स्वागत विदेश राज्य मंत्री पबित्रा मार्गेरिटा ने वापस आने वाले सभी नागरिकों का गर्मजोशी से स्वागत किया। उन्होंने बताया कि हाल ही में ईरान से तीन श्रीलंकाई और दो नेपाली नागरिकों के साथ 281 भारतीय भी लौटे हैं। उन्होंने नेपाल और श्रीलंका जैसे पड़ोसी देशों को भी भारत की ओर से सहायता प्रदान करने की प्रतिबद्धता जताई। युद्ध विराम की घोषणा के बीच जारी संघर्ष ईरान और इजराइल के बीच हाल ही में तनाव चरम पर पहुंचा था, लेकिन मंगलवार को युद्ध विराम पर सहमति बनी। इसके बावजूद, इजराइली वायु सेना ने ईरान के एक रडार स्टेशन पर हमला किया, जिसके जवाब में ईरान ने इजराइल पर मिसाइल दागी। इस बीच, अमेरिका ने ईरान के परमाणु प्रतिष्ठानों पर सटीक हमले किए, जिससे क्षेत्रीय तनाव बढ़ गया। भारतीय नागरिकों की सुरक्षित वापसी के लिए सरकार सतर्क भारत सरकार ने इस संकट के बीच अपने नागरिकों की सुरक्षा को प्राथमिकता दी और ऑपरेशन सिंधु के माध्यम से उन्हें सुरक्षित घर लौटाने का अभियान जारी रखा। सरकार ने सभी आवश्यक संसाधन मुहैया कराकर यह सुनिश्चित किया कि कोई भी भारतीय खतरे में न रहे।

अमित शाह का कांग्रेस पर हमला: जब सत्ता तानाशाही बन जाती है, तो जनता उसे उखाड़ फेंकने की ताकत रखती है

नई दिल्ली (एजेंसी): केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने बुधवार को कहा कि आपातकाल कोई राष्ट्रीय आवश्यकता नहीं, बल्कि कांग्रेस और एक व्यक्ति की लोकतंत्र विरोधी मानसिकता का परिचायक था। शाह ने यह बात तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी के संदर्भ में कही। इंदिरा गांधी सरकार ने 25 जून 1975 को आपातकाल लागू किया था। आपातकाल के पीड़ितों को श्रद्धांजलि देते हुए शाह ने कहा कि यह दिन सभी को याद दिलाता है कि जब सत्ता तानाशाही बन जाती है, तो जनता उसे उखाड़ फेंकने की ताकत रखती है। गृह मंत्री ने कहा कि आपातकाल कांग्रेस की सत्ता की भूख का अन्यायकाल था। उन्होंने कहा कि आपातकाल के दौरान देशवासियों ने जो पीड़ा और

यातना सही, उसे नयी पीढ़ी जान सके, इसी उद्देश्य से मोदी सरकार ने इस दिन को संविधान हत्या दिवस का नाम दिया। शाह ने एक्स पर लिखा, आपातकाल कोई राष्ट्रीय आवश्यकता नहीं, बल्कि कांग्रेस और एक व्यक्ति की लोकतंत्र विरोधी मानसिकता का परिचायक था। उन्होंने कहा कि प्रेस की स्वतंत्रता कुचली गई, न्यायपालिका के हाथ बांध दिए गए और सामाजिक कार्यकर्ताओं को जेल में डाला गया। शाह ने कहा, देशवासियों ने सिंहासन खाली करो का शंखनाद किया और तानाशाह कांग्रेस को उखाड़ फेंका। इस संघर्ष में बलिदान देने वाले सभी वीरों को भावपूर्ण श्रद्धांजलि। पिछले साल शाह ने घोषणा की थी कि मोदी सरकार 25 जून को संविधान हत्या दिवस के रूप में मनाएगी, ताकि इस अवधि के दौरान अमानवीय पीड़ा सहने वालों के बड़े योगदान को याद किया जा सके। उन्होंने यह भी कहा था कि संविधान हत्या दिवस मनाने से प्रत्येक भारतीय में व्यक्तिगत स्वतंत्रता व लोकतंत्र की रक्षा की अमर ज्वाला को प्रज्वलित रखने में मदद मिलेगी, जिससे कांग्रेस जैसी तानाशाही ताकतों को उन भयावहताओं को दोहराने से रोका जा सकेगा।

41 साल बाद हम वापस अंतरिक्ष में अंतरिक्ष से शुभांशु शुक्ला ने भेजा पहला संदेश

नई दिल्ली (एजेंसी): भारत के लिए 25 जून का दिन एक ऐतिहासिक दिन बन गया है। एक लंबे इंतजार के बाद एक्सिओम-4 मिशन लॉन्च कर दिया गया है। इंटरनेशनल स्पेस स्टेशन के लिए शुभांशु शुक्ला अपनी टीम के साथ रवाना हो गए हैं। यहां पर वे 14 दिन तक रहेंगे। पूरे देश के लिए आज का दिन गर्व और गौरव से भरा है। अंतरिक्ष से शुभांशु शुक्ला का पहला संदेश- स्वयंसिद्ध-4 मिशन के सफलतापूर्वक लॉन्च होने के बाद भारत के अपने अंतरिक्ष यात्री ग्रुप कैप्टन शुभांशु शुक्ला ने अंतरिक्ष से अपना पहला रोमांचक संदेश भेजा है। उनके इस संदेश ने पूरे देश को गर्व से भर दिया है। शुभांशु ने अंतरिक्ष की ऊँचाइयों से कहा, 41 साल बाद हम वापस अंतरिक्ष में पहुंच गए हैं और कमाल की राइड थी। इस वक्त हम 7.5 किलोमीटर प्रति सेकेंड की रफ्तार से पृथ्वी के चारों तरफ घूम रहे हैं और मेरे कंधे पर मेरे साथ मेरा

तिरंगा है। शुभांशु के पिता बोले- अंतरिक्ष मे रवाना होने से पहले शुभांशु शुक्ला के पिता ने शंभू दयाल कहा कि, मेरे बेटे की उपलब्धि न केवल लखनऊ नहीं बल्कि पूरे देश के लिए गौरव की बात है। उन्होंने आगे कहा, हम शुभांशु के मिशन को लॉन्च होते देखने के लिए बहुत उत्सुक हैं. हम बहुत खुश हैं. हमारा आशीर्वाद उनके साथ है और हम ईश्वर से भी प्रार्थना करते हैं कि उनका मिशन अच्छी तरह से पूरा हो। वह पूरी तरह से तैयार हैं, उनके लिए लगाए गए सभी पोस्टर देखकर बहुत अच्छा लग रहा है। वह लखनऊ, राज्य और हमारे देश का नाम रोशन कर रहे हैं, हमें उन पर गर्व है।

उत्तर प्रदेश ग्राम पंचायतों को आत्मनिर्भर बनाने का प्रयास कर रहा, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने किया दावा

गाजीपुर (एजेंसी): उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मंगलवार को गाजीपुर में महर्षि विश्वामित्र स्वायत्तशासी चिकित्सा महाविद्यालय में निमार्णाधीन छात्रावास का निरीक्षण किया। निरीक्षण के बाद पत्रकारों से बातचीत में मुख्यमंत्री ने कहा, "पूर्वांचल एक्सप्रेसवे और महर्षि विश्वामित्र चिकित्सा महाविद्यालय इस जिले की पहचान बन चुके हैं। आज मैंने निमार्णाधीन नर्सिंग कॉलेज का निरीक्षण किया है। 1,100 करोड़ रुपये की परियोजनाएं या तो स्वीकृत हैं या चल रही हैं..." इससे पहले मंगलवार को सीएम योगी ने केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह की अध्यक्षता में मध्य क्षेत्रीय परिषद की 25वीं बैठक में हिस्सा लिया था। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मंगलवार को कहा कि पिछले 11 वर्षों में भारत ने हर क्षेत्र में नयी पहचान बनाई है। वाराणसी में आयोजित 25वीं मध्य क्षेत्रीय परिषद की बैठक में आदित्यनाथ ने कहा, भारतीय सैनिकों के अदम्य पराक्रम के प्रतीक ऑपरेशन सिंदूर ने दुनिया

को नए भारत के संकल्प और ताकत से परिचित कराया है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के सफल नेतृत्व में सेवा, सुशासन और गरीबों के कल्याण को समर्पित पिछले 11 वर्ष हमें नयी प्रेरणा देते हैं। उन्होंने कहा कि 2047 तक भारत को विकसित बनाने के लिए टीम इंडिया के रूप में कार्य करने का प्रधानमंत्री का आह्वान सहकारी संघवाद को नयी राह दिखाता है और केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह के कुशल मार्गदर्शन में क्षेत्रीय परिषदें पूरी सक्रियता से इस दिशा में आगे बढ़ रही हैं। आदित्यनाथ ने कहा कि आत्मनिर्भर भारत के निर्माण के लिए उत्तर प्रदेश आत्मनिर्भर ग्राम पंचायत की दिशा में अग्रसर है और प्रत्येक ग्राम पंचायत में पांच से सात लोगों को रोजगार देने की व्यवस्था है। उन्होंने कहा कि ग्राम सचिवालय, आदर्श उचित मूल्य की दुकान (अन्नपूर्णा भवन), बीसी सखी, स्वयं सहायता समूह, सामुदायिक शौचालयों के रखरखाव के लिए देखभालकर्ता और परामर्शदात्री अभियंता आदि पंचायत स्तर पर आत्मनिर्भरता और रोजगार सृजन का माध्यम बनेंगे। मुख्यमंत्री ने कहा कि ग्राम सचिवालयों के माध्यम से 330 से अधिक सेवाएं ऑनलाइन दी जा रही हैं और सभी गांवों को बैंकिंग सुविधाओं से जोड़ा गया है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री जन धन योजना के क्रियान्वयन के मामले में उत्तर प्रदेश देश में पहले स्थान पर है और लगभग 40,000 बीसी सखियों ने 36,600 करोड़ रुपये से अधिक का वित्तीय लेनदेन किया है। आदित्यनाथ ने कहा कि कामकाजी महिलाओं की सुरक्षा और सुविधा के लिए आठ महिला छात्रावासों का निर्माण किया जा रहा है। मुख्यमंत्री श्रमिक अहिल्याबाई होलकर महिला छात्रावास योजना के तहत सात जिलों में छात्रावासों का निर्माण प्रस्तावित है। माध्यमिक शिक्षा में सुधार के उद्देश्य से राजकीय माध्यमिक विद्यालयों के लिए प्रोजेक्ट अलंकार क्रियान्वित किया जा रहा है।

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा आपातकाल में संविधान की आत्मा को ठेस पहुंचाई, इसे नहीं भुलाया जा सकता

नई दिल्ली (एजेंसी): प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बुधवार को कहा कि कोई भी भारतीय यह कभी नहीं भूलेगा कि आपातकाल के दौरान संविधान की भावना का कैसे उल्लंघन किया गया। उन्होंने संवैधानिक सिद्धांतों को मजबूत करने की अपनी सरकार की प्रतिबद्धता दोहराई। आपातकाल के 50 साल पूरे होने पर सोशल मीडिया मंच एक्स पर कई पोस्ट कर मोदी ने कहा कि यह भारतीय लोकतंत्र के इतिहास के सबसे अंधकारमय अध्याय में से एक है। उन्होंने कहा कि आपातकाल में संविधान में निहित मूल्यों को दरकिनार कर दिया गया, मौलिक अधिकारों को निलंबित कर दिया गया, प्रेस की स्वतंत्रता को दबा दिया गया और बड़ी संख्या में राजनीतिक दलों के नेताओं, सामाजिक कार्यकर्ताओं, छात्रों और आम नागरिकों को जेल में डाल दिया गया। प्रधानमंत्री ने कहा, ऐसा लग रहा था जैसे उस समय सत्ता में बैठी कांग्रेस सरकार ने लोकतंत्र को बंधक बना लिया था। मोदी सरकार ने पिछले साल घोषणा की थी कि आपातकाल की बरसी को संविधान हत्या दिवस के रूप में मनाया जाएगा। उन्होंने कहा कि 42वें संशोधन में संविधान में व्यापक परिवर्तन किए गए जो आपातकाल लगाने वाली कांग्रेस सरकार की चालों का एक प्रमुख

उदाहरण है, जिसे जनता पार्टी के नेतृत्व वाली सरकार ने बाद में पलट दिया था। उन्होंने कहा कि गरीबों, हाशिए पर पड़े लोगों और दलितों को विशेष रूप से निशाना बनाया गया और उनकी गरिमा को ठेस पहुंचाई गई। मोदी ने कहा, हम अपने संविधान में निहित सिद्धांतों को मजबूत करने और विकसित भारत के अपने दृष्टिकोण को साकार करने के लिए मिलकर काम करने की अपनी प्रतिबद्धता भी दोहराते हैं। हम प्रगति की नयी ऊंचाइयों को छूएं और गरीबों तथा दलितों के सपनों को पूरा करें। आपातकाल के खिलाफ लड़ाई में डटे रहने वाले हर व्यक्ति को सलाम करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि ये लोग पूरे भारत से, हर क्षेत्र से, हर विचारधारा से थे, जिन्होंने एक ही उद्देश्य से एक-दूसरे के साथ मिलकर काम किया और वह था: भारत के लोकतांत्रिक ढांचे की रक्षा करना और उन आदर्शों को बनाए रखना जिनके लिए स्वतंत्रता सेनानियों ने अपना जीवन समर्पित कर दिया। उन्होंने कहा, यह उनका सामूहिक संघर्ष था जिसने यह सुनिश्चित किया कि तत्कालीन कांग्रेस सरकार लोकतंत्र बहाल करे। नए सिरे से चुनाव कराने पड़े, जिसमें वे (कांग्रेस पार्टी) बुरी तरह हार गए।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बुधवार को कहा कि कोई भी भारतीय यह कभी नहीं भूलेगा कि आपातकाल के दौरान संविधान की भावना का कैसे उल्लंघन किया गया। उन्होंने संवैधानिक सिद्धांतों को मजबूत करने की अपनी सरकार की प्रतिबद्धता दोहराई।

संपादकीय

सेमीफाइल न मानें

चार राज्यों की पांच विधानसभा सीटों पर हुए उपचुनाव के नतीजों को लेकर आम आदमी पार्टी (आप) काफी उत्साहित नजर आई। गुजरात की विसावदर सीट से गोपाल इटालिया व पंजाब की लुधियाना पश्चिम सीट पर जीते संजीव अरोड़ा, दोनों आप के उम्मीदवार हैं। केरल में नीलांबुर सीट कांग्रेसनीत यूडीएफ ने सत्तारूढ़ वाम लोकतांत्रिक मोर्चा को पछाड़ कर जीत हासिल की। सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी से गुजरात की कड़ी सीट बरकरार रखते हुए राजेंद्र चावड़ा को जीत दिलाई। तृणमूल कांग्रेस ने पश्चिम बंगाल के नदिया जिले की कालीगंज विधानसभा सीट पर पुनः कब्जा किया। भाजपा के आशीष घोष को यहां अलीफा अहमद ने हराया। सभी पांचों सीटों पर इसी माह की 19 तारीख को मतदान हुए थे। इनमें लुधियाना के चुनाव पर विशेषज्ञों की कड़ी नजर थी। क्योंकि अरोड़ा राज्य सभा सांसद हैं। जहां से वे इस्तीफा देंगे।

विपक्ष का दावा था कि इस खाली हुई सीट से अरविंद केजरीवाल उच्च सदन जा सकते हैं। बहरहाल उन्होंने इस सवाल को टालते हुए कहा कि यह फैसला आप की राजनीतिक मामलों की कमेटी लेगी। इसके बाद कयास मनीष सिसोदिया को भेजने का है। हालांकि लंबी जेल भुगतने वाले सत्येंद्र जैन को भी दावेदार माना जा रहा है। मतगणना के वक्त कालीगंज के बाराचंदगर इलाके में हुए विस्फोट में नौ साल की बच्ची की मौत से उपजा मसला अभी शांत नहीं हुआ है। हालांकि मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने दोषियों के खिलाफ कार्रवाई का आसन फौरन ही दिया। हालांकि उपचुनाव को लेकर राजनीतिक दलों ने काफी उदासीनता बरती। मगर भाजपा शीर्ष को गंभीरता से विचार करने की जरूरत है। क्योंकि प. बंगाल को लेकर वे ममता सरकार पर जिस तरह की तोहमतें लगाते रहे हैं। उसका नतीजा सबक लेने वाला है। जिसमें भाजपा को भारी मतों से मात मिली है। गुजरात और पंजाब में 2027 में विधानसभा होने हैं, यहां दोगुने अंतर से मिली जीत को केजरीवाल सेमीफाइनल के तौर पर देख रहे हैं। दोनों जगह मिली हार की नैतिक जिम्मेदारी लेते हुए कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष ने पद से इस्तीफा देते हुए इसे पार्टी की हार की बजाए अपनी विफलता बताकर दांव चलने कोशिश की। इस पर कांग्रेस कौन सी कर-वट लेती है, यह भी स्पष्ट होना जरूरी है। फिलवक्त कहा जाना चाहिए कि जनता आम से लेकर विधानसभा चुनाव के दरम्यान चौंकाने वाले निर्णय ले सकती है। जो उपचुनावों को सेमी फाइनल नहीं मानती।

चिंतन-मनन

बदला हुआ आदमी

स्कॉटलैंड के एक राजा को शत्रुओं ने पराजित कर दिया। उसे धन-जन की बड़ी हानि हुई और संगी-साथी भी छूट गए। अब बस उसका जीवन बचा था, पर शत्रु उसकी टोह में थे। प्राण बचाने के लिए वह भागा-भागा फिर रहा था। स्थिति यह थी कि राजा अब मरा कि तब मरा। राजा एक खोह में छिपा अपनी मौत की प्रतीक्षा करते हुए सोच रहा था- शत्रु की तलवार पल भर में मेरा काम तमाम कर देगी।

तभी राजा ने देखा- एक मकड़ी खोह के दरवाजे पर जाला बनाने में व्यस्त थी। वह कई बार कोशिश करती, नाकाम रहती, लेकिन फिर से उठकर जाला बनाने लगती। राजा ने सोचा- यह व्यर्थ प्रयत्न कर रही है। बिना आधार के जाला भला कैसे बना पाएगी। किंतु आश्चर्य, मकड़ी का एक झीना-सा सूत्र खोह के मुंह पर अटक ही गया। बस फिर एक के बाद एक सूत्र अटकते चले गए और देखते-देखते जाला तेजी से बुना जाने लगा। थोड़ी देर में पूरी खोह के मुंह पर जाला तैयार था।

तभी शत्रु के सिपाही वहां आ पहुंचे। लेकिन खोह के मुंह पर मकड़ी का जाला बना देख वापस लौट गए। करीब आई हुई मौत तो वापस चली गई पर राजा को एक गहरे विचार में छोड़ गई। उसने सोचा- मकड़ी बार-बार गिरकर भी निराश और परास्त नहीं हुई तो मैं इंसान होकर भी क्यों डर रहा हूं? मैं भी अवश्य अपने शत्रुओं को परास्त करूंगा। इस मकड़ी ने मेरा संकल्प मजबूत कर दिया है। यह सोचते ही वह खोह से बाहर निकल गया।

आवश्यकता है

आवश्यकता है दैनिक सब का सपना समाचार पत्र को उत्तर प्रदेश के समस्त जिलों में ब्लॉक स्तर, तहसील स्तर व जिला स्तर पर संवाददाताओं की इच्छुक अभ्यर्थी संपर्क करें या व्हाट्सएप करें।

9456884327/8218179552

आओ भारतीय भाषाओं को विलुप्त होने से बचाएं

किशन सनमुखदास भावनानीं

भारत देश संस्कृति, भाषाओं, उपनिषद साहित्य से पिरोई ऐसी खूबसूरत माला है जो वैश्विक रूप से अनमोल है इस भारतीय विरासत को देखने हजारों की संख्या में सैलानी भारत आते हैं और यह भारतीय खूबसूरती विश्व प्रसिद्ध हैं। साथियों इस भारत रूपी माला में पिरोए मोतियों में से भाषा एक अनमोल मोती है।

साथियों बात अगर हम भाषा की करें तो,भाषा, मुख से उच्चारित होने वाले शब्दों और वाक्यों आदि का वह समूह है,जिनके द्वारा मन की बात बताई जाती है।किसी भाषा की सभी ध्वनियों के प्रतिनिधि स्वर एक व्यवस्था में मिलकर एक सम्पूर्ण भाषा की अवधारणा बनाते हैं।सामान्यतः भाषा को वैचारिक आदान-प्रदान का माध्यम कहा जा सकता है।

साथियों बात अगर हम भारतीय संविधान की आठवीं अनुसूची की करें तो,इसमें 22 भाषाएँ तो आधिकारिक रूप से मान्यता प्राप्त हैं ही पर यदि सब गिनी जाएँ तो हमारे देश में 30 से अधिक भाषाओं के साथ 100 से अधिक क्षेत्रीय भाषाएँ भी हैं। अनुसूचित भाषाएं 1) असमिया, (2) बंगला, (3) बोड़ो, (4) डोगरी, (5) गुजराती, (6) हिंदी, (7) कन्नड़, (8) कश्मीरी, (9) कोंकणी, (10) मैथिली, (11) मलयालम, (12) मणिपुरी, (13) मराठी, (14) नेपाली, (15) उड़िया, (16) पंजाबी, (17) संस्कृत, (18) संथाली, (19) सिंधी, (20) तमिल, (21) तेलुगू और (22) उर्दू। साथियों बात अगर हम हिंदी भाषा की करें तो,यह विश्व में तीसरी सबसे ज्यादा बोली जाने वाली भाषा है।जो हमारे पारम्पारिक ज्ञान, प्राचीन सभ्य)ता औरआधुनिक प्रगति के बीच एक सेतु भी है। हिंदी भारत संघ कीराजभाषा होने के साथ ही ग्यारह राज्यों और तीन संघ शासित क्षेत्रों की भी प्रमुख राजभाषा है।संविधान की आठवीं अनुसूची में शामिल अन्य इक्कीस भाषाओं के साथ हिंदी का एकविशेष स्थान है। साथियों बात अगर हम सभी अनुसूचित और गैर-अनुसूचित भाषाओं की करें तो यह भारतीयता की खूबसूरती है कि,इतनी भाषाओं के बीच भारत अपनी खूबसूरती बिखेर रहा है।यह भारतवर्ष के लिए आर्थिक, सामाजिक, वैज्ञानिक रूप से महत्वपूर्ण स्थान रखता है। क्योंकि मुख से उच्चारित भाषा के आदान-प्रदान से ही ज्ञान की ज्योत प्रजवलित होती हैं।हमें इन सभी भाषाओं, जो अनुसूचित नहीं भी हैं,उसका संरक्षण करना जरूरी है। साथियों बात अगर हम अंग्रेजी भाषा की करें तो आज के आधुनिक डिजिटलाइजेशन युग में अंग्रेजी बोलचाल का फैशन सा हो गया है,जो मातृभाषा में बात करता है उसे हम पुराने जमाने की सोच का दर्जा देते हैं।हम अपने सामाजिक भाषाओं की विलुप्तता को प्रोत्साहन देने का काम करते हैं जिसे रोकना होगा।क्योंकि हमारे भारत के राष्ट्रपति, उपराष्ट्रपति, मुख्य न्यायाधीश सहित अनेक प्रशानिक व्यक्तित्व की प्राथमिक शिक्षा अपनी मातृभाषा में ही हुई है। इसलिए भारतीय भाषाएं भारत रूपी माला में पिरोए वह मोती हैं जिसके प्रकाश से ही आज भारत विश्व में जगमगा रहा है।इसलिए भारतीय भाषाओं का वैज्ञानिक और तकनीकी स्तर पर संरक्षण जरूरी है। साथियों बात अगर हम भारतीय भाषाओं के संरक्षण में माननीय उपराष्ट्रपति के एक भारतीय भाषादिवस के अवसर पर वर्चुअल संबोधन की करें तो पीआईबी की प्रेसविज्ञप्ति के अनुसार,उपराष्ट्रपति ने इसका उल्लेख किया कि भाषा न केवल हमारी पहचान का प्रतीक है, बल्कि यह हमारे आत्मविश्वास को भी बढ़ाती है।इसके लिए, उन्होंने प्राथमिक शिक्षा अपनी मातृभाषा में होने की जरूरत को रेखांकित किया,जिसकी परिकल्पना राष्ट्रीय शिक्षा नीति में की गई है और आखिरकार उच्चतर व तकनीकी शिक्षा तक इसे विस्तारित किया जाना है।उन्होंने व्यापक पहुंच को सुविधाजनक बनाने के लिए भारतीय भाषाओं में वैज्ञानिक और तकनीकी शब्दावली में भी सुधार का सुझाव दिया। और कहा,यह आत्मविश्वास आत्मनिर्भरता की ओर ले जाएगा और धीरे-धीरे आत्मनिर्भर भारत की राह बनाएगा।भारतीय भाषाओंके इस्तेमाल को संरक्षित करने और बढ़ावा देने के लिए कुछ उपायों की सूची बनाते हुए,उपराष्ट्रपति ने प्रशासन में स्थानीय भाषाओं के उपयोग, बच्चों के बीच पढ़ने की आदत को बढ़ावा देने और शहरों व गांवों में पुस्तकालयों की संस्कृति को प्रोत्साहित करने का सुझाव दिया।उन्होंने विभिन्न भारतीय भाषाओंके साहित्यिक कार्यों का अनुवाद करने के लिए और अधिक पहल करने का भी आह्वाहन किया। उन्होंयने इस बात की इच्छा व्यक्त की कि बच्चों को खेल और गतिविधियों के जरिए सरल तरीके से भाषा की बारीकियां सिखाया जाएं।भाषा की जीवंत संस्कृति को बनाए रखने के लिए एक जन आंदोलन की जरूरत है।उन्होंने इस बात पर भी अपनी प्रसन्नता व्यक्त की कि सांस्कृतिक और भाषाई पुनर्जागरण को लोगों का अधिक से अधिक समर्थन मिल रहा है।उन्होंने इस बात पर भी अपनी प्रसन्नता व्यक्त की कि सांस्कृतिक और भाषाई पुनर्जागरण को लोगों का अधिक से अधिक समर्थन मिल रहा है।भाषा और संस्कृति के बीच गहरे संबंध को देखते हुए,उन्होंने युवाओं को अपनी जड़ों से फिर से जुड़ने के लिए भाषा का इस्तेमाल करने की सलाह दी। और कहा,भाषा संचार के एक माध्यम से कहीं अधिक है,यह अदृश्य धागा है जो हमारे अतीत,वर्तमान और भविष्य को जोड़ता है।मातृभाषा को महत्व देने का मतलब अन्य भाषाओं की उपेक्षा नहीं है। उन्होंने इस धारणा को खारिज किया कि कोई व्यक्ति अंग्रेजी में अध्ययन करने पर ही जीवन में सफलता प्राप्त कर सकता है।इसके लिए उन्होंने अपना और राष्ट्रपति,प्रधानमंत्री और भारत के मुख्य न्यायाधीश का उदाहरण दिया कि,इन चारों ने अपनी-अपनी मातृभाषा में विद्यालय की शिक्षा प्राप्त की और इसके बावजूद बहुत उच्च संवैधानिक पदों पर आसीन हुए।उन्होंने सुझाव दिया कि बच्चों को अधिक से अधिक भाषा सीखने के लिए प्रोत्साहित करें, इसकी शुरूआत अपनी मातृभाषा में एक मजबूत नींव के साथ करें।लोगों से अपनी मातृभाषा को बोलने में गर्व महसूस करने का आग्रह करते हुए श्री नायडु ने कहा कि दैनिक जीवन में भारतीय भाषाओं के इस्तेमाल में हीनता की भावना नहीं होनी चाहिए।आज भारतीय भाषाओं को बढ़ावा देने और उन्हें बदलते समय के अनुकूल बनाने के लिए अभिनव तरीकों के साथ आगे आने का आह्वान किया,यह देखते हुए कि भाषा एक स्थिरअवधारणा नहीं है,उन्होंने भाषाओं को समृद्ध करने के लिए एक गतिशील और सक्रिय दृष्टिकोण अपनाने की जरूरत पर जोर दिया। अतःअगर हम उपरोक्त पूरे विवरण का अध्ययन कर उसका विश्लेषण करें तो हम पाएंगे कि,भारतीय भाषाओं का वैज्ञानिक और तकनीकी स्तर पर संरक्षण करना जरूरी है।क्योंकि भाषा यह संचार के एक माध्यम से कहीं अधिक अदृश्य धागा है जो हमारे अतीत, वर्तमान और भविष्य को जोड़ता है और भारतीय भाषाएं भारत की माला में पिरोए मोती हैं जिसके प्रकाश से भारत आज विश्व में जगमग आ रहा है।

अर्थव्यवस्था : युवा हाथों में है प्रगति की पटकथा

प्रह्लाद सबानानी

विश्व की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्थाओं की अपनी अपनी विशेषताएं हैं, जिसके आधार पर यह अर्थव्यवस्थाएं विश्व में उच्च स्थान पर पहुंची हैं एवं इस स्थान पर बनी हुई हैं।

प्रति व्यक्ति सकल घरेलू उत्पाद के मामले में आज भी कई विकसित देश भारत से आगे हैं। इन समस्त देशों के बीच चूंकि भारत की आबादी सबसे अधिक अर्थात 140 करोड़ नागरिकों से अधिक है, इसलिए भारत में प्रति व्यक्ति सकल घरेलू उत्पाद बहुत कम है।

भारत के सकल घरेलू उत्पाद का आकार 4.19 लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर है तथा प्रति व्यक्ति सकल घरेलू उत्पाद केवल 2,880 अमेरिकी डॉलर है। भारत के पीछे आने वाले देशों में हालांकि सकल घरेलू उत्पाद का आकार कम जरूर है परंतु प्रति व्यक्ति सकल घरेलू उत्पाद के मामले में यह देश भारत से बहुत आगे हैं। जैसे जापान के सकल घरेलू उत्पाद का आकार 4.18 लाख करोड़ है और प्रति व्यक्ति सकल घरेलू उत्पाद 33,960 अमेरिकी डॉलर है।

ब्रिटेन के सकल घरेलू उत्पाद का आकार 3.84 लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर और प्रति व्यक्ति सकल घरेलू उत्पाद 54,950 अमेरिकी डॉलर है। फ्रांस के सकल घरेलू उत्पाद का आकार 3.21 लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर है और प्रति व्यक्ति सकल घरेलू उत्पाद 46,390 अमेरिकी डॉलर है। इटली के सकल घरेलू उत्पाद का आकार 2.42 लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर है और प्रति व्यक्ति सकल घरेलू उत्पाद 41,090 अमेरिकी डॉलर है। कनाडा के सकल घरेलू उत्पाद का आकार 2.23 लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर है और प्रति व्यक्ति सकल घरेलू उत्पाद 53,560 अमेरिकी डॉलर है।

ब्राजील के सकल घरेलू उत्पाद का आकार 2.13 लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर और प्रति व्यक्ति सकल घरेलू उत्पाद 9,960 अमेरिकी डॉलर है। सकल घरेलू उत्पाद के आकार के मामले में विश्व की सबसे बड़ी 10 अर्थव्यवस्थाओं में भारत शामिल होकर चौथे स्थान पहुंच जरूर गया है परंतु प्रति व्यक्ति सकल घरेलू उत्पाद के मामले में भारत इन सभी अर्थव्यवस्थाओं से अभी भी बहुत पीछे है।

इस सबके पीछे सबसे बड़े कारणों में शामिल है भारत द्वारा वर्ष 1947 में राजनैतिक स्वतंत्रता प्राप्ति पश्चात, आर्थिक विकास की दौड़ में बहुत अधिक देर के बाद शामिल होना। भारत में आर्थिक सुधार कार्यक्रमों की शुरू आत वर्ष 1991 में प्रारम्भ जरूर हुई परंतु इसमें इस क्षेत्र में तेजी से कार्य वर्ष 2014 के बाद ही प्रारम्भ हो सका है। इसके बाद, पिछले 11 वर्षों में परिणाम हमारे सामने हैं और भारत विश्व की 11वीं अर्थव्यवस्था से छलांग लगते हुए आज 4थी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन गया है। दूसरे, इन देशों की तुलना में भारत की जनसंख्या का बहुत अधिक होना, जिसके चलते सकल घरेलू उत्पाद का आकार तो लगातार बढ़ रहा है परंतु प्रति व्यक्ति सकल घरेलू उत्पाद अभी भी अत्यधिक दबाव में है।

अमेरिका में तो आर्थिक क्षेत्र में सुधार कार्यक्रम 1940 में ही प्रारम्भ हो गए थे एवं चीन में वर्ष 1960 से प्रारम्भ हुए। आज भारत सकल घरेलू उत्पाद के आकार के मामले में विश्व में चौथे पर पहुंच गया है परंतु भारत को प्रति व्यक्ति सकल घरेलू उत्पाद के मामले में जबरदस्त सुधार करने की आवश्यकता है। भारत पूरे विश्व में आध्यात्म के मामले में सबसे आगे है अतः भारत को धार्मिक पर्यटन को सबसे तेज गति से आगे बढ़ाते हुए युवाओं के लिए रोजगार के नये अवसर निर्मित करने चाहिए जिससे नागरिकों की आय में वृद्धि करना आसान हो। दूसरे, भारत में 80 करोड़ आबादी का युवा (35 वर्ष से कम आयु) होना भी विकास के इंजिन के रूप में कार्य कर सकता है।

भारत की विशाल आबादी ने भारत को विश्व की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनाने में अपना योगदान दिया है। भारत की अर्थव्यवस्था में विविधता झलकती है और यह केवल कुछ क्षेत्रों पर निर्भर नहीं है। भारतीय अर्थव्यवस्था में कृषि क्षेत्र का योगदान 16 प्रतिशत है तथा रोजगार के अधिकतम अवसर भी कृषि क्षेत्र से ही निकलते हैं, जिसके चलते प्रति व्यक्ति सकल घरेलू उत्पाद विपरीत रूप से प्रभावित होता है। सेवा क्षेत्र का योगदान 60 प्रतिशत से अधिक है, परंतु विनिर्माण क्षेत्र का योगदान बढ़ाने की आवश्यकता है। वाणिज्य मंत्रालय द्वारा प्रदान की गई जानकारी के

अनुसार वित्तीय वर्ष 2024-25 में भारत में 81 अरब अमेरिकी डॉलर से अधिक का प्रत्यक्ष विदेशी निवेश हुआ है अर्थात विदेशी निवेशक भारत में अपनी विनिर्माण इकाईयों की स्थापना करते हुए दिखाई दे रहे हैं। आज विदेशी निवेशकों का भारतीय अर्थव्यवस्था में विश्वास बढ़ा है। आज भारत का विदेशी मुद्रा भंडार भी 694 अरब अमेरिकी डॉलर की आंकड़े को पार कर गया है। आगे आने वाले समय में अब विश्वास किया जा सकता है कि भारत में भी प्रति व्यक्ति सकल घरेलू उत्पाद में तेज गति से वृद्धि होती हुई दिखाई देगी।

नशीली दवाओं के खिलाफ महत्वाकांक्षी युद्ध का आह्वान

नशीली दवाओं के दुरुपयोग और अवैध तस्करी के खिलाफ अंतर्राष्ट्रीय दिवस हर साल 26 जून को नशीली दवाओं मुक्त दुनिया को निर्मित करने के लक्ष्य को प्राप्त करने, कार्रवाई और सहयोग को मजबूत करने के लिए मनाया जाता है। इसका उद्देश्य गलत सूचनाओं का मुकाबला करना और नशीली दवाओं के बारे में तथ्यों को साझा करना है। साथ ही साक्ष्य आधारित रोकथाम, स्वास्थ्य जोखिमों और विश्व नशीली दवाओं की समस्या, उपचार और देखभाल से निपटने के लिए उपलब्ध समाधानों के बारे में जागरूकता पैदा करना है। अवैध ड्रग्स एवं तस्करी मानव के लिए बहुत बड़ी पीड़ा एवं संकट का स्त्रोत हैं। सबसे कमजोर लोग, खास तौर पर युवा लोग, इस संकट का खामियाजा भुगतते हैं। ड्रग्स का इस्तेमाल करने वाले और नशे की लत से जूझ रहे लोग अंधेरी दुनिया में भटकते हुए कई चुनौतियों का सामना कर रहे है। नशीली दवाओं एवं ड्रग्स के खुद के हानिकारक प्रभाव, उनके द्वारा झेला जाने वाला कलंक, स्वास्थ्य संकट और भेदभाव और अक्सर उनकी स्थिति के प्रति कठोर और अप्रभावी प्रतिक्रियाएं दुनिया को एक महासंकट में धकेल रही है। इसलिये नशे एवं नशीली दवाओं के बढ़ते प्रचलन एवं तस्करी को रोकने के लिये दुनिया को एकजुट होकर इस महत्वाकांक्षी युद्ध को सफल बनाना नितांत अपेक्षित है।

हर साल संयुक्त राष्ट्र मादक पदार्थ एवं अपराध कार्यालय (यूएनओडीसी) वैश्विक जागरूकता अभियानों और नीति सिफारिशों का मार्गदर्शन करने के लिए एक थीम निर्धारित करता है। 2025 की थीम है- 'जंजीरों को तोड़ना : सभी के लिए रोकथाम, उपचार और पुनर्प्राप्ति!' यह नारा सामुदायिक समर्थन, स्वास्थ्य सेवा तक पहुंच और नशीली दवाओं के दुरुपयोग और अवैध तस्करी से निपटने में वैश्विक एकजुटता की आवश्यकता पर जोर देता है। यूएनओडीसी की विश्व मादक पदार्थ रिपोर्ट 2020 के अनुसार, वर्ष 2018 में वैश्विक स्तर पर 269 मिलियन लोगों ने मादक पदार्थों का उपयोग किया, जो वर्ष 2009 की तुलना में 30 प्रतिशत अधिक है; तथा अनुमान है कि 35 मिलियन लोग मादक पदार्थ उपयोग विकारों से पीड़ित हैं। यह दिवस न्याय, शिक्षा, स्वास्थ्य देखभाल और वैकल्पिक आजीविका सहित रोकथाम में निवेश का आह्वान करता है- जो टिकाऊ लचीलेपन के निर्माण के साथ उन्नत एवं स्वस्थ मानव जीवन का आधार हैं। दुनिया में सभी राष्ट्रों में राजनीति और ड्रग्स का चोली दामन का संबंध है, सभी देशों में बड़ी राजनीतिज्ञ पार्टियों की नशा माफिया एवं नशीले पदार्थों के तस्करों के साथ काफी मिलीभगत है और यही वजह है कि दुनिया 'नशीले पदार्थों की राजनीति' के युग से

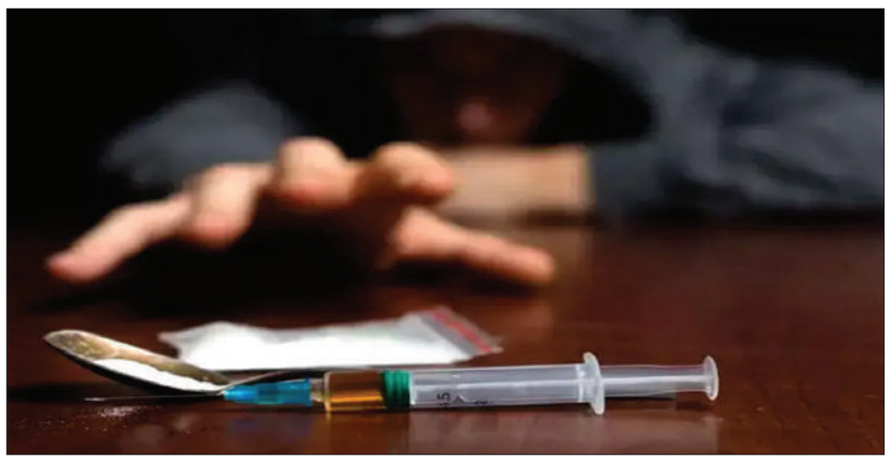

गुजर रही है। इसलिये भी यह समस्या उग्र से उग्रतर होती जा रही है। जिससे समय के साथ दुनिया में हेरोइन, अफीम, गांजा, चरस के अलावा अन्य नशों के साथ कैप्सूल और नशीली दवाइयों का चलन बढ़ने लगा है।

नशीली दवाओं का दुरुपयोग और अवैध तस्करी वैश्विक स्तर पर चिंता का विषय बनी हुई है, जिससे लाखों व्यक्ति, परिवार और समाज प्रभावित हो रहे हैं। इसीलिये यह दिवस एक स्वस्थ और नशीली दवाओं से मुक्त समाज बनाने के लिए साक्ष्य-आधारित नीतियों, सामुदायिक सहभागिता और नुकसान कम करने की रणनीतियों के महत्व पर प्रकाश डालता है। पिछले वर्ष विश्वभर में 15-64 वर्ष की आयु के 300 मिलियन से अधिक लोगों ने नशीले पदार्थों का उपयोग किया है। मादक द्रव्यों के सेवन संबंधी विकार से पीड़ित 8 में से 1 व्यक्ति को उपचार मिल पाता है, जिससे बेहतर स्वास्थ्य सेवा पहुंच की तत्काल आवश्यकता उजागर होती है। वैश्विक नशीली दवाओं का व्यापार प्रतिवर्ष 400 बिलियन डॉलर से अधिक उत्पन्न करता है, जिससे संगठित अपराध, भ्रष्टाचार और हिंसा को बढ़ावा मिलता है। इस बड़े संकट की रोकथाम की आवश्यकता को महसूस करते हुए ही संयुक्त राष्ट्र महासभा ने 7 दिसंबर, 1987 को संकल्प 42/112 के माध्यम से आधिकारिक तौर पर इस दिवस को स्थापित किया। इसका लक्ष्य नशीली दवाओं से संबंधित समस्याओं से निपटने में वैश्विक सहयोग को मजबूत करना और दंडात्मक उपायों के बजाय सार्वजनिक स्वास्थ्य-आधारित प्रतिक्रियाओं को बढ़ावा देना है। नशीली दवाओं का दुरुपयोग शरीर में लगभग हर प्रणाली को प्रभावित करता है, जिससे गंभीर अल्पकालिक और दीर्घकालिक परिणाम सामने आते हैं। मादक द्रव्यों के सेवन से दीर्घकालिक स्वास्थ्य स्थितियाँ पैदा होती हैं, जिसमें ओपिओइड, मेथ और सिंथेटिक ड्रग्स सबसे ज्यादा मृत्यु दर और दीर्घकालिक अंग क्षति का कारण बनते हैं। इसके अलावा, नशीली दवाओं के दुरुपयोग के मानसिक स्वास्थ्य परिणाम उपयोगकर्ता से परे तक फैल जाते हैं, जिससे अक्सर परिवार टूट जाते हैं, रोजगार छिन जाता है और अपराध दर बढ़ जाती है।

भारत में नशीली दवाओं का दुरुपयोग एक बढ़ता हुआ संकट है, जो भौगोलिक रूप से कमजोर, बढ़ती उपलब्धता और कम उम्र में इसकी शुरूआत से प्रेरित है। यह समस्या सभी आयु समूहों में फैली हुई है, लेकिन युवाओं में यह विशेष रूप से चिंताजनक है, जिसके स्वास्थ्य और सामाजिक परिणाम महत्वपूर्ण हैं। नशा मुक्त भारत अभियान - जागरूकता, शिक्षा और सामुदायिक कार्रवाई वाला एक राष्ट्रीय अभियान है। सीमा नियंत्रण और नारकोटिक्स ब्यूरो (एनसीबी)- बढ़ते नशीली दवाओं एवं नशे उत्पादों की तस्करी से निपटता है। यह नशीली दवाओं की जब्ती और अंतर्राष्ट्रीय सहयोग पर काम करता है। नशे एवं ड्रग्स के धंधे की रोकथाम एवं जन-जागृति के लिये प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने भारत में उल्लेखनीय उपक्रम किये हैं, नयी-नयी योजनाओं को लागू किया है। मोदी सरकार नशीली दवाओं के दुरुपयोग के शिकार लोगों के कल्याण, नशामुक्ति एवं नशामुक्त भारत को निर्मित करने के प्रतिबद्ध है।

पाकिस्तान ने भारत में आतंकवाद की ही तरह नशे एवं ड्रग्स को व्यापक स्तर पर फैलाया है, जिसके दुष्परिणाम विशेषतः पंजाब के साथ-साथ समूचे देश को भोगने को विवश होना पड़ रहा है। पंजाब नशे की अंधी गलियों में धंसता जा रहा है, सीमा पार से शुरू किए गए इस छद्म युद्ध की कीमत पंजाब की जनता को चुकानी पड रही है, देर आये दुरस्त आये की भांति लगातार चुनौती बने नशीली दवाओं एवं ड्रग्स के धंधे के खिलाफ आप सरकार ने एक महत्वाकांक्षी युद्ध एवं अभियान शुरू किया है। दरअसल, सबसे बड़ा संकट यह है कि पाकिस्तान, अफगानिस्तान और ईरान में हेरोइन उत्पादन के केंद्र- गोल्डन क्रिसेंट के निकट होने के कारण पंजाब लंबे समय से मादक पदार्थों की तस्करी से जूझ रहा है। पंजाब के 26 प्रतिशत युवा चरस, अफीम तथा कोकीन व हेरोइन जैसे सिंथेटिक ड्रग्स लेने में लिप्त हैं। पंजाब देश में ड्रग्स में सर्वाधिक संलिप्त राज्यों में आता है। यह डाटा गतदिनों गृहमंत्री अमित शाह की उपस्थिति में 'मादक पदार्थों की तस्करी एवं राष्ट्रीय सुरक्षा' पर आयोजित क्षेत्रीय सम्मेलन में सामने आया।

पंजाब में नशे की समस्या पर सुप्रीम कोर्ट भी चिन्ता व्यक्त करता रहा है, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने भी पूर्व में 'ड्रग्स-फ्री इंडिया' अभियान चलाने की बात कहकर इस राष्ट्र की सबसे घातक बुराई की ओर जागृति का शंखनाद किया है। देश के युवा अपनी अमूल्य देह में बीमार फेफड़े और जिगर सहित अनेक जानलेवा बीमारियां लिए एक जिन्दा लाश बने जी रहे हैं, पौरुषहीन भीड़ का अंग बन कर। ड्रग्स के सेवन से महिलाएं बांझपन का शिकार हो रही हैं। पुरुषों पर भी इसका प्रभाव पड़ रहा है। नशे के ग्लैमर की चकाचौंध ने जीवन के अस्तित्व पर चिन्ताजनक स्थितियां खड़ी कर दी है। चिकित्सकीय आधार पर देखें तो अफीम, हेरोइन, चरस, कोकीन, तथा स्मैक जैसे मादक पदार्थों से व्यक्ति वास्तव में अपना मानसिक संतुलन खो बैठता है एवं पागल तथा सुप्तावस्था में हो जाता है। मामला सिर्फ स्वास्थ्य से नहीं अपितु अपराध से भी जुड़ा हुआ है। कहा भी गया है कि जीवन अनमोल है। नशे के सेवन से यह अनमोल जीवन समय से पहले ही मौत का शिकार हो जाता है या अपराध की अंधी गलियों में धंसता चला जाता है, पाकिस्तान युवाओं को निस्तेज करके एक नये तरीके के आतंकवाद को अंजाम दे रहा है। संगठित अपराध और मादक पदार्थों की तस्करी के चक्र को तोड़ने के लिए समन्वित दीर्घकालिक कार्रवाई की आवश्यकता है। जरूरत है दुनिया की इस बड़े संकट एवं नासूर बनती इस समस्या को जड़मूल से समाप्त करने के लिये सरकारों के साथ गैर-सरकारी संगठन कमर कसे।

(लेखक, पत्रकार, स्तंभकार)

(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

अमावस्या पर बृजघाट व गंगाधाम तिगरी में हजारों श्रद्धालुओं ने लगाई आस्था की डुबकी

धनौरा/अमरोहा (सब का सपना) कविन्द्र सिंह:- आषाढ़ अमावस्या पर गंगा धाम तिगरी व बृजघाट में हजारों की संख्या में श्रद्धालुओं ने पहुंचकर आस्था की डुबकी लगाई और अपने ऊत पितरों को अर्ध्य देकर परिवार में सुख समृद्धि और शांति की कामना की।उधर अमावस्या को लेकर पुलिस प्रशासन भी लोगों की सुरक्षा व्यवस्था को लेकर अलर्ट दिखाई दिया। बता दें कि बुधवार को आषाढ़ अमावस्या पर हजारों श्रद्धालुओं ने बृजघाट व तिगरी गंगा धाम स्थित गंगा में आस्था की डुबकी लगाई। आषाढ़ अमावस्या के अवसर पर बृजघाट व तिगरी गंगा तट पर श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ती दिखाई दी। श्रद्धालुओं ने मां गंगा से अपने परिवार और समाज में सुख शांति एवं समृद्धि की कामना की। स्नान का सिलसिला दोपहर बाद तक चलता रहा। बुधवार को आषाढ़ अमावस्या के अवसर पर तड़के से ही स्नान शुरू हो गया था। सुबह आठ बजते-बजते ब्रजघाट व तिगरी गंगा घाट पर हजारों की संख्या में श्रद्धालुओं की भीड़ जुट गई थी। श्रद्धालुओं ने हर-हर गंगे के उद्घोष के संग गंगा स्नान किया। अमावस्या पर स्नान के लिए बहुत से श्रद्धालुओं ने तो मंगलवार रात ही ब्रजघाट व तिगरी पहुंचकर धर्मशालाओं व होटलों में ठहरकर रात काटी और सुबह भोर की पहली किरण के साथ स्नान करके वापसी चले गए। दोनों स्थानों पर न केवल अमरोहा बल्कि आसपास के जनपद जैसे रामपुर, मुरादाबाद, संभल, बिजनौर, मेरठ, हापुड़, बुलंदशहर आदि जिलों से पहुंचे श्रद्धालुओं ने भी गंगा स्नान किया। अमावस्या के दौरान दोनों स्थानों पर श्रद्धालुओं की सुरक्षा व्यवस्था को लेकर पुलिस प्रशासन भी पूरी तरह मुस्तैद रहा। वहीं रेलवे स्टेशन के निकट ज्योतिष केन्द्र संचालक पंडित दयानंद शर्मा ने बताया कि आषाढ़ अमावस्या पर भारी संख्या में श्रद्धालु स्नान करने के लिए आते हैं। इस दिन स्नान करने से श्रद्धालुओं के जीवन में उल्लास, उनके घरों में सुख व समृद्धि आती है।

मुख्यमंत्री अभ्युदय कोचिंग योजना में शिक्षण कार्य के लिए किया जा रहे हैं इंटरव्यू

अमरोहा (सब का सपना):- जनपद में शहर से लेकर ग्रामीण क्षेत्रों में निवास करने वाले छात्र-छात्राओं को यह जानकर बहुत खुशी होगी, कि उनके शहर अमरोहा में उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा मुख्यमंत्री अभ्युदय कोचिंग योजना के अंतर्गत नौकरी में कुछ पदों पर तैयारी के लिए निःशुल्क कोचिंग सेंटर का आयोजन किया जाता रहा है। इस दौरान मुख्यमंत्री अभ्युदय कोचिंग योजना के अंतर्गत नीट, यूपीएससी, यूपीएससी, NDA, CDS एवं इंजीनियरिंग प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के लिए छात्र-छात्राओं को निशुल्क कोचिंग की व्यवस्था उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा की गई है। यह कोचिंग जनपद अमरोहा शहर के हाशमी डिग्री कॉलेज में संचालित किया जा रहा है। वहीं वर्ष 2025 और2026 के लिए अध्ययन कार्य माह जुलाई 2025 से प्रारंभ किया जाएगा। जिसको लेकर योग्य शिक्षकों का चयन मुख्य विकास अधिकारी अश्वनी कुमार मिश्र की अध्यक्षता में गठित समिति द्वारा साक्षात्कारों के माध्यम से किया जा रहा है। इस अवसर पर अन्य विभाग के अधिकारी और कॉलेज के प्रोफेसर मौजूद रहे।

जिलाधिकारी की अध्यक्षता में आकांक्षात्मक विकासखंड कार्यक्रम की समीक्षा बैठक का किया गया आयोजन

बहजोई/सम्भल (सब का सपना):- कलक्ट्रेट सभागार में जिलाधिकारी डॉ राजेन्द्र पैंसिया की अध्यक्षता में आकांक्षात्मक विकासखंड कार्यक्रम की समीक्षा बैठक का आयोजन किया गया। संस्थागत प्रसव तथा गोल्डन कार्ड को लेकर चर्चा की गयी तथा कार्ययोजना बनाते हुए कार्य करने के लिए संबंधित को निर्देशित किया गोल्डन कार्ड के कार्य को मिशन मोड़ पर लेने के भी निर्देश दिए।टीकाकरण को लेकर भी आवश्यक दिशा निर्देश दिए। एएनसी चेकअप को लेकर विकासखंड वार चर्चा की गयी। आशा डायरी अपडेट करने के निर्देश दिए। एन्क्वास को लेकर जानकारी प्राप्त की गयी। जिलाधिकारी ने संबंधित को निर्देशित करते हुए कहा कि प्रत्येक दिन दो ग्राम कुल डीपीएमयू में आयें ताकि अच्छे से समीक्षा हो सके।जिलाधिकारी ने पीटीआर पर चिंतन करने तथा निपुण चैम्पियन बालक तथा निपुण चैम्पियन अभिभावक को लेकर भी निर्देशित किया। जिलाधिकारी ने संबंधित को निर्देशित करते हुए कहा कि डीपीएमयू के कार्मिक नियमित रूप से पूर्वाह्न लगभग 10 बजे अधोहस्ताक्षरी के साथ वार्ता करें। कायाकल्प की फीडिंग को लेकर जानकारी प्राप्त की गयी। प्रत्येक इंडीकेटर में सुधार हो। जिलाधिकारी ने संबंधित को निर्देशित करते हुए कहा कि प्रत्येक विद्यालय में रेन वाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम शत प्रतिशत लगाया जाए। जनता से अलग जनार्दन नहीं तथा नर सेवा नारायण सेवा हमारे आस पास के करोड़ों जीते जागते नारायणों का दुख दूर करना ही प्रत्येक मनुष्य का परम लक्ष्य हो तथा नागरिक देवो भवः के सूत्रों का सभी को पालन करना चाहिए। डीपीएमयू के सदस्यों द्वारा भी अपने अनुभव साझा किये गये। अधिकारियों को योजनाओं से संबंधित बिन्दुओं के संतृप्तिकरण के लिए आकांक्षात्मक विकासखंड से संबंधित ग्रामों का निरीक्षण करने को लेकर भी दिशा निर्देशित किया।नव चयनित आंगनवाड़ियों के प्रशिक्षण को लेकर भी निर्देश दिए। दिनांक 26 जून को कलक्ट्रेट में समस्त संबंधित ग्राम सचिवों की बैठक कराने को लेकर भी निर्देशित किया। माध्यमिक शिक्षा विभाग तथा पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना आदि पर भी चर्चा की गयी। इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी गोरखनाथ भट्ट, मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ तरुण पाठक, परियोजना निदेशक डीआरडीए ज्ञान सिंह, जिला विकास अधिकारी राम आशीष, मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी डॉ शैलेन्द्र सिंह, जिला विद्यालय निरीक्षक श्यामा कुमार, जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी अलका शर्मा तथा संबंधित अधिकारी कर्मचारी उपस्थित रहे।

अखिल भारतीय उद्योग व्यापार मंडल ने व्यापारियों के हित में दिया ज्ञापन

चंदौसी/सम्भल। (हनी चन्द्रा) सब का सपना:- अखिल भारतीय उद्योग व्यापार मंडल ने एक ज्ञापन एडिशनल कमिश्नर वाणिज्य कर विभाग मुरादाबाद को संबोधित डिप्टी कमिश्नर बब्बू यादव एवं धर्मेंद्र कुमार के माध्यम से स्टेशन रोड वाणिज्य कर कार्यालय में दिया। ज्ञापन के माध्यम से व्यापारियों के उत्पीड़न को रोकने के लिए सुझाव दिए और मांग करी जिसमें व्यापारियों को नए रजिस्ट्रेशन के लिए विभाग के चक्कर लगाने पड़ते हैं और उसे अधिकारी परेशान करते है। पहले भी व्यापारियों के रजिस्ट्रेशन के लिए एक अलग काउंटर था जो अब नहीं है। जिससे व्यापारियों को काफी परेशानी होती है इसीलिए व्यापारियों के रजिस्ट्रेशन के लिए एक अलग काउंटर बनाया जाए जिससे व्यापारियों को सहूलियत मिल सके चंदौसी क्षेत्र में गाड़ी चेक करने वाली टीम वाणिज्य कर विभाग की घूमती है। व्यापारियों के कागज पूरे होने के बाद भी उसे परेशान किया जाता है और गाड़ी को मुरादाबाद ले जाया जाता है जिससे व्यापारी को काफी परेशानी होती है। व्यापार मंडल मांग करता है की संभल जिले में जो गाड़ी चेक हो उसे संभल जिले में ही रखा जाए ना कि मुरादाबाद ले जाया जाए व्यापारियों के पुराने कैस 1819 20 21 22 को खोलकर वाणिज्य कर अधिकारी व्यापारियों का उत्पीड़न कर रहे हैं। व्यापारी जो कि अभी तक जीएसटी से अनजान है इन केसों को व्यापारियों के साथ बैठकर आसानी से निपटाया जाए ना कि उनका उत्पीड़न किया जाए। जब एक व्यापारी खरीदार किसी से माल लेता है तो वह जीएसटी का भुगतान कर देता है ऐसे में अगर विक्रेता फर्म भाग जाती है या बंद हो जाती है तो खरीदार व्यापारी जो की जीएसटी का भुगतान कर चुका है विभाग द्वारा उसको परेशान किया जाता है। जबकि व्यापारी की इस बात की कोई जिम्मेदारी नहीं है जापान में समस्याओं को संज्ञान में लेकर निस्तारण की मांग की ज्ञापन सौंपने वालों में मुख्य रूप से प्रेम ग्रोवर जिला अध्यक्ष, प्रदेश संगठन मंत्री शाह आलम मंसूरी प्रदेश मंत्री, मीडिया प्रभारी विकास मिश्रा, उमेश चंद वार्ष्णेय, सुभाष पाल, सुशील अग्रवाल, हाजी शाहनवाज, दीपेश गुप्ता आदि व्यापारी शामिल थे।

अतिक्रमण की हुई जगह करें तुरंत खाली वरना चलेगा बुलडोजर... एस डी एम विनय मिश्रा

बहजोई/संभल(सब का सपना):- एक बार फिर अतिक्रमण हटाओ अभियान शुरू हो चुका है अतिक्रमण स्पेस्लिस्ट उप जिलाधिकारी विनय मिश्रा की बड़ी कार्रवाई सुर्खियों में दिखाई दी है। जनपद सम्भल के कस्बा बहजोई मे उप जिलाधिकारी विनय मिश्रा अपनी वापसी की दस्तक देते हुए इस्लामनगर चौराहे पर अतिक्रमण कारियो को सन्देश देते दिखाई दिए कि मेरे रहते हुए किसी भी कीमत पर अतिक्रमण नहीं रहने दिया जायेगा बहजोई मे नालो की सफाई हेतु बरसात से पहले ही नालो के ऊपर पढ़े पटियों को एस डी एम के आदेशानुसार जेसीबी ने उखाड़ दिया। जिस से बरसात मे सड़को पर पानी भर जाता है। नगर पालिका द्वारा नालो की सफाई होने से उस पर अंकुश लगेगा। और शहर बासियो और राहगीरों को परेशानी नहीं होगी। उप जिलाधिकारी विनय मिश्रा ने अतिक्रमण कारियो को चेताबनी देते हुए कहा कि आप अतिक्रमण की हुई जगह तुरंत खाली कर दे अन्यथा बुलडोजर द्वारा जगह खाली की जाएगी। आपको बताते चलें कि उप जिलाधिकारी विनय मिश्रा का ट्रांसफर चंदौली के लिए हो गया परंतु जिला संभल के नागरिकों द्वारा विनय मिश्रा को पुनः रोकने के लिए जिला अधिकारी को ज्ञापन दिया गया था कि यूपी जिला अधिकारी को रोका जाए जिससे जिला संभल की दिशा और दशा सुधर सके और अतिक्रमण की हुई जगह की वापसी की जा सके

राज्य महिला आयोग की सदस्या ने की हिंसा से पीड़ित महिलाओं की जनसुनवाई

हापुड (सब का सपना):- उत्तर प्रदेश राज्य महिला आयोग के सदस्या मनीषा अहलावत की अध्यक्षता में सिंचाई विभाग गेस्ट हाउस हापुड़ में जनसुनवाई कार्यक्रम का आयोजन किया गया ' जिसमें जनपद में हिंसा से पीड़ित 10 महिलाओं की जनसुनवाई की गई जिसमें पारिवारिक विवाद ,दहेज उत्पीड़न, मारपीट संबंधित, महिलाओं के केस आए जिनका राज्य महिला आयोग सदस्य द्वारा संबंधित थानों के प्रभारी को तत्काल कार्रवाई के निर्देश दिए गए हैं जनसुनवाई में जनपद के तहसीलदार हापुड़, प्रतिनिधि मुख्य चिकित्साधिकारी, महिला थाना प्रभारी, प्रतिनिधि जिला कार्यक्रम अधिकारी, जिला प्रोवेशन अधिकारी, के साथ समस्त अधिकारी उपस्थित रहे। शिकायती प्रार्थना पत्रों के त्वरित निस्तारण हेतु संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया गया ।जनसुनवाई कार्यक्रम के पश्चात सदस्य द्वारा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र हापुड़ का निरीक्षण किया इस दौरान जिला प्रोवेशन अधिकारी हापुड़ के साथ जिला प्रोवेशन कार्यालय से पंकज यादव कनिष्ठ सहायक,अमित, मनीष संरक्षण अधिकारी, हुमा चौधरी सामाजिक कार्यकर्ता,रोहित सिंह आउटरीच कार्यकर्ता,सोनिया प्रभारी वन स्टॉप सेंटर के साथ अन्य अधिकारी व कर्मचारी उपस्थित रहे।

मिशन शक्ति अभियान के अंतर्गत महिला सशक्तिकरण हेतु प्रयासरत है : जिला प्रोबेशन अधिकारी

अमरोहा (सब का सपना) रोहित कुमार:- जिले में मिशन शक्ति अभियान के तहत महिलाओं और बालिकाओं की सुरक्षा, सशक्तीकरण और सम्मान को बढ़ावा देने के लिए कई महत्वपूर्ण कदम उठाए जा रहे हैं। इस अभियान के अंतर्गत जिला प्रोबेशन अधिकारी राकेश सिंह ने अपने समर्पण और नेतृत्व से समाज में सकारात्मक बदलाव लाने का एक अनुकरणीय उदाहरण प्रस्तुत किया है। उनके द्वारा किए जा रहे कार्य न केवल महिलाओं के अधिकारों को मजबूत कर रहे हैं, बल्कि सामाजिक जागरूकता और लैंगिक समानता को भी बढ़ावा दे रहे हैं। यह लेख राकेश सिंह के योगदान, मिशन शक्ति अभियान की विशेषताओं और अमरोहा जिले में इसके प्रभाव को विस्तार से प्रस्तुत करता है।

मिशन शक्ति, उत्तर प्रदेश सरकार की एक प्रमुख पहल है, जिसे वर्ष 2020 में शुरू किया गया था। इसका उद्देश्य महिलाओं और बालिकाओं के खिलाफ होने वाली हिंसा को रोकना, उनकी सुरक्षा सुनिश्चित करना और उन्हें सामाजिक, आर्थिक और शैक्षिक रूप से सशक्त बनाना है। यह अभियान नवरात्रि के पावन अवसर पर शुरू किया जाता है, जो नारी शक्ति के प्रति समाज की श्रद्धा को दर्शाता है। मिशन शक्ति के तहत विभिन्न विभागों जैसे पुलिस, शिक्षा, स्वास्थ्य, ग्राम्य विकास और महिला एवं बाल विकास विभाग मिलकर कार्य करते हैं। महिलाओं के लिए कौशल प्रशिक्षण, स्वरोजगार के अवसर और आर्थिक सहायता। साथ ही लैंगिक समानता, महिला अधिकारों और कानूनी प्रावधानों के बारे में समाज को शिक्षित करना। इस दौरान महिलाओं के प्रति समाज में सकारात्मक दृष्टिकोण को बढ़ावा देना। अमरोहा जिले के प्रोबेशन अधिकारी राकेश सिंह ने मिशन शक्ति अभियान को जमीनी स्तर पर लागू करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। उनकी कार्यशैली, सामुदायिक सहभागिता और नवाचार ने इस अभियान को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाया है। राकेश सिंह ने अपने प्रशासनिक कौशल और सामाजिक संवेदनशीलता के बल पर महिलाओं और बच्चों के कल्याण के लिए कई योजनाओं को प्रभावी ढंग से लागू किया है। राकेश सिंह का मानना है कि समाज का विकास तभी संभव है जब महिलाएं और बच्चे सुरक्षित और सशक्त हों। उन्होंने अपने कार्यकाल में कई ऐसी पहल की हैं, जो न केवल मिशन शक्ति के उद्देश्यों को पूरा करती हैं, बल्कि सामाजिक बदलाव की नींव भी रखती हैं। उनके नेतृत्व में अमरोहा जिले में मिशन शक्ति अभियान ने कई उपलब्धियां हासिल की हैं। अमरोहा जिले में मिशन शक्ति के तहत राकेश सिंह के प्रमुख कार्य किए है। राकेश सिंह ने अमरोहा जिले के ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में सैकड़ों जागरूकता शिविरों का आयोजन किया है। इन शिविरों में महिलाओं को उनके कानूनी अधिकारों, घरेलू हिंसा निवारण अधिनियम, यौन उत्पीड़न के खिलाफ कानून और अन्य सरकारी योजनाओं के बारे में जानकारी दी जाती है। इन शिविरों में स्थानीय महिलाओं, आंगनवाड़ी कार्यकताओं और स्कूल की छात्राओं को शामिल किया जाता है। हसनपुर तहसील के

एक गांव में आयोजित शिविर में राकेश सिंह ने स्वयं उपस्थित होकर महिलाओं को बताया कि वे किसी भी प्रकार की हिंसा को सहन न करें और नजदीकी वन स्टॉप सेंटर या महिला हेल्पलाइन पर शिकायत दर्ज कराएं। इस शिविर में 200 से अधिक महिलाओं ने भाग लिया और कई ने अपनी समस्याओं को खुलकर साझा किया। वन स्टॉप सेंटर का सुदृढ़ीकरण मिशन शक्ति के तहत अमरोहा में स्थापित वन स्टॉप सेंटर को राकेश सिंह ने और अधिक प्रभावी बनाया है। यह केंद्र महिलाओं को कानूनी सहायता, चिकित्सा सुविधा, मनोवैज्ञानिक परामर्श और अस्थायी आश्रय प्रदान करता है। राकेश सिंह ने सुनिश्चित किया कि इस केंद्र में प्रशिक्षित कर्मचारी और संसाधन उपलब्ध हों। उनके प्रयासों से वन स्टॉप सेंटर ने पिछले एक वर्ष में 150 से अधिक महिलाओं को सहायता प्रदान की है, जिनमें घरेलू हिंसा, यौन शोषण और वैवाहिक विवाद के मामले शामिल हैं। केंद्र की सेवाओं को और अधिक सुलभ बनाने के लिए राकेश सिंह ने स्थानीय पंचायतों और एनजीओ के साथ साझेदारी की है। बालिकाओं के लिए शैक्षिक और कौशल विकास कार्यक्रम राकेश सिंह ने मिशन शक्ति के तहत बालिकाओं की शिक्षा और कौशल विकास पर विशेष ध्यान दिया है। उन्होंने जिले के स्कूलों में "बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ" अभियान को मजबूत किया और ड्रॉपआउट दर को कम करने के लिए कई पहल कीं। इसके अलावा, उन्होंने ग्रामीण क्षेत्रों में किशोरियों के लिए सिलाई, कढ़ाई, कंप्यूटर प्रशिक्षण और अन्य व्यावसायिक कोर्स शुरू किए। वही हसनपुर तहसील में जिला प्रोबेशन अधिकारी राकेश सिंह के द्वारा बाल विवाह को रोकने के लिए एम भूमिका निभाई है। इस दौरान तहसील हसनपुर क्षेत्र में तेरे बाल विवाह पर रोक लगाई। राकेश सिंह ने अमरोहा में पिंक बूथ और महिला हेल्पलाइन (181) की सेवाओं को और अधिक सक्रिय किया है। पिंक बूथ पर महिला पुलिस कर्मियों की तैनाती सुनिश्चित की गई है, जो महिलाओं की शिकायतों को तुरंत दर्ज करती हैं। इसके अलावा, उन्होंने हेल्पलाइन नंबर का व्यापक प्रचार-प्रसार किया, ताकि अधिक से अधिक महिलाएं इस सुविधा का लाभ उठा सकें। उनके प्रयासों से पिछले छह महीनों में महिला हेल्पलाइन पर 300 से अधिक कॉल प्राप्त हुईं, जिनमें से अधिकांश मामलों का त्वरित समाधान किया गया। पुरुषों को जागरूक करने की पहल राकेश सिंह ने यह समझा कि लैंगिक समानता और महिला सुरक्षा के लिए पुरुषों की भागीदारी भी आवश्यक है। उन्होंने पुरुषों और युवाओं के लिए विशेष जागरूकता कार्यक्रम शुरू किए, जिसमें उन्हें महिलाओं के प्रति सम्मान और लैंगिक संवेदनशीलता के महत्व को समझाया गया। नौगांवा सादात में आयोजित एक ऐसे ही कार्यक्रम में 100 से अधिक युवाओं ने भाग लिया और लैंगिक हिंसा के खिलाफ शपथ ली। इस पहल को स्थानीय समुदाय ने खूब सराहा है। इसकी के साथ सामुदायिक सहभागिता में स्थानीय समुदाय, पंचायतों, स्कूलों और एनजीओ के साथ मिलकर कार्य करते हैं। राकेश सिंह पीड़ित महिलाओं और बच्चों की समस्याओं को गंभीरता से सुनते हैं और त्वरित कार्रवाई करते हैं। साथ ही उनके विभाग की योजनाओं और कार्यक्रमों में पारदर्शिता बरती जाती है, जिससे जनता का विश्वास बढ़ता है। राकेश सिंह के नेतृत्व में मिशन शक्ति अभियान ने अमरोहा जिले में कई सकारात्मक बदलाव लाए हैं। इस दौरान महिलाओं में जागरूकता शिविरों और प्रशिक्षण कार्यक्रमों ने महिलाओं में आत्मविश्वास बढ़ाया है। उनके सार्थक प्रयासों से वन स्टॉप सेंटर और महिला हेल्पलाइन के सक्रिय होने से घरेलू हिंसा और यौन शोषण के मामलों में कमी आई है।ओर कौशल प्रशिक्षण से कई महिलाएं आत्मनिर्भर बनी हैं। समाज में लैंगिक समानता और महिला अधिकारों के प्रति जागरूकता बढ़ी है। हालांकि राकेश सिंह ने मिशन शक्ति को प्रभावी ढंग से लागू किया है, फिर भी कुछ चुनौतियां बनी हुई हैं। ग्रामीण क्षेत्रों में अभी भी कई महिलाएं अपने अधिकारों से अनजान हैं। इसके अलावा, सामाजिक रूढ़ियों और पितृसत्तात्मक मानसिकता को बदलने में समय लगेगा। अमरोहा जिले के प्रोबेशन अधिकारी राकेश सिंह मिशन शक्ति अभियान के तहत अपने उत्कृष्ट कार्यों से समाज में बदलाव की नई लहर ला रहे हैं। उनकी मेहनत, समर्पण और नवाचारी दृष्टिकोण ने न केवल महिलाओं और बालिकाओं को सशक्त किया है, बल्कि समाज में लैंगिक समानता और सम्मान की भावना को भी मजबूत किया है। उनके कार्य न केवल अमरोहा, बल्कि पूरे उत्तर प्रदेश के लिए एक प्रेरणा हैं। मिशन शक्ति के तहत उनके योगदान से यह स्पष्ट है कि सही नेतृत्व और सामुदायिक सहयोग से समाज में सकारात्मक बदलाव संभव है। राकेश सिंह जैसे अधिकारी नारी शक्ति को नया आयाम दे रहे हैं और एक सुरक्षित, सशक्त और समृद्ध समाज की नींव रख रहे हैं।

जनपद भर मे जगह-जगह पर आपातकाल के 50 वर्ष पूर्ण होने पर हस्ताक्षर अभियान कार्यक्रम का किया गया आयोजन

गजरौला/अमरोहा (सब का सपना):- जनपद के अलग-अलग स्थानो पर आपातकाल के 50 वर्ष पूर्ण होने पर हस्ताक्षर अभियान चला गया। इसी क्रम में गजरौला नगर स्थित ग्रांड प्लाजा होटल में आपातकाल की 50 वर्ष पूर्ण होने पर हस्ताक्षर अभियान कार्यक्रम का आयोजन कराया गया। कार्यक्रम में प्रदेश मंत्री चंद्र मोहन एवं प्रभारी मंत्री केपी मलिक सहित धनोरा विधायक राजीव तरारा, अमरोहा लोकसभा सांसद चौधरी कंवर सिंह तंवर, गजरौला ब्लॉक प्रमुख मीनाक्षी चौधरी आदि भाजपा पदाधिकारीगण मुख्य अतिथि के रूप में शामिल रहे। कार्यक्रम के दौरान भाजपा पदाधिकारीयों ने वहां उपस्थित क्षेत्र वासियों को 1975 में कांग्रेस द्वारा देश पर किए गए कुत्सित कार्यों के बारे में विस्तार से अवगत कराया। बता दें कि बुधवार को नगर स्थित दी ग्रांड प्लाजा होटल में आपातकाल के 50 वर्ष पूर्ण होने पर एक हस्ताक्षर अभियान कार्यक्रम का आयोजन कराया गया।जिसमें हस्ताक्षर करके आज देश भर में मनाए जाने वाले संविधान हत्या दिवस कार्यक्रम में प्रतिभाग किया एवं वहां उपस्थित क्षेत्र वासियों को संबोधित करते हुए सन 1975 में आज ही के दिन कांग्रेस द्वारा देश पर आपातकाल ठोक कर संविधान, स्वतंत्रता एवं नागरिक अधिकारों का गला घोंटने जैसे कुत्सित कार्यों के बारे में वहां उपस्थित जनसभा को विस्तार से अवगत कराया। इसके साथ ही लोकतंत्र की पुनः स्थापना हेतु संघर्ष करने वाले सभी महान लोकतंत्र सेनानियों को कोटि-कोटि नमन किया गया। इस अवसर पर वहां कार्यक्रम में मुख्य अतिथि प्रदेश मंत्री चंद्र मोहन, प्रभारी मंत्री केपी मलिक, भाजपा क्षेत्रीय मंत्री कविता माधरे, भाजपा जिला अध्यक्ष उदयगिरि गोस्वामी, धनोरा विधायक राजीव तरारा, ब्लॉक प्रमुख गण, गजरौला ब्लॉक प्रमुख मीनाक्षी चौधरी, खंड विकास अधिकारी प्रतिभा अग्रवाल, एडीओ पंचायत राजवीर सिंह, अमरोहा लोकसभा के लोकप्रिय सांसद चौधरी कंवर सिंह तंवर, हसनपुर विधानसभा विधायक महेंद्र सिंह खड्गवंशी, पूर्व विधायक एवं पूर्व नगर पालिका चेयरमैन हरपाल सिंह, हसनपुर चेयरमैन राजपाल सिंह सैनी, धनोरा अध्यक्ष प्रवीण अग्रवाल, समस्त ग्राम पंचायत सचिव शिवम वर्मा, राजपाल सिंह, राहुल राणा, गौरव चौधरी, पल्लवी चौधरी, अर्चना सैनी, उपेंद्र यादव, एपीओ मनरेगा मुकेश कुमार, रोजगार सेवक भारत सिंह, रविन्द्र कुमार, एवं कार्यक्रम का कुशल संचालन कर रहे चंद्रपाल सिंह भाटी, कार्यक्रम संयोजक जिला उपाध्यक्ष अतुल चौधरी, सहसंयोजक राजीव चौहान सहित सैकड़ो की संख्या में भाजपा समर्थक, भाजपा कार्यकर्ता एवं भाजपा के पदाधिकारी गण मौजूद रहे।

जनपद के विकासखंड गंगेश्वरी के सभागार में आपातकाल के 50 वर्ग पूर्ण होने पर हस्ताक्षर अभियान चलाया गया

जनपद के विकासखंड गंगेश्वरी के सभागार में आपातकाल के 50 वर्ग पूर्ण होने पर हस्ताक्षर अभियान चलाया गया इस दौरान मुख्य अतिथि राजेंद्र सिंह खड़कबंशी ब्लॉक प्रमुख गंगेश्वरी, व खंड विकास अधिकारी अश्वनी कुमार द्वारा आपातकाल के बारे में जानकारी दी गई इस दौरान एपीओ मनरेगा सौरभ चौधरी, प्रधान संघ अध्यक्ष पप्पू सिंह, दुधा सिंह प्रधान, विजेंद्र प्रधान, अकाउंटेड संजय कुमार वर्मा, नवल किशोर, ओमवीर सिंह, अरविंद कुमार, राजीव कुमार, मनोज कुमार, अफसर हसन, नवाब, छोटे, सतपाल सिंह, समीर, राशिद आलम, बलराम कुमार,महेंद्र सिंह बादशाह ,अनीश, राजवीर सिंह, चिरंजीत सिंह, अरशद अली, व समस्त लोग मौजूद रहे।

हजरत शाह अली मुत्तकी मियां रहमतुल्ला अलैह के चार रोजा सालाना उर्स का हुआ समापन...

संभल (सब का सपना):- हजरत शाह अली मुत्तकी मियां रहमतुल्ला अलैह के चार रोजा सालाना उर्स का समापन चादर पोशी व कुल शरीफ की रस्म के साथ अदा किया गया। उर्स में कुल की रात मे हुई महफिले कव्वाली में कव्वालों ने अली अली मोला मोला अली मोला कलाम पर अकीदतमंदों को झूमने के लिए मजबूर कर दिया। नगर के मंडी किशनदास सराय अली सराय में स्थित हजरत शाह अली मुत्तकी मियां इसराईली चिश्ती कादरी के सालाना उर्स में अकीदतमंदो ने शिरकत फरमाई। जिसमें कव्वाल रईस झनकार और कमर वारसी (लखनऊ) ने सूफियाना कलाम पेश किए। जब इमाम आली मकाम के शान में कलाम पढ़ा गया तो हर तरफ से नजरानों की बौछार हो गई। बताया गया कि उर्स का समापन कुल शरीफ ओर चादर पोशी की रस्म के साथ अदा किया गया, उर्स में मुफ्ती हसन मियां वारसी (बिलालपत शरीफ) ने मुल्क के अमनो-अमान के लिए दुआ कराई। इस दौरान नाजिम-ए-दरगाह मुनाजिर हुसैन इसराईली वारसी, आयोजक(सदर)- उमर तुर्की, सलमान संभली, महफूज तुर्की, इमरान तुर्की,सलमान तुर्की,बॉबी,एड0 अरमगान तुर्की,फराज तुर्की,जुबैर अंसारी,दिनेश कुमार (D.K) ,मदन प्रधान,रंजीत प्रधान, सरताज प्रधान,फहीम वारसी, सैफ अली वारसी, साकिब वारसी, मरगूब अशरफी, बबलू मेंबर, अनस तुर्की,सादिक वारसी,अकील वारसी,फराहीन वारसी, एहतेशाम अशरफी, शफीक वारसी, आसिफ असकरी, अजीम सैफी, बाबू मंसूरी, फिरोज अशरफी, कासिम तुर्की, सुलतान, शम्सउद्दीन, रईस वारसी, अनीस वारसी, नफीस वारसी आदि लोग मौजूद रहे। संचालन सलमान संभली ने किया।

वृहद गो संरक्षण केन्द्र नन्दपुर का जिलाधिकारी ने किया निरीक्षण

हापुड़ (सब का सपना): बुद्धवार को अभिषेक पाण्डेय जिलाधिकारी द्वारा वृहद गो संरक्षण केन्द्र नन्दपुर, विकास खण्ड धौलाना का औचक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के समय डा० ओ० पी० मिश्रा, मुख्य पशुचिकित्साधिकारी, हापुड़, राम कुमार, खण्ड विकास अधिकारी, डा० विनीत शर्मा, पशुचिकित्साधिकारी, सपनावत श्यामकिशोर तिवारी, संचालनकर्ता माधव ग्रामोद्योग सेवा संस्थान अजीतमल, औरैया एवं अन्य सम्बन्धित अधिकारी उपस्थित रहे। मुख्य पशुचिकित्साधिकारी ने जिलाधिकारी को अवगत कराया कि वृहद गो संरक्षण केन्द्र का निर्माण यू०पी०आर०एन०एन० के द्वारा वर्ष 2019-20 में कराया गया तथा वर्तमान में गोवंश धारण क्षमता 450 के सापेक्ष कुल 563 मादा गोवंश संरक्षित हैं। जिलाधिकारी द्वारा वृहद गो संरक्षण केन्द्र के प्रत्येक शेड में जाकर गोवंशों के स्वास्थ्य की स्थिति, नवजात बछडों, हरा चारा, भूसा, पीने के पानी की चर, हरा चारा काटने की मशीन का गहनता से निरीक्षण किया। निरीक्षण के समय वृहद गो संरक्षण केन्द्र पर 200 कुन्तल भूसा, 120 कुन्तल हरा चारा एवं 124 कुन्तल चोकर उपलब्ध मिला। जिलाधिकारी द्वारा निर्देशित किया गया कि गोवंशों को प्रतिदिन हरा चारा, दाना/रातव आदि प्रचुर मात्रा में खिलाया जाये तथा स्वच्छ एवं ताजा पानी पिलाया जाये तथा साफ-सफाई बढायी जाये। पशुचिकित्साधिकारी द्वारा गोवंशों का स्वास्थ परीक्षण एवं चिकित्सा नियमित रूप की जाये। बारिश के कारण कीचड की समस्या है। जल निकासी की व्यवस्था हेतु खण्ड विकास अधिकारी को निर्देशित किया गया।

अमावस्या पर तिगरी गंगा धाम में स्नान करने आये श्रद्धालु की हालत बिगड़ी ,मौत

धनौरा/अमरोहा (सब का सपना) कविन्द्र सिंह:- तिगरी गंगा धाम में अमावस्या पर स्नान करने आए एक श्रद्धालुओं की अचानक तबीयत बिगड़ने से मौत हो गई। आनन-फानन में उसे गजरौला सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में लेकर आए जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। आपको बता दें कि बुधवार को गंगा धाम तिगरी में स्नान करने आए एक श्रद्धालु की अचानक तबीयत बिगड़ गई। जिससे घाट पर मौजूद श्रद्धालुओं में अफरा तफरी मच गई। आनन-फानन में वहां पर मौजूद श्रद्धालु उसे गजरौला के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लेकर पहुंचे जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। प्राप्त जानकारी के अनुसार बताया गया कि मृतक श्रद्धालु जयवपाल सिंह जनपद संभल के थाना असमोली क्षेत्र के गांव गढ़वाली का रहने वाला था जो अपनी पत्नी सुशीला के साथ बाइक से अमावस्या पर तिगरी गंगा धाम में स्नान करने के लिए आया था।जैसे ही वह अपनी पत्नी के साथ तिगरी पहुंचा तो अचानक जयपाल की तबीयत बिगड़ गई और जयपाल की मौत हो गई। उसकी मौत से उसके परिवार में कोर मचा गया उधर उसकी पत्नी सुशीला का भी रो-रो कर बुरा हाल है।

आपातकाल दिवस पर प्रभारी मंत्री के द्वारा लोकतंत्र सेनानियों व उनके आश्रितों को किया गया सम्मानित

अमरोहा (सब का सपना):- राज्य मंत्री, वन पर्यावरण, जन्तु उद्यान एवं जलवायु परिवर्तन विभाग, उ०प्र० शासन/प्रभारी मंत्री जनपद अमरोहा के0पी0 मलिक की अध्यक्षता में शिक्षक विधयक हरिसिंह ढिल्लो, विधायक हसनुपर महेन्द्र सिंह खड़गवंशी, न0पा0प0 अमरोहा अध्यक्षा शशि जैन की उपस्थिति में कलेक्ट्रेट सभागार में आपातकाल की 50वीं वर्षगांठ के अवसर पर आपातकाल दिवस मनाया गया। सर्वप्रथम प्रभारी मंत्री एवं अन्य जनप्रतिनिधियों एवं अधिकारियों द्वारा भारत माता के चित्र पर पुष्प अर्पित कर नमन किया गया। जिसमें लोकतंत्र की रक्षा के लिए संघर्ष करने वाले लोकतंत्र सेनानियों व उनके आश्रितों को सम्मानित किया गया। प्रभारी मंत्री केपी मलिक ने कहा कि आपातकाल भारतीय लोकतंत्र का एक ऐसा अध्याय है जिसे कभी भुलाया नहीं जा सकता, उस दौर में जिन लोगों ने अपने प्राणों की बाजी लगाकर लोकतांत्रिक मूल्यों की रक्षा की वे वास्तव में हमारे समाज के प्रेरणा स्त्रोत हैं। उन्होंने कहा कि आज का दिन हमें इस बात का संकल्प लेने का अवसर देता है कि हम लोकतंत्र की रक्षा के लिए सदैव तत्पर रहे। उन्होनें कहा कि आपातकाल के दौरान जिन लोगों ने अपनी आजादी और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता की कीमत पर देश को लोकतांत्रिक रास्ते पर बनाए रखा उनका योगदान अतुलनीय है। उन्होंने लोकतंत्र सेनानियों के साहस और बलिदान को नमन करते हुए कहा कि युवाओं को उनके जीवन से प्रेरणा लेनी चाहिए। प्रभारी मंत्री ने कहा कि आपातकाल तीन पीढियां द्वारा किया गया लोकतंत्र की हत्या का पर्याय है। आपातकाल का प्रयोग पार्टी के हितों के लिए किया गया था जिससे लाखों परिवारों ने पीड़ा सहन करनी पड़ी। उन्होंने कहा कि इंदिरा गांधी, राजीव गांधी आदि ने अनेकों बार संविधान की हत्या की। यह आपातकाल चुनाव को पलटने के फैसले के दृष्टिगत लगाई गई थी, जिसमें भारतवासियों को अनेक समस्याओं का सामना करना पड़ा। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार में सबका साथ सबका विकास के साथ हम कार्य कर रहे हैं कोविड-19 की दृष्टिगत हमारे कार्यकताओं द्वारा कैंप लगाकर लोगों की सहायता कर इंसानियत का परिचय दिया था। उन्होंने कहा कि यह आपातकाल इंसानियत का दुश्मन था, जिसे भारतवासी काला दिवस के रूप में मनाते है। शिक्षक विधयक हरिसिंह ढिल्लो ने कहा कि सन 1975 में संविधान की हत्या की गई जिसे काला दिवस के रूप में हम मानते हैं वह काला दिवस एक आपातकाल द्वारा जबरदस्ती घोषित कर की गई थी। उन्होंने कहा कि इस आपातकाल में 01 लाख 11 हजार लोगों को जेल में डाला गया। 83 लाख की नसबंदी की गई। आपातकाल में तत्कालीन सरकार द्वारा अराजकता, मनमानी ढंग से कानून पारित करना बड़े-बड़े नेताओं सहित दो राजमाताओं सहित अनेक लोगों को जेल में डालने का काम किया। इस आपातकाल के विरोध में पहला विद्रोह पंजाब के अमृतसर से शुरू हुआ था। इस आपातकाल में आरएसएस को प्रतिबंधित करने का कार्य भी किया गया जिसकी घोर निंदा की जाए वह कम है इसलिए आज हम इसे काला दिवस के रूप में मना रहे हैं। आपातकाल का मुख्य कारण इलाहाबाद हाई कोर्ट के एक फैसले को बताया जाता है। उस फैसले में तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी को चुनाव प्रचार अभियान में कदाचार का दोषी करार दिया गया था। दरअसल, 1971 के चुनाव में इंदिरा गांधी बड़े अंतर से जीती थीं। पार्टी को भी बड़ी जीत दिलाई थी। इंदिरा गांधी सरकार द्वारा उठाया गया यह कदम देश में कई ऐतिहासिक घटनाओं की वजह बना। स्वतंत्र भारत के इतिहास में यह सबसे विवादास्पद समय था। 25 जून 1975 को घोषणा के बाद 21 मार्च 1977 तक यानी की करीब 21 महीने तक भारत में आपातकाल लागू रहा। विधायक महेंद्र सिंह खड़गवंशी ने कहा की 50 वर्ष पूर्व सन 1975 में कांग्रेस सरकार ने उत्पीड़न का जो बोल वाला था उसके दृष्टिगत आपातकाल सबसे बड़ा उदाहरण है उन्होंने इस आपातकाल की घोर निंदा की। आपातकाल व लोकतंत्र की हत्या काला दिवस 25 जून 1975 का दिन भारतीय लोकतंत्र के इतिहास का एक ऐसा काला अध्याय है, जिसे कभी भुलाया नहीं जा सकता। निरंकुश कांग्रेस सरकार ने संविधान की मयार्दा को तार-तार किया, अभिव्यक्ति की आजादी का गला घोंटा। न0पा0प0 अमरोहा अध्यक्षा शशि जैन आपातकाल के दौरान देशभर में चुनाव स्थगित हो गए थे, आपातकाल की घोषणा के साथ हर नागरिक के मौलिक अधिकार निलंबित कर दिए गए। लोगों के पास न तो अभिव्यक्ति की आजादी का अधिकार था, न ही जीवन का अधिकार। इतनी बड़ी संख्या में लोगों को जेल में डाला गया था कि जेलों में जगह ही नहीं बची। इस अवसर पर अपर जिलाधिकारी (वित्त एवं राजस्व) ब्रजेश कुमार त्रिपाठी, अपर जिलाधिकारी (न्यायिक) धीरेन्द्र प्रताप, अपर उप जिलाधिकारी भगत सिंह, जिला विकासस अधिकारी, मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी सहित सम्बन्धित अधिकारी, कर्मचारी, भाजपा कार्यकर्ता एवं स्वतन्त्रता सेनानी एवं उनके आश्रित उपस्थित रहे।

कांवड़ यात्रा को लेकर एडीजी बरेली ने किया नेशनल हाईवे का निरीक्षण,दिए आवश्यक दिशा निर्देश

धनौरा/अमरोहा (सब का सपना) कविन्द्र सिंह:- श्रावण मास में प्रारंभ होने वाली कांवड़ यात्रा को लेकर ंि बरेली रमित शर्मा ने अन्य अधिकारियों को साथ लेकर नेशनल हाईवे नाइन का जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिए। बता दें कि आगामी 11 जुलाई से कावड़ यात्रा शुरू हो रही है। जिसको लेकर बुधवार को एडीजी रमित शर्मा व अन्य अधिकारियों ने मुरादाबाद से लेकर ब्रजघाट तक नेशनल हाईवे का जायजा लिया। इस दौरान रूट डायवर्जन, यातायात नियंत्रण, कानून-व्यवस्था, पुलिस प्रबंधन एवं जनसुविधा संबंधी व्यवस्थाओं की समीक्षा भी की गई। उन्होंने संवेदनशील स्थलों पर सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम, मेडिकल सुविधा, शुद्ध पेयजल, अस्थाई शौचालय एवं विश्राम स्थलों की स्थापना हेतु संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। एडीजी ने कहा कि कांवड़ यात्रियों की सुरक्षा, सुगम आवागमन एवं आमजन को न्यूनतम असुविधा सुनिश्चित करना प्राथमिकता होगी। यात्रा के दौरान भीड़ नियंत्रण को लेकर सीसीटीवी कैमरे व ड्रोन से निगरानी की जाएगी। वहीं महिला सुरक्षा और रूट पर पर्याप्त पुलिस बल की तैनाती भी रहेगी। एसपी अमित कुमार आनन्द ने कहा कि सभी व्यवस्थाएं समयबद्ध रूप से पूर्ण कर ली जाएंगी और जिला प्रशासन व पुलिस विभाग समन्वय के साथ कांवड़ यात्रा को शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराने हेतु तत्पर है। इस अवसर पर सीओ श्वेताभ भास्कर, प्रभारी निरीक्षक अखिलेश प्रधान, यातायात प्रभारी अनुज मलिक एवं स्थानीय पुलिस बल मौजूद रहा।

भाकियू शंकर के प्रतिनिधिमंडल ने चौधरी कंवर सिंह तंवर से की मुलाकात,समस्याओं को लेकर मांग पत्र सौंपा

धनौरा/अमरोहा (सब का सपना):- भारतीय किसान यूनियन (शंकर) के प्रतिनिधिमंडल ने बुद्धवार को अमरोहा से भाजपा सांसद चौधरी कंवर सिंह तंवर से मुलाकात की। इस दौरान किसान समस्याओं व जनपद के विकास को लेकर एक मांगपत्र भी उन्हें सौंपा है, जिसमें सभी समस्याओं के निस्तारण की मांग की गई है। भाकियू शंकर के राष्ट्रीय अध्यक्ष चौधरी दिवाकर सिंह ने झनकपुरी स्थित सांसद कंवर सिंह तंवर के फार्म हाउस पर विभिन्न समस्याओं को लेकर विस्तार से वार्ता करते हुए उनके समाधान की मांग की है। वहीं भाजपा सांसद चौधरी कंवर सिंह तंवर ने सभी समस्याओं के समाधान का भरोसा दिलाया है। इस दौरान राष्ट्रीय अध्यक्ष चौधरी दिवाकर सिंह ने कहा कि प्रदेश की योगी सरकार किसान व आवाम के लिए बहुत ही सराहनीय कार्य कर रही है। जनपद अमरोहा का गठन हुए 28 वर्ष बीत चुके हैं, लेकिन अभी तक भी जनपद अमरोहा में जिला सहकारी बैंक बोर्ड का गठन नहीं हो पाया है। जिला सहकारी बैंक लिमिटेड मुरादाबाद ही जनपद अमरोहा के कार्यों को अतिरिक्त कार्यभार के रूप में देख रही है। नवीन जनपद अमरोहा के गठन का उद्देश्य जनपद के नागरिकों को बेहतर आर्थिक सुविधाएं देना ओर उसका अधिक विकास करना है, जिसकी अभी तक भी पूर्ति नहीं हो पाई है। जनपद अमरोहा में जिला सहकारी बैंक लिमिटेड मुरादाबाद की 15 शाखाएं कार्यरत हैं, जिनमे करीब 438 करोड़ रुपये की रकम जमा है, इसके अतिरिक्त 46 सहकारी समितियां कार्यरत हैं, जिनमे 50078 सक्रिय सदस्य हैं, समिति सदस्यों ने करीब 484 करोड़ रुपये ऋण ले रखा है, गत वर्ष ऋण वसूली 98.51% रही है, वसूली में भी अमरोहा जनपद का प्रदेश में द्वितीय स्थान रहा है। समितियों में 85270 निष्क्रिय सदस्य हैं जिन्हें सक्रिय कर ऋण दिया जा सकता है और जनपद के विकास की गति को बढ़ाया जा सकता है।जनपद अमरोहा को उत्तरोत्तर विकास की ओर ले जाने के लिए जिला सहकारी बैंक लिमिटेड मुरादाबाद का विभाजन कर जिला सहकारी बैंक लिमिटेड अमरोहा का गठन किया जाये, जिसका मुख्यालय भी अमरोहा शहर में ही स्थापित किया जाना चाहिए।जनपद अमरोहा के विकास खण्ड जोया में रजबपुर से काफूरपुर रेलवे स्टेशन तक लगभग 3 किमी, चोटीपुरा रोड से फरीदपुर तक लगभग 600 मीटर , ठल 9से नारंगपुर - सरकडी से भवालपुर रोड का चौड़ीकरण, पीपली कलां से अक्खा नगला तक लगभग 2 किमी, बहुत ही जर्जर हालत में पड़े हैं। लोगों कब आना-जाना तक दुश्वार बना हुआ है, इनका दुरुस्तीकरण/नवनिर्माण कराया जाए। रजबपुर से काफूरपुर वाले मार्ग के चौड़ीकरण के लिए पहले भी हमारा संगठन दो बार लिखित में दे चुका है। वहीं धनोरा ब्लॉक में ग्राम पंचायत रसूलपुर भंवर में माता गुर्जर कौर गुरुद्वारा से सुख चैन सिंह के मकान तक संपर्क मार्ग को जोड़ने वाली 1300 मीटर सीसी रोड का निर्माण कराया जाए, क्योंकि वर्षा ऋतु में इन ग्राम वासियों का संपर्क मार्ग पूरी तरह से टूट जाता है। अमरोहा में मध्य गंगा नहर फेस टू राष्ट्रीय राजमार्ग 9 से निकलने वाली नहर की उत्तर साइड में बिजनौर तक पक्की सड़क का निर्माण कराया जाए, वर्ष में दो बार चलने वाली कावड़ यात्रा के साथ-साथ ट्रैफिक को भी डाइवर्ट करने की सुविधा हो जाएगी, और कई सौ ग्राम पंचायतों के साथ-साथ आपातकालीन समय में भी सड़क का उपयोग बहुत ही हितकारी रहेगा । इस दौरान चौधरी नेमपाल सिंह(जिलाध्यक्ष), चौधरी धर्मवीर सिंह,विक्रम पंवार, प्रिंसिपल सत्यवीर सिंह,मोनू चौधरी,मास्टर जगत चौहान,शेर सिंह राणा,प्रधान हरि सिंह सैनी,प्रधान महिपाल सिंह,,फकीरा सैनी,गुड्डू सैनी,राजवीर गुर्जर,नारायण सिंह, सुरेंद्र सिंह,यतेंद्र चौधरी समेत सैकड़ों कार्यकर्ता मौजूद रहे।

ज़िले में स्मार्ट सिटी की तर्ज पर विकास कार्यों को बढ़ावा दे रहे: सीडीओ अश्वनी कुमार मिश्र

अमरोहा (सब का सपना) रोहित कुमार:- उत्तर प्रदेश का एक ऐतिहासिक और सांस्कृतिक रूप से समृद्ध जिला, गंगा नदी के किनारे बसे होने के लिए जाना जाता है। यह जिला, जो पहले मुरादाबाद जिले का हिस्सा था, 15 अप्रैल 1997 को अलग जिला बनाया गया। तब से, यह क्षेत्र विकास की दौड़ में तेजी से आगे बढ़ रहा है। इस विकास यात्रा में मुख्य विकास अधिकारी (सीडीओ) अश्वनी कुमार मिश्र की भूमिका अहम रही है। अश्वनी कुमार मिश्र, अमरोहा जिले के मुख्य विकास अधिकारी के रूप में, जिले के ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में विकास कार्यों को गति देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। विकास भवन, जोया रोड, अमरोहा में स्थित उनके कार्यालय से, वे जिले की विभिन्न परियोजनाओं की निगरानी और कार्यान्वयन करते हैं। उनके नेतृत्व में, जिले में कई योजनाएँ शुरू की गई हैं, जिनमें ग्रामीण विकास, बुनियादी ढांचा, शिक्षा, स्वास्थ्य और स्वच्छता जैसे क्षेत्र शामिल हैं। अश्वनी कुमार मिश्र के नेतृत्व में अमरोहा जिले में ग्रामीण विकास पर विशेष ध्यान दिया गया है। एक महत्वपूर्ण पहल के तहत, जिले के 30 गाँवों को मॉडल गांवों के रूप में विकसित करने की योजना शुरू की गई थी। इस योजना के तहत प्रत्येक ब्लॉक से पांच गाँवों का चयन किया गया, जिनमें मखदूमपुर, देहरा, जमना खास, गजस्थल और शाहिदपुर जैसे गाँव शामिल हैं। इन गाँवों में लगभग 30 लाख रुपये प्रति गाँव की लागत से विकास कार्य किए जा रहे हैं। जहां गाँवों में पक्की सड़कों का निर्माण, जिससे आवागमन आसान हो। स्वच्छ पेयजल योजना के माध्यम से शुद्ध पेयजल की उपलब्धता। इसके अलावा ग्रामीण युवाओं को स्वरोजगार के लिए प्रशिक्षण और सरकारी योजनाओं का लाभ, जल संरक्षण और पर्यावरण संरक्षण के लिए तालाबों और वाटिकाओं का निर्माण, गोशालाओं का निर्माण और पशुपालन को बढ़ावा। इन पहलों ने गाँवों की सूरत बदल दी है, और ग्रामीणों को शहरों जैसी सुविधाएँ उपलब्ध कराने की दिशा में कदम बढ़ाए गए हैं। इसके अलावा, 'नमामि गंगे' योजना के तहत गंगा की स्वच्छता पर भी ध्यान दिया जा रहा है। सीडीओ के नेतृत्व में, जिले में गंगा के किनारे बसे गाँवों में जागरूकता अभियान चलाए गए हैं, ताकि स्थानीय लोग नदी को प्रदूषित करने से बचें। शहरी विकास और बुनियादी ढांचा अमरोहा शहर और इसके आसपास के क्षेत्रों में जलभराव एक बड़ी समस्या रही है। अश्वनी कुमार मिश्र ने इस दिशा में भी कदम उठाए हैं। शिक्षा और स्वास्थ्य के क्षेत्र में भी सीडीओ ने कई पहल की हैं। स्कूलों का कायाकल्प, फर्नीचर की व्यवस्था, और पुस्तकालयों का निर्माण ग्रामीण क्षेत्रों में शिक्षा के स्तर को ऊपर उठाने के लिए किया गया है। इसके अलावा, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों में मरीजों की संख्या को देखते हुए सुविधाओं का विस्तार किया गया है। हालांकि, अश्वनी कुमार मिश्र के प्रयासों ने जिले में विकास की गंगा बहाई है, फिर भी कई चुनौतियाँ बाकी हैं। बगद नदी जैसे स्थानीय जलस्रोतों का प्रदूषण, अवैध कब्जों के कारण नदियों का लुप्त होना, और जलभराव की समस्या अभी भी जटिल है। भविष्य में, सीडीओ की योजना इन समस्याओं से निपटने के लिए और अधिक प्रभावी कदम उठाने की है, जिसमें नदियों की सफाई, अवैध कब्जों को हटाना, और स्मार्ट सिटी की तर्ज पर अमरोहा शहर का विकास शामिल है। मुख्य विकास अधिकारी अश्वनी कुमार मिश्र के नेतृत्व में अमरोहा जिला विकास के नए आयाम छू रहा है। मॉडल गाँवों की स्थापना, गंगा की स्वच्छता, और बुनियादी ढांचे के विकास ने जिले की तस्वीर बदल दी है। हालांकि, चुनौतियाँ अभी भी बाकी हैं, लेकिन उनके प्रयासों ने जिले के लोगों में एक नई उम्मीद जगाई है। अमरोहा अब न केवल अपनी ऐतिहासिक और सांस्कृतिक विरासत के लिए, बल्कि विकास की नई गाथा के लिए भी जाना जाएगा।

एएपी पूर्व विधायक नरेश बाल्यान की जमानत याचिका पर दिल्ली हाईकोर्ट ने मांगा जवाब, ये है मामला

नई दिल्ली। दिल्ली में मकोका मामले में चार दिसंबर को गिरफ्तार किए गए आम आदमी पार्टी के पूर्व विधायक नरेश बाल्यान की नियमित जमानत याचिका पर दिल्ली हाईकोर्ट ने दिल्ली पुलिस को नोटिस जारी कर जवाब मांगा है। हालांकि, अदालत ने कहा कि मामले में कोई आपात स्थिति नहीं है और इसे तीन जुलाई को संबंधित रोस्टर बेंच के समक्ष सूचीबद्ध किया जाए। बाल्यान ने यह कहते हुए जमानत की मांग कि चार दिसंबर को उन्हें मकोका मामले में गिरफ्तार किया गया था और तब से वह जेल में हैं। निचली अदालत ने बाल्यान की जमानत याचिका खारिज कर दी थी। दिल्ली पुलिस ने जबरन वसूली मामले में ट्रायल कोर्ट से जमानत मिलने पर चार दिसंबर को बाल्यान को मकोका मामले में गिरफ्तार किया था।

एसकेएन नेचुरल गैस के सीईओ के फॉर्म हाउस पर बदमाशों ने हथियारों के बल पर की लूटपाट, नकदी और जेवरात ले गए

दक्षिणी दिल्ली। वसंत कुंज दक्षिण थाना क्षेत्र स्थित घिटोरनी में एसकेएन नेचुरल गैस (हरियाणा सिटी गैस डिस्ट्रीब्यूशन लिमिटेड) के सीईओ करण चोपड़ा को हथियारों के बल पर बदमाश उनके फार्म हाउस से नकदी व जेवरात लूट कर ले गए, जिनकी कीमत करीब 30 लाख रुपये बताई जा रही है। सोमवार रात बदमाशों ने पिस्टल दिखा कर पहले उनके फार्म हाउस के गेट पर तैनात गॉर्ड को बंधक बनाया और फिर फार्म हाउस में दाखिल हो गए। घटना के समय करण चोपड़ा फार्म हाउस में अकेले थे। उनके माता-पिता कनाडा गए हुए हैं। बदमाशों ने उन्हें भी पिस्टल दिखा कर बंधक बना लिया और घर में रखे नकदी और जेवरात समेत लिए। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार कुछ आरोपियों की पहचान हो गई है और जल्द ही वारदात का खुलासा किया जाएगा।

नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पर आज से अगर अपनाया ये नियम, तो फ्री मिलेगी पार्किंग की सुविधा

नई दिल्ली। नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पर अजमेरी गेट की तरफ नई पार्किंग व्यवस्था 25 जून (बुधवार) से लागू होगी। अब यात्रियों को छोड़ने के लिए आने वाले सभी वाहनों को पहले 8 मिनट के लिए मुफ्त पार्किंग मिलेगी। इससे अधिक समय के लिए उन्हें शुल्क देने होंगे। यात्रियों को लेने आने वाले वाहनों को पिकअप लेन में आने की अनुमति नहीं होगी। इन वाहनों को सामान्य या वीआईपी पार्किंग में ही खड़ा करना होगा और इसके लिए पार्किंग की समय सीमा अनुसार निर्धारित शुल्क देना होगा। उत्तर रेलवे के अधिकारियों का कहना है कि इस नई व्यवस्था का मुख्य उद्देश्य नई दिल्ली रेलवे स्टेशन के अजमेरी गेट की तरफ लगने वाले जाम की समस्या को कम करना, भीड़भाड़ को नियंत्रित करना और यात्रियों को पिकअप और ड्राप-ऑफ प्रक्रिया में तेज लाने में मदद करना है। अभी दोनों तरह के वाहन लेन में पहुंचते थे। अब अजमेरी गेट की ओर बने तीनों लेन में सिर्फ यात्री को छोड़ने वाले वाहन प्रवेश करेंगे। अपने निजी वाहन से आने वालों को ही 8 मिनट तक की छूट थी। कैब व टैक्सी को यह छूट नहीं मिलती थी। अब सभी वाहनों को यह छूट मिलेगी। यदि कैब व टैक्सी वाले भी यात्री को उतारकर स्टेशन परिसर से बाहर चले जाते हैं तो उन्हें कोई शुल्क नहीं देना होगा। 8 मिनट से अधिक समय तक रुकने वाले वाहनों से वसूला जाने वाला शुल्क:- 8-15 मिनट: 50 15-30 मिनट: 200 30 मिनट से अधिक: 500

सीबीएसई का बड़ा एलान, अब साल में 2 बार होगी 10वीं की बोर्ड परीक्षा; फाइनल शेड्यूल जारी

नई दिल्ली: केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड की वर्ष 2026 से कक्षा 10वीं की बोर्ड परीक्षा वर्ष में दो बार ली जाएगी। पहली परीक्षा फरवरी-मार्च में होगी और दूसरी परीक्षा मई में होगी। पहली परीक्षा मुख्य परीक्षा होगी और दूसरी परीक्षा सुधार परीक्षा कहलाएगी। दो बार परीक्षा कराने की सुविधा वैकल्पिक तौर पर होगी दोनों बोर्ड परीक्षाओं में विषय बदलने की अनुमति नहीं होगी। मेरिट सर्टिफिकेट दूसरी परीक्षा के बाद ही जारी होगा। परीक्षा कॉपी की फोटोकापी व पुनर्मूल्यांकन की सुविधा दूसरी परीक्षा के बाद ही मिलेगी। बोर्ड की दो बार परीक्षा कराने की सुविधा वैकल्पिक तौर पर होगी। जरूरी नहीं छात्र दोनों बार बोर्ड परीक्षा में हिस्सा ले, पहली मुख्य परीक्षा होगी। छात्र दूसरी परीक्षा सुधार के लिए दे सकेंगे। यह बदलाव शिक्षा को कम तनावपूर्ण बनाने के लिए किया गया राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के तहत बोर्ड परीक्षाओं की प्रणाली में यह बदलाव किया गया है। यह बदलाव शिक्षा को कम तनावपूर्ण और अधिक समावेशी बनाने की दिशा में अहम कदम माना जा रहा है। परीक्षाओं को अधिक लचीला, विद्यार्थी-केंद्रित और दो अवसरों की व्यवस्था के तहत डिजाइन गया है। बोर्ड परीक्षाओं को इस तरह से विकसित किया गया है कि वे केवल रटने की बजाय विद्यार्थियों की मूल क्षमताओं का मूल्यांकन कर सकें। विंटर बाउंड स्कूलों के पास परीक्षा चुनने का विकल्प इसके साथ ही लद्दाख, सिक्किम, हिमाचल जैसे विंटर बाउंड स्कूलों के पास विकल्प है कि वे किसी भी एक बोर्ड परीक्षा को चुन सकते हैं, लेकिन यह चुनाव स्कूलों को कहना होगा, हर छात्र अलग-अलग यह चुनाव नहीं कर सकेगा। पहली परीक्षा का शेड्यूल शुरू: 17 फरवरी 2026 समाप्त: 7 मार्च 2026 रिजल्ट संभावित: 20 अप्रैल 2026 दूसरी परीक्षा का शेड्यूल शुरू: 5 मई 2026 समाप्त: 20 मई 2026 रिजल्ट संभावित: 30 जून 2026

दिल्ली के आठ लाख व्यापारियों की मांग अब होगी पूरी, सीएम रेखा गुप्ता ने बजट में घोषित इस नए प्लेटफार्म की रूपरेखा की तय

नई दिल्ली: दिल्ली की सीएम रेखा गुप्ता ने सोमवार को दिल्ली सचिवालय में एक महत्वपूर्ण प्रेसवार्ता की। जहां पर मुख्यमंत्री ने व्यापारियों के लिए बड़ी घोषणा की। उन्होंने कहा कि दिल्ली सरकार अब ट्रेडर्स वेलफेयर बोर्ड का गठन करने जा रही है। इस बोर्ड के गठन की मांग दिल्ली के कारोबारी लंबे समय से कर रहे थे। मुख्यमंत्री ने बताया कि इस प्रस्ताव को मंगलवार को कैबिनेट की मंजूरी मिल गई है। उन्होंने कहा कि इस बोर्ड के गठन की घोषणा उन्होंने अपने बजट भाषण में भी की थी। अभी तक व्यापारियों की समस्या सुनने को विशेष प्लेटफार्म नहीं था सीएम रेखा गुप्ता ने कहा कि यह बोर्ड दिल्ली के व्यापारियों के कल्याण के लिए बनाया जा रहा है, ताकि उनकी समस्याओं का समाधान हो सके। व्यापारियों को इस तरह के बोर्ड का लंबे समय से इंतजार था। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने बताया कि अभी तक व्यापारियों की समस्याओं को सुनने और उनका समाधान करने के लिए कोई विशेष प्लेटफार्म नहीं था। अब यह बोर्ड सरकार और व्यापारियों के बीच एक मजबूत चैनल के रूप में काम करेगा। उद्योग मंत्री होंगे चेयरमैन, छह व्यापारी और छह अधिकारी होंगे सदस्य इसके लिए सरकार ने 10 करोड़ रुपये का फंड भी आवंटित किया है। उद्योग मंत्री इस बोर्ड के चेयरमैन होंगे, जबकि बोर्ड में कुल 15 सदस्य होंगे। इनमें 6 व्यापारी और 6 अधिकारी सदस्य के रूप में शामिल होंगे। सीएम रेखा गुप्ता ने बताया कि दिल्ली के करीब 8 लाख व्यापारियों को इस बोर्ड से सीधा लाभ मिलेगा। व्यापारियों की सुविधा के लिए बोर्ड के संचालन के लिए एक विशेष पोर्टल भी बनाया जाएगा, जिससे वे अपनी समस्याएं और सुझाव सीधे बोर्ड तक पहुंचा सकेंगे। मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार व्यापारियों के हितों की रक्षा के लिए प्रतिबद्ध है और यह बोर्ड व्यापारियों की समस्याओं के समाधान में अहम भूमिका निभाएगा।

एमसीडी के टोल बूथों को हटाने के लिए एनएचएआई ने खटखटाया सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा, जनिए क्या है पूरा मामला

नई दिल्ली: भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण ने अंतरराज्यीय सीमाओं से दिल्ली नगर निगम (एमसीडी) द्वारा चलाए जा रहे प्रवेश (टोल) बूथों को हटाने की मांग करते हुए सर्वोच्च न्यायालय का दरवाजा खटखटाया है। इन बूथों पर नगर निगम द्वारा वाणिज्यिक वाहनों (सीवी) से प्रवेश शुल्क और ग्रीन चार्ज वसूला जाता है। जिसके कारण दिल्ली की सीमाओं पर खासकर दिल्ली में प्रवेश करने वाली लेन में दिन भर यातायात प्रभावित होता है और शाम के समय भयंकर जाम लग रहा है। दिल्ली से गाजियाबाद और नोएडा को जोड़ने वाला एनएच-9 और दिल्ली-गुरुग्राम को जोड़ने वाला एनएच-48 सबसे ज्यादा व्यस्त रहने वाले हाईवे हैं, जिन पर इसका असर साफ दिखता है। राजमार्ग विकास में किए गए निवेश का नहीं मिल रहा परिणाम: एनएचएआई प्राधिकरण ने लंबित एमसी मेहता मामले में आवेदन दायर किया है, जिसमें सर्वोच्च न्यायालय राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में प्रदूषण की निगरानी कर रहा है और 1980 के दशक से आदेश पारित कर रहा है। मिली जानकारी के अनुसार एनएचएआई ने अपने आवेदन में सुप्रीम कोर्ट को बताया है कि दिल्ली से कनेक्टिविटी सुधारने के लिए राजमार्ग विकास में किए गए भारी निवेश से टोल संग्रह बिंदुओं के कारण सीमाओं पर भीड़भाड़ के कारण वांछित परिणाम नहीं मिले हैं। अधिकारियों ने कहा कि एनएचएआई ने ईस्टर्न पेरिफेरल एक्सप्रेसवे और वेस्टर्न पेरिफेरल एक्सप्रेसवे सहित एनसीआर में कई परियोजनाओं का उल्लेख किया है, जिन्हें दिल्ली के लिए नहीं बनाए गए वाहनों के लिए बाईपास के रूप में बनाया गया था। इन दोनों परियोजनाओं को सुप्रीम कोर्ट के निदेर्शों के बाद लागू किया गया था। अधिकारियों ने इस बात पर प्रकाश डाला कि चूंकि वाहनों से पर्यावरण क्षतिपूर्ति शुल्क (ईसीसी) का संग्रह सर्वोच्च न्यायालय के आदेश के अनुपालन में शुरू किया गया था, इसलिए केवल सर्वोच्च न्यायालय ही इस मामले पर निर्णय ले सकता है। टोल कलेक्शन प्वाइंट को सीमा से दूर शिफ्ट करने की अपील इस अपील में यह अनुरोध किया गया है कि टोल कलेक्शन प्वाइंट को सीमा से दूर शिफ्ट किया जाए और 2015 में दिए गए पर्यावरण क्षतिपूर्ति शुल्क (ईसीसी) से जुड़े आदेश में बदलाव किया जाए। अधिकारी के अनुसार ईसीसी सिर्फ कमर्शियल वाहनों से लिया जाता है, टैक्सियों से नहीं लिया जाता है।एमसीडी फिलहाल दिल्ली की सीमाओं पर प्रमुख जगहों पर ईसीसी वसूलती है।इसमें गुरुग्राम का सिरहौल बार्डर, गाजीपुर, बदरपुर, टिकरी और कुंडली आदि शामिल हैं। हाल ही में केंद्र सरकार ने दिल्ली और हरियाणा प्रशासन के साथ इस मुद्दे पर चर्चा की थी। अब अंतिम फैसला इस बात पर निर्भर करेगा कि सुप्रीम कोर्ट का रुख क्या रहता है और एनएचएआई और एमसीडी कितनी जल्दी इन बदलावों को लागू कर पाते हैं। अगर यह योजना सफल होती है, तो दिल्ली-एनसीआर के लाखों यात्रियों को ट्रैफिक जाम से बड़ी राहत मिल सकती है।दिल्ली की सीमीओं पर 154 टोल बूथ हैं, इसमें से 13 बड़े टोल बूथ हैं।

पिछड़ा वर्ग के छात्र छात्राएं छात्रवृत्ति के लिए कर सकते है ऑनलाइन आवेदन: अलका चौधरी

अमरोहा (सब का सपना) रोहित कुमार:- पिछड़ा वर्ग कल्याण उत्तर प्रदेश लखनऊ के द्वारा दिनांक 18 जून 2025 के द्वारा वित्तीय वर्ष शैक्षिक सत्र 202526 में अन्य पिछड़ा वर्ग में कक्षा 9 से 10 उत्तर कक्षा 11 12 छात्रवृत्ति योजना के अंतर्गत ऑनलाइन आवेदन से लेकर विवरण हेतु समय सारणी जारी की गई है। उक्त समय सारणी के अनुसार छात्रवृत्ति योजना अंतर्गत मास्टर डाटाबेस तैयार करने सत्यापन लोग करने छात्रों को छात्रवृत्ति की ऑनलाइन आवेदन करने तथा वितरण हेतु तिथि निर्धारित की गईहै। वही कक्षा 9 10 व 10 उत्तर कक्षा 11 12 विद्यालयों को मास्टर डेटाबेस से सम्मिलित होने तथा जिला समाज कल्याण अधिकारी द्वारा पासवर्ड प्राप्त करना एक जुलाई 2025 से 5 अक्टूबर 2025 तक निर्धारित की गई है इसी के साथ संबंधित विद्यालय के नोडल अधिकारी जिला विद्यालय निरीक्षक द्वारा शिक्षण संस्था पाठ्यक्रम सीटों की संख्या फीस आदि को अंकित कर उसकी प्रामाणिकता को डिजिटल हस्ताक्षर से प्रमाणित करने के लिए दो जुलाई 2025 से 15 अक्टूबर 2025 तक निर्धारित की गई है। तेरे हैं पूर्वदर्शन कक्षा 9 से 10 व कक्षा 11 से 12 में छात्र छात्राओं हेतु ऑनलाइन आवेदन करने के लिए 2 जुलाई 2025 से 30 अक्टूबर 2025 तक निर्धारित की गई है। कक्षा 9 से कक्षा 10 तक कक्षा 11 से कक्षा 12 के छात्र-छात्राओं द्वारा आवेदन पत्र का फाइनल प्रिंट निकालना 3 जुलाई 2025 से 31 अक्टूबर 2025 तक निर्धारित की गई है। छात्र-छात्राओं द्वारा ऑनलाइन आवेदन पत्र की हार्ड कॉपी शिक्षण संस्थान में जमा किए जाने के लिए 3 जुलाई 2025 से 4 नवंबर 2025 तक निर्धारित की गई है। शिक्षण संस्थाओं द्वारा आवेदन पत्रों को ऑनलाइन सत्यापित एवं अग्रसारित निरस्त किए जाने को लेकर 3 जुलाई 2025 से 6 नवंबर 2025 तक निर्धारित की गई है। जिला विद्यालय निरीक्षक द्वारा कक्षा 9 से 10 कक्षा 11 से 12 का वर्ग बार वास्तविक छात्र संख्या आदि की प्रमाणिकता को ऑनलाइन सत्यापन करने के लिए 7 नवंबर 2025 से 15 नवंबर 2025 तक निर्धारित की गई है। साथ ही छात्र-छात्राओं द्वारा ऑनलाइन आवेदन में की गई त्रुटियों को ठीक करने के लिए 18 नंबर 2025 से 21 नवंबर 2025 तक निर्धारित की गई है। सभी आवेदन पत्रों की हार्ड कॉपी वंचित संगठनों आदि शिक्षण संस्था में जमा करने के लिए 25 नंबर 2025 तक निर्धारित की गई है। इसी के साथ शिक्षण संस्था द्वारा आवेदन पत्रों पुणे सत्यापित अग्रसारित करने की तिथि 18 नवंबर 2025 से 26 नवंबर तक निर्धारित की गई है वित्तीय वर्ष 2024 25 में पूर्व दशम छात्रवृत्ति कक्षा 9 10 से 10 बोतल छात्रवृत्ति निशुल्क प्रतिपूर्ति कक्षा 11 से कक्षा 12 योजना अंतर्गत अन्य पिछड़ा वर्ग के समस्त पात्र छात्राओं के छात्रवृत्ति बैंक खाते के आधार पर सेटिंग में एनपीसीआई से मैपिंग एवं ऑनलाइन आवेदन करने के लिए अपने विद्यालय में सूचना पर दैनिक समाचार पत्रों के कक्षा अध्यापक व अन्य माध्यमों से व्यापक चर्चा करते हुए शासन द्वारा जारी समय सारणी के अनुसार समय अंतर्गत समस्त कार्रवाई पूर्ण कर ले जाएं ताकि कोई भी पत्र छात्र छात्रवृत्ति आवेदन से वंचित न रहे।

वसंत कुंज साउथ में गैस डिस्ट्रीब्थून कारोबारी के घर में घुसकर लाखों की लूट, सनसनीखेज वारदात से मचा हड़कंप

नई दिल्ली: वसंत कुज साउथ में बदमाशों ने एक गैस डिस्ट्रीब्यूशन कारोबारी के घर में घुसकर लूट की सनसनीखेज वारदात को अंजाम दिया। वसंत कुंज साउथ जैसे पॉश इलाके में इस हुई इस लूट ने सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल खड़े कर दिए हैं, हालांकि दिल्ली पुलिस ने इस मामले में केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। वारदात 23 जून 2025 की बताई जा रही है। पुलिस के मुताबिक दिल्ली के वसंत कुंज साउथ थाना क्षेत्र के एक कारोबारी ने पुलिस को उनके घर में घुसकर की गई लूट की सूचना दी है। 30 लाख रुपये नकद लूटकर आसानी से फरार हो गए बदमाश पुलिस के अनुसार व्यवसायी करण चोपड़ा का सिटी गैस डिस्ट्रीब्यूशन का व्यवसाय है। उन्होंने पुलिस को बताया कि 23 जून को उनके घर में 3-4 अज्ञात लोग जबरन घुस आए। ये बदमाश करीब 30 लाख रुपये की बड़ी रकम लूटकर फरार हो गए। घटना की जानकारी मिलते ही वसंत कुंज साउथ थाने के एसएचओ और पुलिस टीम मौके पर पहुंची। प्राथमिक पड़ताल के बाद मौके पर क्राइम टीम को बुलाया गया। जिन्होंने व्यापारी और अन्य लोगों से पूछताछ करने के साथ ही घर से साक्ष्य जुटाए। पुलिस का दावा- कुछ संदिग्धों की पहचान हो चुकी है, कुछ की तलाश जारी पुलिस ने धारा 309(4)/331(6)/351(2)/3(5) बीएनएस के तहत मामला दर्ज कर लिया है। शुरूआती जांच में कुछ संदिग्धों की पहचान हो चुकी है, जबकि अन्य की तलाश जारी है। पुलिस ने इलाके में सघन तलाशी अभियान चलाया है और आसपास के सीसीटीवी फुटेज भी खंगाले जा रहे हैं। पुलिस अधिकारियों का कहना है

घुसपैठ की कोशिश करते राजोरी के केरी सेक्टर में आतंकी ढेर, घेराबंदी कर तलाशी जारी

जम्मू (एजेंसी)। जम्मू कश्मीर के राजोरी के केरी सेक्टर के बारात गाला क्षेत्र में सुबह पाकिस्तान की ओर से घुसपैठ की कोशिश कर रहे आतंकियों में से एक को सेना ने ढेर कर दिया। आतंकी तीन से चार की संख्या में बताए जा रहे हैं। सतर्क जवानों के फायरिंग शुरू करते ही अन्य आतंकी उल्टे पांव भाग निकले। मारे गए आतंकी का शव नियंत्रण रेखा के पास ही पड़ा है। आतंकी घुसपैठ नाकाम करने के बाद सेना ने पूरे क्षेत्र में बड़े पैमाने पर घेराबंदी करके तलाशी अभियान शुरू किया है। सेना ने स्थानीय लोगों से अपील की है कि यदि कहीं कोई संदिग्ध दिखे तो फौरन सेना को सूचित करें। सूत्रों के अनुसार सुबह करीब 8 से 9 बजे के बीच भारतीय सेना ने बारात गाला क्षेत्र में एलओसी के उस पार संदिग्ध हरकत देखी गई। घुसपैठ की कोशिश का पता चलते ही सतर्क जवानों ने फायरिंग शुरू कर दी। सैन्य सूत्रों के अनुसार पाकिस्तानी सेना ने शाम को मारे गए आतंकी का शव उठाने के लिए प्रयास भी किया, लेकिन जवानों ने गोलीबारी कर इस प्रयास को भी विफल बना दिया। शव नियंत्रण जीरो लाइन पर ही पड़ा हुआ है। ऑपरेशन सिंदूर के बाद इस इलाके में यह दूसरी बार घुसपैठ की कोशिश थी। सूत्रों के अनुसार इसी क्षेत्र में 15 जून की मध्यरात्रि को भी पाकिस्तान की ओर से आतंकियों के एक ग्रुप ने घुसपैठ करने का प्रयास किया था।

बिहार में आकाशीय बिजली से 5 लोगों की मौत

पटना (एजेंसी)। बिहार में बीते 8 दिनों से मानसून सक्रिय है। बुधवार को पटना, जमुई, नवादा में तेज बारिश हुई है। मौसम विभाग ने राज्य के 28 जिलों के लिए बारिश का यलो अलर्ट जारी किया है। वहीं, 10 जिलों में मौसम सामान्य बना रहेगा। मौसम विभाग के मुताबिक, आने वाले चार दिनों में अधिकतम तापमान 2 से 3 डिग्री सेल्सियस तक बढ़ सकता है। हालांकि, न्यूनतम तापमान में अगले 5 दिनों के दौरान कोई खास परिवर्तन नहीं होने की संभावना है। वहीं बिहार में आकाशीय बिजली से 5 लोगों की मौत हो गई। 7 लोग झुलसे हैं। बक्सर जिले के पुराने भोजपुर में ठनका गिरने से 1 बच्ची की मौत हो गई। केसठ में 2 युवक गंभीर रूप से झुलस गए। गया के बांकेबाजार प्रखंड के वैरी वनवास गांव में वज्रपात से 15 साल के लड़के की मौत हो गई। 3 बच्चे झुलस गए। बच्चे जामुन के पेड़ के नीचे खेल रहे थे। तभी अचानक बिजली गिरी। औरंगाबाद के वन गांव में धान के बिचड़े को देखने गया युवक ठनका की चपेट में आ गया। उसकी मौत हो गई। वहीं वासुदेवपुर चंदेल में 35 साल की महिला की मौत हो गई, जबकि महिला के पति और एक रिश्तेदार झुलस गए। नवादा के नेमदारगंज थाना क्षेत्र के महानंदपुर गांव में 45 साल के किसान मौत हो गई।

32 साल बाद पोस्टमास्टर को मिला न्याय, लेकिन कानूनी प्रणाली पर सवाल

बैतूल (एजेंसी)। मध्य प्रदेश के बैतूल जिले के एक पोस्टमास्टर को एक छोटी सी गलती के लिए तीन दशक तक कानूनी लड़ाई लड़नी पड़ी। अब मध्यप्रदेश हाईकोर्ट ने उसकी सजा को अपराध न मानकर विभागीय चूक मानकर बरी किया। यह मामला एक छोटी सी क्लर्कियल गलती से शुरू हुआ था। साल 1983 में एक जांच में पता चला कि पोस्टमास्टर मनकाराम ने ब्रांच रजिस्टर में 3,596 रुपये जमा करने की एंट्री नहीं की थी। हालांकि, यह राशि सरकारी खजाने में जमा हो गई थी और खाताधारक की पासबुक में भी दिख रही थी। भले ही मामले में कोई वित्तीय गड़बड़ी नहीं थी, फिर भी गलती को आपराधिक गबन माना गया। साल 1993 में, निचली अदालत ने मनकाराम को दोषी ठहराया। उन्हें जेल की सजा सुनाकर 3,000 रुपये का जुर्माना भी लगाया। मनकाराम ने फैसले के खिलाफ अपील की, लेकिन सत्र न्यायालय ने दोषसिद्धि को बरकरार रखा। हालांकि, उन्होंने हार नहीं मानी और मध्य प्रदेश हाई कोर्ट का रुख किया। इस प्रक्रिया में उन्हें परिणाम मिलने में 32 साल लगे। 32 साल बाद हाई कोर्ट के न्यायमूर्ति एम.एस. भट्टी ने निचली अदालत के फैसले को पलटकर मनकाराम को बरी कर दिया। उन्होंने साफ तौर पर कहा कि यह गलती केवल एक विभागीय चूक थी, आपराधिक अपराध नहीं।

मुंबई में 9 करोड़ का सोना जब्त, 7 गिरफ्तार

मुंबई (एजेंसी)। खुफिया निदेशालय (डीआरआई) ने सोना गलाने वाले गिरोह का पर्दाफाश किया है। बताया गया है कि मुंबई के मस्जिद बंदर इलाके में छापेमारी में 9 करोड़ रूपये का सोना जब्त कर सात लोगों को गिरफ्तार किया गया है। यह छापामारी रविवार को की गई थी। दरअसल डीआरआई विदेश से स्थानीय नागरिकों की मदद से सोने की तस्करी के एक मामले की जांच कर रही थी। उस समय पता चला कि इसमें एयरपोर्ट के कुछ कर्मचारी भी शामिल हैं। आरोपी विदेश से तस्करी कर लाए गए सोने को आरोपियों तक पहुंचाते थे। उसके बाद मस्जिद बंदर स्थित यूनिट में इसे पिघलाया जाता था और गुप्त तरीके से स्थानीय बाजार में बेचा जाता था। इस सूचना पर कार्रवाई करते

हुए डीआरआई की टीम ने रविवार को मस्जिद बंदर स्थित सोना गलाने वाली यूनिट पर छापेमारी की और पांच लोगों को गिरफ्तार किया। इस कार्रवाई में आठ करोड़ 93 लाख कीमत के आठ किलोग्राम 747 ग्राम वजन के छह सोने के बार जब्त किए गए। इस मामले में मीनानाथ भुले, विश्वास यादव उर्फ अमोल, उदय जंगम, रोहित मोहिते और विक्रम मोटे तथा राजकुमार पवार को गिरफ्तार किया गया है। आरोपियों से जब जब्त किए गए सोने की खरीद की रसीद मांगी गई तो उन्होंने आधिकारिक दस्तावेज पेश नहीं किए। जांच के दौरान मिली जानकारी के अनुसार, इस मामले में सोना पिघलाने वाली इकाई के मालिक राजकुमार पवार और ड्राइवर रविंद्र सालुंखे को भी गिरफ्तार कर लिया गया।

- एयरपोर्ट कर्मचारी रडार पर

एयरपोर्ट कर्मचारियों से तस्करी का सोना ले जाया जा रहा था। इसमें कौन-कौन कर्मचारी शामिल हैं, इसकी जांच की जा रही है। शुरुआती जांच में संदेह है कि हवाला के जरिए पैसा भेजा गया था।

अंतरिक्ष यात्रा पर रवाना हुआ बेटा तो माता पिता के छलके आंसू

लखनऊ (एजेंसी)। यूपी की राजधानी लखनऊ में जन्मे ग्रुप कैप्टन शुभांशु शुक्ला के बुधवार को फ्लोरिडा के कैनेडी स्पेस सेंटर (केएससी) से स्पेसएक्स फाल्कन 9-रॉकेट पर सवार होकर अंतरिक्ष के लिए रवाना होने के साथ नवाबों के शहर लखनऊ के गौरवशाली इतिहास में एक नया अध्याय जुड़ गया।

रॉकेट जैसे ही फ्लोरिडा के आसमान में पहुंचा, लखनऊ के कानपुर रोड स्थित सिटी मोंटेसरी स्कूल के वर्ल्ड यूनिटी कन्वेंशन सेंटर ऑडिटोरियम में इस पल का सजीव प्रसारण देख रहे शुक्ला के परिजन भावुक हो गये। हों भी क्यों ना, आखिर 1984 में राकेश शर्मा द्वारा सोयूज अंतरिक्ष यान पर सवार होकर इतिहास रचने के बाद 41 साल बाद शुभांशु शुक्ला के रूप में भारत की मानव अंतरिक्ष उड़ान में वापसी जो हुई है। मेहमानों से भरा ऑडिटोरियम स्पेसएक्स फाल्कन 9-रॉकेट के रवाना होते ही शुक्ला के गौरवान्वित माता-पिता और बहनों, वरिष्ठ रक्षा कर्मी, सिटी मोंटेसरी स्कूल के शिक्षक, शहर के प्रमुख लोग, और

जिंदगी में पहली बार ऐसे नजारे को देख रहे छात्रों की भीड़ की तालियों और शिप हिप हुर्रेश् के नारों से गूंज उठा। शुक्ला के भावुक माता-पिता और रिश्तेदारों की आंखों में आंसू आ गए। जैसे ही रॉकेट ने उड़ान भरी, शुक्ला के माता-पिता, शिक्षक और छात्र खुशी से भांगड़ा नृत्य करने लगे।

शुभांशु के पिता शंभू शुक्ला ने कहा कि यह न केवल हमारे लिए बल्कि हमारे देश के लिए भी एक महान क्षण है। हम इस समय क्या कह सकते हैं, मेरे पास अब शब्द नहीं हैं। मेरा आशीर्वाद हमेशा मेरे बेटे के साथ है। वहीं शुभांशु शुक्ला की मां आशा शुक्ला ने कहा कि इस समय मेरे पास कहने के लिए और कुछ नहीं है। मैं बहुत खुश हूं। मुझे पता है कि वह सफल होगा। हालांकि मैं एक सफल मिशन के बाद उसके लौटने का बेसब्री से इंतजार कर रही हूं, लेकिन मुझे यह भी पता है कि धरती पर वापस लौटने के बाद भी उसे हमारे बीच आने में कुछ समय लगेगा।

साल 1985 में लखनऊ में जन्मे और सिटी मोंटेसरी स्कूल की अलीगंज शाखा में बारहवीं कक्षा तक की शिक्षा प्राप्त करने वाले शुक्ला ने राष्ट्रीय रक्षा अकादमी से स्नातक की उपाधि प्राप्त की और 2006 में भारतीय वायु सेना में शामिल हुए। उन्हें 2019 में भारत के गगनयान मानव अंतरिक्ष यान कार्यक्रम के लिए चुना गया और बाद में एएक्स-4 के लिए पायलट के रूप में चुना गया। नासा के वरिष्ठ डॉक्टर पैगी व्हिटसन (मिशन कमांडर) और हंगरी और पोलैंड के अंतरिक्ष यात्रियों के साथ शुक्ला का 14-दिवसीय मिशन मानव शरीर क्रिया विज्ञान, पोषण और अंतरिक्ष में बीज अंकुरण सहित क्षेत्रों में सूक्ष्म गुरुत्वाकर्षण अनुसंधान में योगदान देगा।

तमिल के लिए झूठा लगाव, सारा पैसा संस्कृत के लिए दिया

-सीएम स्टालिन का मोदी सरकार पर आरोप

चेन्नई। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने भाषा के वित्तपोषण में कथित पक्षपात को लेकर मोदी सरकार की आलोचना की और उस पर तमिल और अन्य दक्षिण भारतीय भाषाओं की उपेक्षा कर संस्कृत को महत्व देने का आरोप लगाया। सीएम स्टालिन ने लिखा, संस्कृत को करोड़ों मिलते हैं, तमिल और अन्य दक्षिण भारतीय भाषाओं को मगरमच्छ के आंसू के अलावा कुछ नहीं मिलता। तमिल के लिए झूठा लगाव, सारा पैसा संस्कृत के लिए! दरअसल एक रिपोर्ट से पता चला है कि केंद्र ने 2014-15 और 2024-25 के बीच संस्कृत को बढ़ावा देने पर 2,532.59 करोड़ खर्च किए। जबकि तमिल, तेलुगु, कन्नड़, मलयालम और उड़िया -पांच अन्य शास्त्रीय भारतीय भाषाओं के लिए संयुक्त आवंटन 147.56 करोड़ रुपये था। रिपोर्ट के अनुसार, तमिल, जिस 2004 में शास्त्रीय भाषा का दर्जा दिया गया था, को भारतीय भाषाओं के प्रोत्साहन के लिए अनुदान योजना के तहत 113.48 करोड़ रुपये मिले, जो संस्कृत से 22 गुना कम है। तेलुगु और कन्नड़ को संस्कृत पर खर्च किए गए धन का 0.5 प्रतिशत से भी कम मिला, जबकि मलयालम और ओडिया को 0.2 प्रतिशत से भी कम मिला।

सुरक्षित अमरनाथ यात्रा की तैयारी अंतिम दौर में, सुरक्षा हुई सख्त, संवेदनशील इलाकों में सेना तैनात

बारामुला (एजेंसी)। अमरनाथ यात्रा के कुछ ही दिन शेष हैं। यात्रा में कहीं कोई दिक्कत न हो इसका पूरा ख्याल रखा जा रहा है। तैयारियां अंतिम दौर में है और संवेदनशील इलाकों में सेना ने मोर्चा संभाल लिया है। सेना, जम्मू-कश्मीर पुलिस समेत अन्य सुरक्षा एजेंसियों ने सुरक्षित व शांतिपूर्ण तीर्थयात्रा सुनिश्चित कराने के लिए कई संयुक्त अभियान शुरू किए हैं। गौरतलब है कि श्री अमरनाथ जी यात्रा तीन जुलाई से शुरू होने वाली है जो नौ अगस्त को संपन्न होगी। बता दें कि श्री अमरनाथ जी की वार्षिक यात्रा हमेशा से आतंकवादियों के निशाने पर रही है।

सुरक्षाबलों ने संवेदनशील इलाकों में गश्त बढ़ा दी है। अतिरिक्त चेक पॉइंट बनाए गए हैं। यात्रा के बेस कैंपों की ओर जाने वाले मार्गों पर इलाके का सेनिटाइजेशन अभियान चलाया जा रहा है ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि यात्रा के मार्ग पूरी तरह से आतंकवादियों से मुक्त हैं। आधिकारिक सूत्रों के मुताबिक, सेना के पैरा स्पेशल फोर्सेज सहित विशिष्ट इकाइयों को तैनात किया गया है। दक्षिण कश्मीर के विभिन्न हिस्सों में कई सर्च एंड डोमिनेशन ऑपरेशन (साडो) चलाए जा रहे हैं। इसके साथ ही, मध्य और उत्तरी कश्मीर के ऊपरी इलाकों में भी लगातार आतंकरोधी अभियान चल रहे हैं, जिनमें सुरक्षा के लिहाज से संवेदनशील माने जाने वाले इलाकों पर ध्यान केंद्रित किया जा रहा है। एक वरिष्ठ अधिकारी ने पुष्टि की कि ये अभियान समन्वित सुरक्षा रणनीति का हिस्सा हैं, जिसका उद्देश्य किसी भी खतरे को रोकना और तीर्थयात्रियों तथा स्थानीय लोगों की सुरक्षा सुनिश्चित करना है।

पहले हो चुके हैं आतंकी हमले

इससे पहले अमरनाथ यात्रियों पर हुए हमलों के कारण सुरक्षा व्यवस्था पर विशेष ध्यान रखा जा रहा है। साल 2000 में नुनवन में हुए आतंकी हमले में दो दर्जन अमरनाथ तीर्थयात्रियों सहित 32 लोग मारे गए थे। इसके बाद 2001 में शेषनाग में आतंकी हमले में 13 लोग मारे गए और 2002 में चंदनबाड़ी कैंप पर आतंकी हमला हुआ जिसमे 11 अमरनाथ यात्री मारे गए थे। इसी तरह 2017 में कुलगाम जिले में अमरनाथ यात्रा बस पर हुए हमले में आठ तीर्थयात्री मारे गए थे

ईरान ने अंतरराष्ट्रीय कानून का उल्लंघन नहीं किया: पूर्व उपराष्ट्रपति अंसारी

नई दिल्ली (एजेंसी)। पूर्व उपराष्ट्रपति हामिद अंसारी ने कहा, कि किसी भी देश ने यह नहीं कहा है कि उन्होंने (ईरान ने) अंतरराष्ट्रीय कानून का उल्लंघन किया है। आरोप हैं, संदेह है, लेकिन उन्होंने उल्लंघन नहीं किया है। किसी ने यह नहीं कहा है कि उन्होंने बम बनाया है, लेकिन हम उन्हें प्रौद्योगिकी तैयार करने से कैसे रोक सकते हैं।

इजराइल और ईरान संघर्ष में अमेरिका की भूमिका के बारे में पूछे जाने पर अंसारी ने राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के प्रशासन से निपटने के बारे में बात की। उन्होंने कहा, ट्रंप अमेरिका के राष्ट्रपति हैं, इसलिए आपको उनसे निपटना ही होगा, आप यह नहीं कह सकते कि आप उनसे निपट नहीं सकते। उनका काम करने का एक खास तरीका है और दुनिया अब धीरे-धीरे उसे समझने लगी है।

पूर्व उपराष्ट्रपति हामिद अंसारी ने ईरान पर अमेरिका और इजरायल की हालिया सैन्य कार्रवाई को मंगलवार को 'अवैध आक्रमण' करार दिया। एक सप्ताह से अधिक समय पहले शुरू हुए संघर्ष के दौरान इजरायल और ईरान ने एक-दूसरे के शहरों

और सैन्य तथा सामरिक प्रतिष्ठानों पर सैकड़ों मिसाइल और ड्रोन दागे हैं। ईरान के तीन प्रमुख परमाणु स्थलों पर रविवार सुबह अमेरिका की बमबारी के बाद तनाव काफी बढ़ गया। पूर्व राजनयिक अंसारी ने एक इंटरव्यू में कहा कि आक्रामकता का मूल कारण इजरायल के नेतृत्व का ईरान के साथ संबंधों के प्रति दृष्टिकोण है। उन्होंने कहा, वे बिना लाग-लपेट के साफ़-साफ़ कहा रहे हैं कि ईरानियों के नेतृत्व को अवश्य ही बदलना चाहिए। इसलिए यह युद्ध इजरायल द्वारा रचा गया। अंसारी ने युद्ध के लिए अमेरिका को भी दोषी ठहराया।

पूर्व उपराष्ट्रपति ने कहा, इसे स्वीकार किया गया है। यह अमेरिका के सहयोग से किया गया था और यह एक आक्रामक युद्ध था। इसमें कोई दो राय नहीं है। यह एक आक्रामक युद्ध था, जिसे अंतरराष्ट्रीय कानून के तहत अवैध कहा जाना चाहिए।

अंसारी ने कहा कि ईरान का नेतृत्व स्थिर है और उसे अपने लोगों का समर्थन हासिल है। उन्होंने ईरान की वैज्ञानिक प्रगति और परमाणु क्षमताओं सहित प्रौद्योगिकी विकसित करने के उसके अधिकार पर जोर दिया और कहा कि इसके लिए उसे अंतरराष्ट्रीय कानून का उल्लंघन करने वाला नहीं बताया जाना चाहिए। अंसारी ने कहा कि अमेरिका के साथ दोस्ती होनी चाहिए, लेकिन इसका मतलब यह नहीं है कि जो कहा जाए वही किया जाए। पूर्व उपराष्ट्रपति ने कहा, भारत और ईरान के बीच बहुत पुराना रिश्ता है और इसमें बहुत मजबूती है। इसलिए, इस रिश्ते को आसानी से नहीं तोड़ा जाना चाहिए। यह हमारे और ईरान के हित में है। जब भी मौका आया है, ईरान ने हमारी मदद की है। जब भी मौका आया है, हमने ईरान की मदद की है।''उन्होंने कहा, 'इसलिए हमें इस रिश्ते को सावधानी से संभालना होगा। हमें इसे छोटी-छोटी बातों पर खराब नहीं करना चाहिए। हमारी एक पारंपरिक नीति रही है।

फिर देवदूत बनी भारतीय वायू सेना, सुरक्षित वतन वापसी में निभा रही बड़ी भूमिका

नई दिल्ली(एजेंसी)। भारतय वायूसेना ने अब तक कुल 431 भारतीयों को कॉन्फ्लिक्ट जोन से बाहर निकाला। वायुसेना ने अपने बयान में कहा कि मिस्र और जॉर्डन से भारतीयों को एयरलिफ्ट कर के सकुशल भारत लाया गया। ईरान और इजरायल की जारी जंग के बीच सैकड़ों भारतीय नागरिक फंसे हुए थे। कॉन्फ्लिक्ट जोन से भारतीयों को सकुशल बाहर निकालने के लिए सरकार ने ऑपरेशन सिंधु लॉन्च किया। पहले इस ऑपरेशन में सिविल एयरक्राफ्ट का इस्तेमाल किया गया, फिर जिम्मेदारी भारतीय वायुसेना को सौंपी गई। भारतीय वायुसेना के सी-17 ग्लोबमास्टर को लॉन्च किया गया।

ईरान से भारतीयों को निकालने के लिए विदेश मंत्रालय ने ऑपरेशन सिंधु की शुरुआत से पहले ही वायुसेना का एवैक्युएशन प्लान तैयार कर लिया था। इस तरह के इवैक्यूएशन में अगर सिविल एयरक्राफ्ट का ऑपरेशन सामान्य होता है तो लोगों को उसी के जरिए निकाला जाता है। शुरुआत भी सिविल फ्लाइट

के जरिए की गई। अगर हालात सामान्य नहीं होते तो भारतीय वायुसेना को बुलाया जाता है।इस बार भी वैसा ही किया गया। दुनिया में जब भी किसी कॉन्फ्लिक्ट या युद्ध के हालात होते हैं तो एयरफोर्स उसे मॉनिटर करती रहती है और अपने इवैक्यूएशन प्लान को तैयार रखती है। इस बार भी वैसा ही हुआ। प्लान तैयार था, जैसे ही सरकार की तरफ से हरी झंडी मिली, एयरक्राफ्ट ने टेकऑफ कर लिया। प्लान पहले से ही तैयार था, इसलिए एयरक्राफ्ट लॉन्च करने या प्लान बनाने में समय बिल्कुल खराब नहीं हुआ।

बता दें कि भारतीय वायुसेना की खासियत है कि वह कॉन्फ्लिक्ट जोन से सुरक्षित अपने नागरिकों को बाहर निकाल सकती है। पिछले कुछ बड़े इवैक्यूएशन ऑपरेशन की बात करें तो साल 2006 में इजरायल-लेबनान जंग के दौरान ऑपरेशन सूकून चलाया गया था, जिसमें 2,280 भारतीयों को सुरक्षित वतन वापस लाया गया था। साल 2015 में यमन में जंग के दौरान सना एयरपोर्ट से भारतीयों को जिबूती लाया गया और फिर सी-17 के जरिए भारत। साल 2021 में तालिबान के अफगानिस्तान पर कब्जे के दौरान सरकार ने ऑपरेशन देवी शक्ति चलाया था, जिसमें 800 भारतीयों की वतन वापसी कराई गई थी। 2022 में यूक्रेन युद्ध के दौरान ऑपरेशन गंगा लॉन्च किया गया था, जिसमें 18,000 के करीब भारतीयों को यूक्रेन और पड़ोसी देशों से रेस्क्यू किया गया था। साल 2023 में सूडान में संघर्ष के दौरान सरकार ने ऑपरेशन कावेरी लॉन्च किया था, जिसमें भारतीय वायुसेना ने 3,900 भारतीयों को सुरक्षित घर वापस लाया था। इसके अलावा दर्जनों ऑपरेशन राहत बचाव के लिए सरकार की तरफ से चलाए गए हैं।

आप सरकार पर लगा अस्पताल घोटाले का आरोप, सौरभ और सत्येंद्र के खिलाफ होगी जांच

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली के पूर्व स्वास्थ्य मंत्रियों सौरभ भारद्वाज और सत्येंद्र जैन के खिलाफ एसीबी जांच की मंजूरी दे दी।दोनों नेताओं पर दिल्ली सरकार के अस्पतालों से जुड़ी परियोजनाओं में देरी से संबंधित कथित घोटाले का आरोप है। दिल्ली के उप राज्यपाल वीके सक्सेना द्वारा जांच के लिए की गई सिफारिश की थी। दिल्ली के पूर्व स्वास्थ्य मंत्रियों सौरभ भारद्वाज और सत्येंद्र जैन के खिलाफ एसीबी जांच की मंजूरी दे दी गई है। दोनों पर अस्पतालों से जुड़ी परियोजनाओं में घोटाले का आरोप है। आरोप के मुताबिक, कुल 6800 बिस्तर की क्षमता वाले सात आईसीयू अस्पतालों को सितंबर 2021 में छह महीने के भीतर पूर्व इंजीनियरिंग संचरनाओं के उपयोग से बनाया जाना था। जिसके लिए 1125 करोड़ रुपये की लागत मंजूर की गई थी। लेकिन, तीन साल से अधिक समय बीत जाने और 800 करोड़ की लागत के बाद भी इनका केवल 50 फीसदी काम ही पूरा

हुआ।

सूत्रों के मुताबिक, एसीबी द्वारा इस घोटाले की जांच विजेन्द्र गुप्ता की ओर से 22 अगस्त 2024 को की गई शिकायत के आधार पर की जाएगी। शिकायत में कहा गया कि वर्ष 2018-19 में 24 अस्पताल परियोजनाओं को कुल मिलाकर 5590 करोड़ रुपये की मंजूरी दी गई थी, लेकिन बेवजह हुई देरी के चलते इनकी लागत में बढ़ोतरी हुई। आरोप है कि परियोजनों में यह देरी जानबूझकर की गई।इसी प्रकार, एनएलजेपी अस्पताल के न्यू ब्लॉक प्रोजेक्ट के लिए 465 करोड़ रुपये की लागत की मंजूरी दी गई थी। चार वर्षों में तीन गुना बढ़कर 1125 करोड़ रुपये हो गई। पालीक्लीनिक्स परियोजना भी भ्रष्टाचार के गठजोड़ के चलते पूरी नहीं हो सकी। स्वास्थ्य सूचना प्रबंधन प्रणाली को लागू करने में भी एक दशक से अधिक समय की देरी हुई। आरोप है कि इसे जानबूझकर रोका गया ताकि वित्तीय लेन-देन में अस्पष्टता बनी रहे।

मुंबई में रेल हादसों में 22 साल में 72,000 मौतें, एक तिहाई शव लावारिस

मुंबई (एजेंसी)। मुंबई से सटे मुंब्रा में हुए लोकल ट्रेन हादसे के बाद मुंबई की लाइफलाइन मौत की लाइन क्यों बनती जा रही है? यह सवाल उठ रहा है। लोकल ट्रेन हादसों में मौतों की संख्या और कारण सुनकर हर कोई चौंक जाएगा। क्योंकि खबर है कि पिछले 22 सालों में ट्रेन हादसों में 72 हजार यात्रियों की मौत हो चुकी है। चौंकाने वाली बात यह है कि इनमें से एक तिहाई शव लावारिस हैं। उनकी पहचान नहीं हो पाई है या उनके परिवार वाले उन्हें ढूंढ नहीं पाए हैं। दरअसल ट्रेन हादसों में इतने लोग क्यों मर रहे हैं? इस बारे में जानकारी सामने आई है। बताया गया है कि पिछले 15 सालों में मुंबई और उसके उपनगरों में रेल की पटरियों पर मरने वालों में से एक तिहाई शव लावारिस हैं। यह जानकारी आरटीआई के जरिए मिली है। जानकारी के अनुसार, पिछले 10 से 15 वर्षों में लोकल ट्रेन दुर्घटनाओं में मरने वाले कुल (46,969) यात्रियों में से 31 प्रतिशत (1,4513) की पहचान नहीं हो पाई है और उन्हें लावारिस के रूप में दर्ज किया गया है। रेलवे पुलिस (जीआरपी) ने मृतकों के परिवारों का पता लगाने की कोशिश की, लेकिन वे उनके परिवारों तक नहीं पहुंच सके। दरअसल ऑर्थोपेडिक विशेषज्ञ डॉ. सरोश मेहता ने आरटीआई याचिका दायर की थी। इसमें खुलासा हुआ कि 2019 के बाद लावारिस शवों की संख्या में वृद्धि हो रही है।

- ट्रेन दुर्घटनाओं का क्या है कारण?

2002 से 2024 के बीच 22 वर्षों में विभिन्न कारणों से 72,000 से अधिक लोग रेलवे ट्रैक पर मारे गए हैं। इनमें से अधिकांश मौतें रेलवे ट्रैक पार करते समय ट्रेनों से हुई टक्करों के कारण हुईं। आंकड़ों के अनुसार, 2012 से हर साल मौतों की संख्या में कमी आ रही है। केवल 2022 इसका अपवाद रहा। कोरोना महामारी के कारण घर लौटते समय कई लोगों की ट्रेन दुर्घटनाओं में मौत हो गई। आरटीआई कार्यकर्ता डॉ. मेहता कहते हैं कि कई लोग ट्रैक पार करते समय ट्रेन से गिरकर मर चुके हैं। बंद दरवाजे वाले लोकल कोच बनने से ये हादसे रुक नहीं रहे हैं। रेलवे पुल और एस्केलेटर बनाए जा रहे हैं, जिससे रेलवे ट्रैक पार कर सकें। लेकिन फिर भी हर साल मौतों की संख्या अधिक है। रेलवे के जीरो डेथ मिशन को अभी भी लंबा सफर तय करना है।

- हादसे में मृतकों की पहचान करना मुश्किल

रेलवे पुलिस का कहना है कि रेल हादसे में मृतकों की पहचान करना चुनौतीपूर्ण है। ट्रेन की जोरदार टक्कर से शव क्षत-विक्षत हो जाते हैं जिससे

उनकी पहचान करना असंभव हो जाता है। शवों के पास मोबाइल फोन या पहचान पत्र नहीं मिलने से अक्सर दुर्घटना में मृतकों की पहचान करना मुश्किल हो जाता है। लावारिस शवों की पहचान के लिए जीआरपी की ओर से शोध नाम की वेबसाइट चलाई गई थी। इस वेबसाइट पर मृतकों की तस्वीरें या जानकारी प्रकाशित की जाती थी, जिससे परिजनों को तलाश करने में मदद मिलती थी। लेकिन यह वेबसाइट बंद हो गई। इसके बाद, रेलवे स्टेशन पर दुर्घटना पीड़ित की तस्वीर प्रदर्शित की गई, लेकिन इसे रोक दिया गया क्योंकि इससे यात्रियों को असुविधा हो रही थी।

भारत ने गंवाया लीड्स टेस्ट, इंग्लैंड ने हासिल की रिकॉर्डतोड़ जीत

लीड्स (एजेंसी)। बेन डकेट (149) की शतकीय, जैक क्रॉली (65) और जो रूट (नाबाद 53) की अर्धशतकीय पारियों की बदौलत इंग्लैंड ने पेहले टेस्ट मैच के पांचवें एवं आखिरी दिन मंगलवार को भारत को पांच विकेट से शिकस्त दी। इसी के साथ इंग्लैंड ने टेस्ट श्रृंखला में 1-0 से बढ़त बना ली है। भोजनकाल के बाद बल्लेबाजी करने उतरी इंग्लैंड को पहला झटका प्रसिद्ध कृष्णा ने जैक क्रॉली (65) को आउटकर दिया। इसके बाद बल्लेबाजी करने आये पहली पारी के शतकवीर ऑली पोप (आठ) को भी प्रसिद्ध कृष्णा ने बोल्ड कर भारत को दूसरी सफलता दिलाई। इसके बाद शार्दुल ठाकुर ने बेन डकेट को नीतीश कुमार रेड्डी के हाथों कैच आउट कराकर भारत को बड़ी सफलता दिलाई। बेन डकेट ने 170 गेंदों में 21 चौकों और एक छक्के की मदद से (149) रनों की पारी खेली। इसी ओवर में उन्होंने हैरी ब्रूक (शून्य) को भी आउट कर पवेलियन भेज दिया। प्रसिद्ध कृष्णा, शार्दुल ठाकुर (दो-दो विकेट) के झटको को झेलते हुए इंग्लैंड ने मैदान गिला होने के कारण खेल रोके जाने के समय चायकाल तक चार विकेट पर 269 रन बना लिये थे। चायकाल के बाद रवींद्र जडेजा ने इंग्लैंड के कप्तान बेन स्टोक्स (33) को आउट कर भारत पांचवीं सफलता दिलाई। इसके बाद बल्लेबाजी करने आये जेमी स्मिथ ने जो रूट के साथ पारी को संभाला और धैर्य के साथ बल्लबाजी करते हुए अपनी टीम को जीत की ओर ले गये। इंग्लैंड ने 82 ओवर में पांच विकेट पर 373 रन बनाकर पांच विकेट से मुकाबला जीत लिया। जो रूट (53) और जेमी स्मिथ (44) रन बनाकर नाबाद रहे। भारत की हार कारण खराब क्षेत्ररक्षण रहा। भारतीय खिलाड़ियों ने कई कैच छोड़े जिसका खामियाजा हार के रूप में सामने आया। भारत की ओर से प्रसिद्ध कृष्णा, शार्दुल ठाकुर ने दो-दो विकेट लिये। रवींद्र जडेजा ने एक बल्लेबाज को आउट किया। इससे पहले आज यहां इंग्लैंड ने सुबह के सत्र में कल के 21 रन के स्कोर से आगे खेलना शुरु किया। जैक क्रॉली और बेन डकेट की सलामी जोड़ी ने संयम का परिचय देते हुए भारतीय गेंदबाजी आक्रमण का सामना किया और रन भी बटोरे। भोजनकाल तक इंग्लैंड ने 30 ओवरों में बिना कोई विकेट खोए 117 रन बना लिये और टीम के मैच जीतने की उम्मीद जगाई। उल्लेखनीय है कि भारत ने पहली पारी में यशस्वी जायसवाल, कप्तान शुभमन गिल और ऋषभ पंत की शतकीय

पारियों की बदौलत 471 रन का स्कोर खड़ा किया था। इसके बाद इंग्लैंड ने अपनी पहली पारी में 465 रन का स्कोर बनाया था। भारत ने दूसरी पारी में 364 रन का स्कोर बनाया था और उसके पहली पार में सात रन की बढ़त मिली थी।

शार्दुल ठाकुर दूसरे टेस्ट से हो सकते हैं बाहर, इस खिलाड़ी को मिल सकता है मौका, मुख्य कोच ने दिया इशारा

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत के मुख्य कोच गौतम गंभीर ने इंग्लैंड के खिलाफ श्रृंखला के पहले मैच में शार्दुल ठाकुर से कम गेंदबाजी कराने के कप्तान शुभमन गिल के फैसले का बचाव किया लेकिन दो जुलाई से शुरू हो रहे दूसरे टेस्ट में उनके चयन को सही ठहराना मुश्किल होगा। दिसंबर 2023 के बाद से अपना पहला टेस्ट खेल रहे शार्दुल का तेज गेंदबाजी में अच्छा उपयोग नहीं हुआ और उन्होंने अपनी बल्लेबाजी से भी टीम को निराश किया। उन्होंने दो पारियों में 20 गेंदों पर कुल पांच रन बनाए।

शार्दुल ने मैच की पहली पारी में सिर्फ छह ओवर और दूसरी पारी में 10 ओवर गेंदबाजी की। ऐसे में विशेषज्ञ गेंदबाज की जगह उन्हें तरजीह देने पर सवाल उठ रहे हैं। शार्दुल ने मैच के पांचवें दिन हालांकि लगातार दो विकेट लेकर भारत की जीत की उम्मीदें जगा दी थी लेकिन उनकी गेंदबाजी में धार और पैनापन नहीं था। उन्होंने और प्रसिद्ध कृष्णा ने बहुत सारी कमजोर गेंदें फेंकी, जिससे इंग्लैंड के बल्लेबाजों पर दबाव नहीं बना। भारत को इस पांच दिवसीय मैच में ज्यादातर समय तक दबदबा बनाये रखने के बावजूद हार का सामना करना पड़ा। इस हार के बावजूद टीम को ज्यादा परेशान होने की जरूरत नहीं है। एजबेस्टन टेस्ट के लिए हालांकि अंतिम एकादश में कुछ बदलाव तय हैं। विशेषज्ञों ने श्रृंखला के पहले मैच में कुलदीप यादव को शामिल करने की मांग की थी और अब बर्मिंघम में स्पिनरों की मदद करने वाली पिच पर शार्दुल की जगह उन्हें शामिल किए जाने की संभावना है। पूर्व भारतीय कप्तान दिलीप वेंगसरकर ने कहा, 'कुलदीप को टीम में होना चाहिए। चार तेज गेंदबाजों के साथ खेलने का कोई मतलब नहीं है। शार्दुल या प्रसिद्ध में से कोई भी उनके लिए जगह बना सकता है।'

छह कैच छोड़ने के बाद भी नाच रहे यशस्वी पर भड़के प्रशंसक

लीड्स (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम के युवा बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल इंग्लैंड के खिलाफ लीड्स टेस्ट में अपने खराब क्षेत्ररक्षण के कारण प्रशंसकों के निशाने पर हैं। इस मैच में यशस्वी ने 6 कैच छोड़े, इसके बाद भी वह मैदान पर डांस कर रहे थे। जिससे भारतीय प्रशंसक भड़क गये क्योंकि इस मैच में भारतीय टीम को बड़े स्कोर के बाद भी हार का सामना करना पड़ा है। दूसरी पारी में बेन डकेट का कैच छोड़ने के कुछ ही देर बाद यशस्वी के डांस पर प्रशंसक बेहद नाराज दिखे। डकेट ने इस मैच में शानदार पारी खेलकर अपनी टीम को जीत दिला दी। भारतीय टीम की हार का कारण यशस्वी का कैच छोड़ना रहा। यशस्वी ने दोनों पारियों में कुल मिलकाकर 6 से ज्यादा कैच छोड़े। मैच का उनका एक वीडियो भी सोशल मीडिया में आया है। उसमें वह डकेट का कैच छोड़ने के कुछ ही देर बाद मुस्कुराते और डांस करते दिख रहे हैं। डकेट जब 97 के स्कोर पर थे तभी कैच गिरने के बाद भी उन्होंने 149 रन की मैच विजेता पारी खेली। वह प्लेयर ऑफ द मैच भी बनी। यशस्वी ने भारतीय टीम की ओर से पहली पारी में शतक लगाया था पर खराब क्षेत्ररक्षण से उन्होंने अब बेकार कर दिया।

एक भारतीय प्रशंसक ने यशस्वी के वीडियो क्लिप के साथ पोस्ट किया, 'टीम हार रही है और वह डांस कर रहे हैं। ये बेशर्मी हैं, वहीं एक अन्य ने कटाक्ष किया, 'यशस्वी एक ही मैच में 7 कैच टपकाने के बाद खुशी से नाच रहे हैं। इंग्लैंड को उन्होंने अपने बल पर जीतने में सहायता की।'

वहीं एक प्रशंकस ने कहा कि अगर अभी रोहित शर्मा कप्तान होते तो यशस्वी को थप्पड़ लग गये होते। वहीं कुछ लोगों को कहना कि अगर इसमें भारतीय टीम जीतती तो कैच छोड़ने पर भी यशस्वी की आलोचना नहीं होती इस टेस्ट में भारतीय टीम ने पहले बल्लेबाजी करते हुए पहली पारी में 471 रन बनाए। इसके बाद इंग्लैंड ने अपनी पहली पारी में 465 रन बनाए। भारत की दूसरी पारी में 364 रन बनाये। मेजबान इंग्लैंड ने जीत के लिए मिले 372 रनों के लक्ष्य को बेन डकेट और जैक क्रॉली के विकेट के लिए 188 रन की साझेदारी की सहयता से हासिल कर लिया।

नीरज ने ओस्ट्रावा गोल्डन इस्पाइक एथलेटिक्स में स्वर्ण जीता

ओस्ट्रावा (एजेंसी)। भारत के शीर्ष भाला फेंक खिलाड़ी नीरज चोपड़ा ने चेक गणराज्य में हुए 64वें ओस्ट्रावा गोल्डन इस्पाइक एथलेटिक्स एथलेटिक्स टूर्नामेंट में स्वर्ण पदक जीता है। नीरज ने पुरुषों की भाला फेंक प्रतियोगिता में अपने तीसरे प्रयास में 85.29 मीटर भाला फेंककर पहला स्थान हासिल किया। वहीं दक्षिण अफ्रीका के डौव स्मिट 84.12 मीटर भाला फेंककर दूसरे जबकि ग्रेनेडा के एंडरसन पीटर्स 83.63 मीटर भाला फेंककर तीसरे स्थान पर रहे।

नीरज की यह सत्र की तीसरी जीत रही। इससे पहले वह पोटचेफस्ट्रूम (दक्षिण अफ्रीका) में

84.52 मीटर भाला फेंककर और पेरिस डायमंड लीग - में 88.16 मीटर भाला फेंककर पहले स्थान पर रहे थे। इस सत्र में नीरज अब तक एक बार ही 90 मीटर के आंकड़े तक पहुंच पाये हैं। डोहा डायमंड लीग में नीरज ने पहली बार 90.23 मीटर भाला फेंककर 90 मीटर का आंकड़ा पार किया था पर वह जूलियन वेबर 91.06 मीटर से पिछड़ गये। पोलैंड के जानुस कुशोचिंस्की मेमोरियल में नीरज 84.14मीटर भाला फेंककर एक बार फिर वेबर 86.12 मीटर से पिछड़ गये।

अब नीरज बेंगलुरु में अगले माह एक अंतरराष्ट्रीय स्तर का इवेंट आयोजित कर रहे हैं। इसमें वह दुनिया भर के शीर्ष स्तर के भाला फेंक खिलाड़ियों से प्रतिस्पर्धा करेंगे। ये भारत का पहला अंतरराष्ट्रीय भाला फेंक इवेंट होगा। इस इवेंट का आयोजन जेएसडब्ल्यू स्पोर्टस एथलेटिक्स फेडरेशन ऑफ इंडिया और विश्व एथलेटिक्स मिलकर करेंगे। नीरज इस इवेंट के जरिये अपने प्रदर्शन को और निखारना चाहेंगे।

टीम नहीं जीती तो व्यक्तिगत उपलब्धियों का मतलब नहीं : गंभीर

लीड्स (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम के मुख्य कोच गौतम गंभीर ने विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत के दो शतक को लेकर कहा कि अगर टीम जीत नहीं पाती है तो व्यक्तिगत उपलब्धियों का कोई मतलब नहीं रह जाता। वहीं जब उनसे इंग्लैंड के हाथों पहले टेस्ट में मिली हार के बीच भी सकारात्मक बातों के बारे में पूछा गया तो उन्होंने कहा कि सबसे अहम परिणाम होता है जो टीम अपने पक्ष में नहीं ला पायी। वहीं गंभीर से जब ऋषभ के दो शतकों के बारे में पूछा गया तो उन्होंने कहा ,''तीन और शतक बने थे। ये सब सकारात्मक बातें हैं।''

वहीं मैच के सकारात्मक पहलुओं के बारे में पूछने पर गंभीर ने कहा ,''अगर आप कहते कि यशस्वी जायसवाल ने शतक जमाया और शुभमन गिल ने कप्तान के तौर पर पहले ही मैच में शतक लगाया तो मुझे अच्छा लगता। इसके अलावा केएल राहुल ने भी शतक लगाया और ऋषभ ने दो शतक लगाये। एक टेस्ट में पांच शतक बड़ी बात है। यह सवाल बेहतर हो सकता था।'' कोच ने कहा कि अगर टीम हारती है तो व्यक्तिगत उपलब्धियां काम नहीं आतीं। उन्होंने हालांकि कहा ,''ये सब सकारात्मक पक्ष हैं। जसप्रीत बुमराह ने पांच विकेट लिये पर अंत में तो टीम हार ही गयी।'' उन्होंने कहा , ''व्यक्तिगत प्रदर्शन अच्छी बात है। हमें शीर्ष छह से बड़ी पारियां चाहिये थी पर अंत में तो हम टेस्ट मैच जीत नहीं सके। अब हमें इससे सीख लेकर आगे बढ़ना होगा।''

भारत के 9 वर्षीय खिलाड़ी ने विश्व नम्बर 1 मैग्नस कार्लसन को ड्रॉ पर रोका

नई दिल्ली । दिल्ली के नौ वर्षीय आरित कपिल एक प्रमुख ऑनलाइन मंच पर आयोजित 'अर्ली टाइटल्ड ट्यूजडे' शतरंज टूर्नामेंट में दुनिया के नंबर एक खिलाड़ी मैग्नस कार्लसन को हराने के करीब पहुंच गए थे लेकिन आखिर में उन्हें ड्रॉ पर संतोष करना पड़ा। हाल ही में अंडर-9 राष्ट्रीय चैम्पियनशिप में उप-विजेता रहे आरित ने पांच बार के विश्व चैम्पियन कार्लसन को हार के कगार पर पहुंचा दिया था लेकिन समय समाप्त होने और घड़ी में केवल कुछ सेकंड बचे होने के कारण यह युवा भारतीय खिलाड़ी अपनी बढ़त को भुनाने में असमर्थ रहा और उसे ड्रॉ पर मजबूर होना पड़ा। आरित ने जॉर्जिया के अपने होटल से इस प्रतियोगिता में भाग लिया, जहां वह वर्तमान में अंडर-10 विश्व चैंपियनशिप में खेल रहे हैं। इस बीच भारत के वी प्रणव ने 11 में से 10 अंक लेकर 'अर्ली टाइटल्ड ट्यूजडे' का खिताब जीत लिया। अमेरिकी ग्रैंडमास्टर हैंस मोके नीमन और कार्लसन दोनों ने 9.5 अंक हासिल किए, लेकिन नीमन ने टाईब्रेक में दूसरा स्थान हासिल किया।

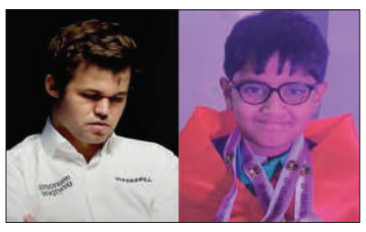

भारत के निचले क्रम को दो बार आउट करना निर्णायक रहा : बेन स्टोक्स

लीड्स । इंग्लैंड के कप्तान बेन स्टोक्स ने पहले टेस्ट में भारत पर मिली पांच विकेट से जीत का श्रेय अपने गेंदबाजों को दिया है जिन्होंने भारत के निचले क्रम को दो बार आउट किया। जीत के लिए 371 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए सलामी बल्लेबाज बेन डकेट और जैक क्रॉली ने पहले विकेट के लिए 188 रन की साझेदारी की। स्टोक्स ने हालांकि कहा कि मैच का पलड़ा उसी समय उनके पक्ष में हो गया था जब इंग्लैंड के गेंदबाजों ने भारत को बड़ा स्कोर बनाने से रोका।

उन्होंने मैच के बाद कहा, 'यह बल्लेबाजी के लिए अच्छी विकेट थी। बड़े स्कोर से इसका पता चलता है। लेकिन मैच का निर्णायक पल यही था कि हमने दो बार भारत के निचले क्रम को आउट कर दिया। इसी वजह से हम उन्हें बड़ा स्कोर बनाने से रोक पाए और विशाल लक्ष्य नहीं मिला जिसे पाना मुश्किल हो जाता। हमने उन्हें 450-500 से आगे नहीं जाने दिया जो वह एक समय बनाते दिख रहे थे।' भारत ने पहली पारी में आखिरी छह विकेट 41 रन के भीतर गंवा दिए और दूसरी पारी में भी आखिरी छह विकेट 34 रन के भीतर गिर गए। स्टोक्स ने कहा, 'जीत के लिए 371 रन के लक्ष्य के जवाब में अच्छी शुरूआत चाहिए थी। ऐसे में विकेट बचाकर खेलना जरूरी था। डकेट और जैक ने जिस तरह से खेला, वह काबिले तारीफ है। दोनों एक दूसरे के पूरक बनकर खेले। दाहिने, बाएं हाथ के बल्लेबाजों के संयोजन के सामने गेंदबाजों को मुश्किल हुई होगी।'

ऋषभ इस सीरीज के अंत तक तोड़ सकते हैं द्रविड़ का रिकार्ड : मांजरेकर

लीड्स (एजेंसी)। पूर्व क्रिकेटर संजय मांजरेकर ने भारतीय क्रिकेट टीम के विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत की जमकर प्रशंसा करते हुए कहा है कि जिस प्रकार से ऋषभ खेल रहे हैं। उससे वह इस सीरीज के अंत तक इंग्लैंड में सबसे ज़्यादा टेस्ट शतक लगाने वाले भारतीय खिलाड़ी बन सकते हैं। अभी ये रिकार्ड राहुल द्रविड़ के नाम है। ऋषभ ने पहले टेस्ट की दोनो ही पारियों में शतक लगाये हैं। इससे ऋषभ के इंग्लैंड में टेस्ट शतकों की संख्या 4 हो गई है, जो द्रविड़ 6 शतक से सिर्फ 2 कम है, और मांजरेकर को लगता है कि सीरीज में चार टेस्ट शेष रहने पर वह इंग्लैंड में सबसे अधिक टेस्ट शतक लगाने वाले भारतीय बल्लेबाज बनने के लिए पूर्व कप्तान की बराबरी कर सकते हैं या उनसे आगे निकल सकते हैं।

उन्होंने कहा, ऋषभ इस टेस्ट टीम में विकेटकीपर के रूप में भारत की पहली

और आखिरी पसंद हैं। अब अगर आप संख्याओं को देखें तो इंग्लैंड में टेस्ट में भारतीयों द्वारा सबसे अधिक 6 शतक साथ द्रविड़ सबसे आगे हैं। अचानक आपके पास उसी विशिष्ट वर्ग में ऋषभ का नाम है। उन्होंने कहा, आपके पास केएल राहुल हैं और आपके पास ऋषभ हैं। कौन जानता है, जब तक यह सीरी समाप्त होगी, ऋषभ द्रविड़ की बराबरी कर सकते हैं या उनसे आगे भी निकल सकते हैं। इस सीरीज में अभी चार टेस्ट मैच होने हैं जो कि ऋषभ के लिए संभावित रूप से 8 पारियां हैं। उन्होंने पहले ही लगभग शानदार शुरुआत कर दी है। ऋषभ दूसरी पारी में 140 गेंदों पर 118 रन बनाकर आउट हो गए। केएल राहुल ने पहली पारी में बल्ले से भी प्रभावशाली रहे, जबकि दूसरी पारी में उन्होंने दूसरी पारी में शतक लगा दिया। ऋषभ और राहुल ने चौथे विकेट के लिए 195 रन जोड़े, जो इंग्लैंड में टेस्ट मैच की दूसरी पारी के दौरान चौथे विकेट के लिए भारत की अब तक की सबसे बड़ी साझेदारी है।

राहुल के योगदान और तकनीक के बारे में बात करते हुए मांजरेकर ने कहा, केएल की एकमात्र आलोचना निरंतरता है जो महानता का एक महत्वपूर्ण पैमाना है। लेकिन बल्लेबाजी तंत्र पर वह लगभग दोषरहित है। चाहे ऑस्ट्रेलिया हो, दक्षिण अफ्रीका हो, इंग्लैंड हो या न्यूजीलैंड, उनकी तकनीक में कोई स्पष्ट कमजोरी नहीं दिखती। यही कारण है कि वह सेना देशों में सफल हैं, पांच टेस्ट शतकों के साथ एशियाई सलामी बल्लेबाजों में सुनील गावस्कर के बाद दूसरे स्थान पर हैं।

आईसीसी रैंकिंग में सातवें स्थान पर पहुंचे ऋषभ

दुबई । भारतीय क्रिकेट टीम के विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत अंतराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) रैंकिंग में सातवें स्थान पर पहुंच गये हैं। ऋषभ को इंग्लैंड के खिलाफ पहले टेस्ट में दो शतक लगाने से लाभ हुआ है। इससे वह एक स्थान के लाभ के साथ ही सातवें स्थान पर पहुंच गए हैं। ऋषभ के अभी 801 रेटिंग अंक हैं। यह उनके करियर की सबसे अच्छी रेटिंग है। उन्होंने लीड्स टेस्ट की पहली पारी में 134 और दूसरी पारी में 118 रन बनाए थे। भारतीय टीम कप्तान शुभमन गिल को भी शतक लगाने से लाभ हुआ है और पांच स्थान ऊपर आये हैं। शुभमन ने 147 रन बनाये थे जिससे अब वह 20 वें नंबर पर पहुंच गये हैं। भारत के यशस्वी जायसवाल ने भी पहले टेस्ट में शतक लगाया था। जिससे वह चौथे स्थान पर बने हुए हैं। वहीं इंग्लैंड के सलामी बल्लेबाज बेन डकेट को बल्लेबाजों की सूची में पांच स्थान का लाभ हुआ है। इससे डकेट अब आठवें पायदान पर पहुंच गए हैं। डकेट की 149 रनों की पारी से इंग्लैंड को जीत मिली। डकेट ने पहली पारी में अर्धशतक लगाया था।

हीली अभी नहीं लेंगी संन्याय

सिडनी । ऑस्ट्रेलिया की महिला क्रिकेट टीम की कप्तान एलिसा हीली ने कहा है कि अभी उनका संन्यास लेने का कोई इरादा नहीं है और वह इसी साल होने वाले एकदिवसीय विश्वकप के बाद भी खेलती रहेंगी। 35 साल की इस क्रिकेटर ने कहा है कि वह साल 2026 में भारत के खिलाफ होने वाली सीरीज तक तो रहेंगी ही। हीली पिछले साल से ही लगातार चोटों से परेशान रही हैं, टी20 विश्व कप के दौरान उनके पैर में स्ट्रेस फ्रेक्चर भी हुआ था। इसके बाद घुटने में दर्द के कारण उन्हें कई मैचों से बाहर होना पड़ा। हीली ने माना है कि पहले वह इस साल भारत में होने वाले एकदिवसीय विश्व कप के बाद संन्यास लेने का सोच रहीं थीं पर अब उनका इरादा बदल गया है। हीली ने कहा, '' मेरे संन्यास लेने की तारीख बदल गई है। फिटनेस में आ रही परेशानी के कारण मैं अब भी शायद जितना सोचा था, उससे थोड़ा अधिक करना चाहती हूं।'' वह ऑस्ट्रेलियाई टीम की ओर से की घरेलू मैदान पर एशेज जीत के दौरान कुछ मैच खेलीं पर फिट नहीं होने के कारा न्यूजीलैंड के दौरे और भारत में महिला प्रीमियर लीग में भाग नहीं ले पाईं। हीली ने कहा, ''कभी-कभी जीवन में ऐसी चीजें होती हैं जो हरे और सुनहरे रंग की जर्सी पहनने से थोड़ी अधिक अहम होती हैं। इसलिए यह केवल आंकलन है।''

शुभमन गिल ने पहले टेस्ट में हार की वजह बताई, इन खिलाड़ियों पर निकाली भड़ास

लीड्स । भारतीय कप्तान शुभमन गिल ने इंग्लैंड के खिलाफ पहले टेस्ट में पांच विकेट से मिली हार के बाद स्वीकार किया कि निचले क्रम के बल्लेबाजों से रन नहीं बन पाना हार का अहम कारण रहा। उप-कप्तान ऋषभ पंत ने दोनों पारियों में शतक जमाया जबकि गिल, यशस्वी जायसवाल और केएल राहुल ने भी शतक बनाये लेकिन भारत दोनों पारियों में अपेक्षित बड़ा स्कोर नहीं बना सका और कई अहम कैच भी छूटे। पहली पारी में एक समय स्कोर तीन विकेट पर 359 रन रहने के बाद पूरी टीम 471 रन पर आउट हो गई। दूसरी पारी में भी आखिरी छह विकेट 77 रन के भीतर गिर गए। गिल ने मैच के बाद कहा, 'यह शानदार टेस्ट मैच था। हमारे पास मौके थे लेकिन हमने कैच छोड़े और निचले क्रम से भी रन नहीं बने। लेकिन टीम पर गर्व है और कुल मिलाकर अच्छा प्रयास था। कल हम 430 के करीब रन बनाकर पारी घोषित करने की सोच रहे थे लेकिन निचले क्रम पर रन नहीं बनने से मुश्किल हो गई।' उन्होंने कहा, 'हमने निचले क्रम के योगदान पर बात की लेकिन यह इतनी जल्दी (विकेटों का पतन) हो गया। हमें आने वाले मैचों में इसमें सुधार करना होगा।' उन्होंने कैच छूटने पर अपने क्षेत्ररक्षकों का बचाव करते हुए कहा, 'इस तरह की विकेटों पर आसानी से मौके नहीं मिलते। यह युवा टीम है और सीख रही है। उम्मीद है कि इन पहलुओं पर आगे बेहतर प्रदर्शन होगा।' गिल ने कहा कि दो जुलाई से बर्मिंघम में होने वाले दूसरे टेस्ट में समय है और जसप्रीत बुमराह को लेकर मैच से पहले फैसला लिया जाएगा। बुमराह की उपलब्धता पर पूछे जाने पर उन्होंने कहा, 'हम मैच दर मैच देखेंगे। दूसरे टेस्ट के करीब आने पर फैसला लिया जाएगा।'

शुभमन गिल की मैदान पर आभा रोहित और विराट जैसी प्रभावशाली नहीं : इंग्लैंड के पूर्व कप्तान

लीड्स (एजेंसी)। इंग्लैंड के खिलाफ पांच मैचों की श्रृंखला के शुरूआती टेस्ट में पांच विकेट से शिकस्त मिलने के बाद भारत के नए कप्तान शुभमन गिल की रणनीति की आलोचना के बीच पूर्व कप्तान नासिर हुसैन ने कहा कि 'मैदान पर उनमें रोहित शर्मा और विराट कोहली जैसा आभा नहीं दिखी।' भारत को इस मैच में पांच शतकीय पारियों के बाद भी हार का सामना करना पड़ा। इंग्लैंड ने मंगलवार को मैच के पांचवें दिन 371 रन का लक्ष्य पांच विकेट गंवाकर हासिल कर लिया। टीम ने इसके साथ ही श्रृंखला में 1-0 की बढ़त बना ली।

रोहित शर्मा के बाद कप्तान के रूप में अपने पहले टेस्ट में गिल को कड़ी चुनौती का सामना करना पड़ा और हुसैन ने कहा कि यह युवा खिलाड़ी कप्तान के तौर पर 'सक्रिय होने के बजाय प्रतिक्रिया दे रहा' था। हुसैन ने कहा, 'मैंने देखा कि कोई तरीका ढूंढने की कोशिश कर रहा था। उसके (गिल) पास मैदान पर रोहित और (विराट कोहली) जैसी आभा नहीं दिखी। मुझे लगा कि वह सक्रिय होने के बजाय प्रतिक्रिया दे रहा था।'

उन्होंने कहा, 'जब रोहित और कोहली टीम की कप्तानी कर रहे थे तब आपको देख कर ही समझ आ जाता था कि कौन नेतृत्व कर रहा है लेकिन इस मैच में मुझे लगा कि दो या तीन कप्तान है। ऐसा लगा जैसे एक समिति टीम का नेतृत्व कर रही है।' हुसैन ने कहा कि भारत मैच इसलिए हार गया क्योंकि गिल दो चीजों (कैच छोड़ना और निचले क्रम के बल्लेबाजों का घुटने टेकना) को नियंत्रित नहीं कर सके।

उन्होंने कहा, 'टीम की यह स्थिति मुझे चिंतित करती है। भारत के पास लंबे समय से रविचंद्रन अश्विन, रविंद्र जडेजा और अक्षर पटेल जैसे शानदार स्पिन-गेंदबाजी हरफनमौला रहे हैं। वे हालांकि इंग्लैंड में अब भी एक तेज गेंदबाजी ऑलराउंडर की तलाश कर रहे हैं जो बल्लेबाजी कर सके।' इंग्लैंड के लिए 1990 से 2004 के बीच 96 टेस्ट खेलने वाले इस 57 वर्षीय खिलाड़ी ने कहा, 'भारतीय टीम अगर 31 रन पर छह विकेट और 41 रन पर सात विकेट गंवाते रही तो तो इस श्रृंखला का परिणाम जल्दी तय हो जाएगा।'

भारत के पूर्व कोच रवि शास्त्री का मानना है कि गिल ने 'उनसे जितना अपेक्षित था, उससे कहीं अधिक किया है।' शास्त्री ने कहा, 'इस परिणाम के बावजूद कोचिंग स्टाफ के लिए इस मैच में कई सकारात्मक पहलू है। गिल ने एक कप्तान के रूप में उससे कहीं अधिक किया है, जितना अपेक्षित था।' शास्त्री ने कहा, '' उन्होंने अपने पहले टेस्ट में शतक बनाया। खिलाड़ियों का कैच छोड़ना उसके नियंत्रण में नहीं है।'

गिल ने भारत की पहली पारी में 471 रन के कुल स्कोर में 147 रन बनाए। उन्होंने दूसरी पारी में आठ रन बनाए। शास्त्री ने कहा, 'भारत के लिए इस हार को पचा पाना मुश्किल होगा। आप अक्सर ऐसी स्थिति में नहीं आते और वहां से हार मान लेते हैं। उनके पास इंग्लैंड को मुकाबले से बाहर करने के कई मौके थे।' शास्त्री ने कहा, 'उन्हें सीखना होगा और उन्हें निचले क्रम के बल्लेबाजों से अधिक सहयोग की जरूरत है। आपको अपने विकेट की कीमत को समझना होगा।'

पूर्व भारतीय हरफनमौला ने यह भी कहा कि टीम के मुख्य तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह को दो जुलाई से बर्मिंघम में शुरू होने वाले दूसरे टेस्ट में खेलना चाहिए। उन्होंने कहा, 'अगर वह आराम की सोच रहे थे तो आपको दो बार सोचना पड़ सकता है। बुमराह अगर उस मैच को नहीं खेलते हैं और आप 2-0 से पिछड़ जाते हैं तो वापसी करना काफी कठिन होगा।' मैच की पहली पारी में पांच विकेट लेने वाले बुमराह की योजना इस श्रृंखला में तीन मैच खेलने की है। इंग्लैंड के पूर्व तेज गेंदबाज स्टुअर्ट ब्रॉड का भी मानना है कि भारत के पास

टेस्ट जीतने के मौके थे लेकिन उन्होंने उन्हें गंवा दिया। ब्रॉड ने कहा, 'जब आप इस तरह का टेस्ट मैच जीतते हैं तो यह एक शानदार एहसास होता है। भारत के पास इस मैच को नियंत्रित करने के कई मौके थे।' उन्होंने कहा, 'इंग्लैंड ने बस संघर्ष किया और कड़ी टक्कर दी। लक्ष्य का पीछा करने के मामले में यह शानदार परिणाम था। डकेट ने शानदार प्रदर्शन किया। यह अविश्वसनीय है कि यह टीम लगातार ऐसा कर रही है।'

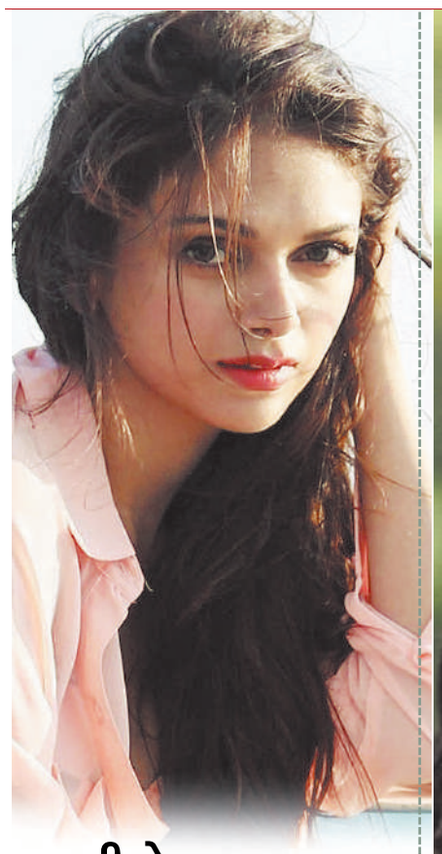

शादी के बाद ज्यादा फिल्मों के ऑफर नहीं मिले हैं

फिल्म इंडस्ट्री में बेशक बदलाव आया है। हीरोइनों को अब पहले से मजबूत भूमिकाएं मिल रही हैं। शादी और बच्चों के बाद भी वे इंडस्ट्री में एक्टिव हैं। मगर, एक सच्चाई ये भी है कि शादी के बाद जहां अभिनेताओं के करियर पर बड़ा असर नहीं होता, लेकिन अभिनेत्रियों का करियर किसी न किसी रूप में प्रभावित होता है। शादी के बाद अदिति राव हैदरी भी कुछ ऐसा ही महसूस कर रही हैं।

शादी के बाद कैसा है अदिति का करियर?

अभिनेत्री अदिति राव हैदरी और एक्टर सिद्धार्थ ने बीते वर्ष सितंबर में शादी रचाई। काफी वक्त एक-दूसरे को डेट करने के बाद कपल शादी के बंधन में बंधा। हाल ही में अदिति राव हैदरी शादी के बाद अपने करियर को लेकर बात करती दिखीं। उन्होंने एक चौंकाने वाला खुलासा किया है।

रिपोर्ट के मुताबिक, हाल ही में एक बातचीत में अदिति राव हैदरी ने खुलासा किया कि शादी के बाद से उन्हें बहुत ज्यादा फिल्मों के ऑफर नहीं मिले हैं। अपनी खूबसूरती और बहुमुखी प्रतिभा के लिए जानी जाने वाली अदिति की इस टिप्पणी से पता चलता है कि निजी जिंदगी में माइलस्टोन के बाद अभिनेत्रियों को अक्सर इंडस्ट्री में चुनौतियों का सामना करना पड़ता है।

नजरिया बदलने की जरूरत

अदिति की लोकप्रियता और अदाकारी को देखते हुए दर्शकों के लिए इस पर यकीन करना शायद मुश्किल हो कि उन्हें फिल्मों के कम ऑफर मिल रहे हैं। हालांकि, वे अपने करियर को लेकर सकारात्मक हैं। फिर भी अदिति की टिप्पणी ने इस बात पर जोर दिया है कि शादी के बाद अभिनेत्रियों के प्रति नजरिया बदलने की जरूरत है। अदिति को बीते वर्ष सीरीज हीरमंडी में देखा गया। इसमें उन्होंने बिब्बोजान का किरदार निभाया था।

मीना कुमारी की बायोपिक में नजर आ सकती हैं कियारा

मीना कुमारी की बायोपिक की घोषणा के बाद से ही कई बड़ी एक्ट्रेसेस इस फिल्म का हिस्सा बनने की दौड़ में हैं। अब खबर है कि इस आइकोनिक रोल के लिए मेकर्स ने कियारा आडवाणी को अप्रोच किया है। इस मेगाबजट फिल्म के राइट्स सिद्धार्थ पी. मल्होत्रा ने सारेगामा और अमरोही परिवार के साथ मिलकर खरीदे हैं। बड़े स्तर पर बनाई जा रही इस फिल्म को लेकर पहले से ही जबरदस्त चर्चा है। सूत्रों के मुताबिक, फिल्म की टीम मानती है कि मीना कुमारी जैसी दिग्गज अदाकारा का किरदार निभाने के लिए कियारा एक बेहतरीन चॉइस हैं।

स्क्रिप्ट कियारा को सुनाई जा चुकी है और उन्हें कहानी काफी पसंद भी आई है। हालांकि अभी उन्होंने आधिकारिक तौर पर हामी नहीं भरी है। अगर कियारा इस प्रोजेक्ट के लिए हां करती हैं, तो यह उनकी प्रेग्नेंसी के बाद शूट होने वाली पहली फिल्म हो सकती है, जो इस प्रोजेक्ट को और खास बना देती है। कियारा के अपकमिंग प्रोजेक्ट्स पर नजर डालें तो 'वार 2', 'टॉक्सिक' और अब मीना कुमारी की बायोपिक उनकी फिल्मों की लाइनअप वाकई दमदार दिख रही है। अब एक बड़ा सवाल ये भी है कि फिल्म में कमाल अमरोही का किरदार कौन निभाएगा? क्योंकि मीना कुमारी और कमाल अमरोही की कहानी में उनकी केमिस्ट्री ही फिल्म की जान होगी।

भोजपुरी फिल्म रूद्र-शक्ति में साथ आए अक्षरा और विक्रांत सिंह

भोजपुरी सिने जगत की खूबसूरत अदाकारा अक्षरा सिंह और जीआरपी स्टार विक्रांत सिंह राजपूत जल्द ही बड़े पर्दे पर साथ में नज़र आने वाले हैं। आज इसकी घोषणा कर दी गयी है. दोनों बिभूति एंटरटेनमेंट के बैनर तले बनने वाली नई फिल्म रूद्र-शक्ति में साथ नज़र आयेंगे, जिसमें एक सशक्त कहानी और दमदार अभिनय का संगम देखने को मिलेगा। फिल्म रूद्र-शक्ति को निशांत सी. शेखर निर्देशित कर रहे हैं, जिनका विज़न आधुनिक और पारंपरिक कथानक के समन्वय पर आधारित है। फिल्म का पहला पोस्टर आज जारी किया गया, जिसमें ईश्वरीय शक्ति, स्त्री सशक्तिकरण और सामाजिक जागरूकता का संदेश झलकता है। यह पोस्टर दर्शकों में गहरी उत्सुकता जगा रहा है और इसकी कहानी को लेकर पहले ही चर्चाएं शुरू हो चुकी हैं।

फिल्म में शक्ति की भूमिका निभा रही हैं अक्षरा सिंह ने कहा — यह किरदार सिर्फ एक अभिनय का अवसर नहीं, बल्कि एक सामाजिक जिम्मेदारी है। शक्ति एक ऐसी महिला है जो नारीत्व की सच्ची ताकत को दर्शाती है। दर्शक मुझे इस नए अवतार में जरूर पसंद करेंगे, क्योंकि इसमें आत्मबल, करुणा और विद्रोह तीनों एक साथ मिलते हैं। वहीं विक्रांत सिंह राजपूत ने अपने अनुभव साझा करते हुए कहा — इस फिल्म में मेरा किरदार कई भावनात्मक रंगों से भरा है। रूद्र सिर्फ एक नाम नहीं, बल्कि एक विचार है — न्याय, संघर्ष और आत्मपरिवर्तन का। अक्षरा के साथ काम करना हमेशा प्रेरणादायक रहा है और निशांत जी के निर्देशन में हर दृश्य जीवंत महसूस हुआ। रूद्र-शक्ति 18 जुलाई 2025 को रिलीज होगी, और इसके संगीत का जिम्मा टक धूम म्यूज़िक के पास है।

इंडस्ट्री में संघर्ष पर छलका सानविका का दर्द

अभिनेत्री सानविका ने प्राइम वीडियो की चर्चित सीरीज पंचायत में रिंकी का रोल अदा कर खूब लोकप्रियता हासिल की है। चौथे सीजन में सचिव जी (जितेंद्र कुमार) के साथ उनकी लव स्टोरी बढ़ती नजर आएगी। हाल ही में सानविका ने इंडस्ट्री में अपने संघर्ष पर बात की।

इनसाइडर होने की जताई इच्छा

सानविका आउटसाइडर हैं। उन्होंने पंचायत सीरीज में रिंकी के रोल के जरिए पहचान बनाई है। मगर, इस रास्ते उन्हें खूब संघर्ष करना पड़ा है। उनका हालिया पोस्ट यही इशारा कर रहा है, जिसमें वे खुद के इनसाइडर होने की कामना कर रही हैं। सानविका का कहना है कि काश वे इनसाइडर होतीं या फिर एक मजबूत बैकग्राउंड से होतीं।

... तो आसान होतीं चीजें

सानविका ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट की स्टोरी पर एक पोस्ट शेयर किया है। इसमें वे लिखती हैं, कभी-कभी यह सोचती हूं कि काश मैं एक इनसाइडर होती। या किसी बहुत मजबूत बैकग्राउंड से आई होती तो चीजें बहुत आसान होतीं। शायद ऐसा होता, मुझे नहीं मालूम। शायद सम्मान पाने और समान व्यवहार पाने जैसी बुनियादी चीजें आसान होतीं। संघर्ष और बराबरी की लड़ाई थोड़ी कम होती।

फुलेरा में होगा प्रधानी का चुनाव

बता दें कि सानविका का असली नाम पूजा सिंह है। प्राइम वीडियो की चर्चित सीरीज पंचायत का चौथा सीजन दस्तक देने वाला है। इस बार सीरीज में फुलेरा गांव में प्रधानी का चुनाव देखने को मिलेगा। मंजू देवी और क्रांति देवी के बीच कांटे की टक्कर देखने को मिलेगी।

कब रिलीज होगा चौथा सीजन?

पंचायत सीजन 4 24 जून से स्ट्रीम होगा। शो में जितेंद्र कुमार सचिव की भूमिका में नजर आएंगे। शो के चौथे सीजन में भी नीना गुप्ता, रघुबीर यादव, फैसल मलिक और चंदन रॉय जैसे सितारे नजर आएंगे।

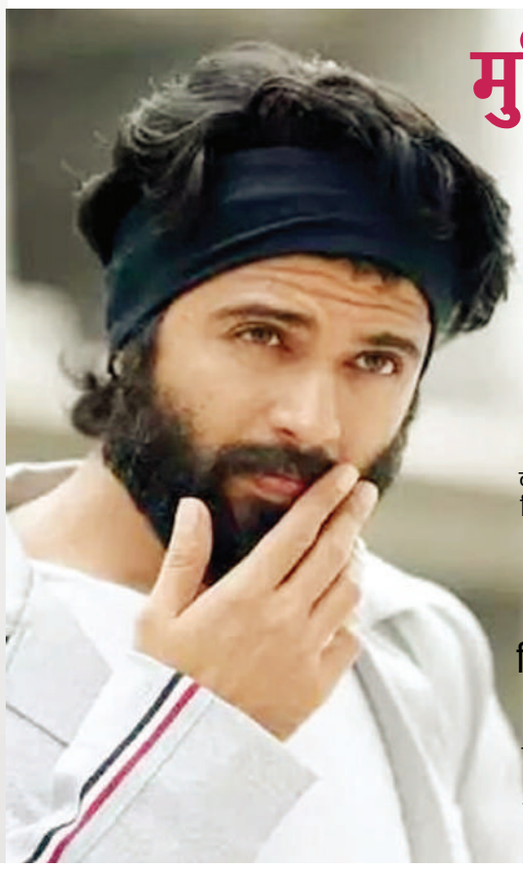

मुश्किल में साउथ के एक्टर विजय देवरकोंडा, दर्ज हुई शिकायत

अभिनेता विजय देवरकोंडा मुश्किल में आ गए हैं। उनके खिलाफ एससी/एसटी एक्ट के तहत शिकायत दर्ज की गई है। इल्जाम है कि वियज देवरकोंडा ने कथित तौर पर आदिवासी समुदाय की भावनाओं को ठेस पहुंचाने वाली बयानबाजी की। रायदुर्गम पुलिस स्टेशन में दर्ज हुई शिकायत यह शिकायत ज्वाइंट एक्शन कमेटी ऑफ ट्राइबल कम्युनिटी के अध्यक्ष नेनावथ अशोक कुमार ने दर्ज कराई है। उन्होंने दावा किया कि फिल्म रेट्रो के प्री-रिलीज कार्यक्रम के दौरान देवरकोंडा की टिप्पणियां आपत्तिजनक थीं। इनसे आदिवासी समुदाय का अपमान हुआ। साइबराबाद के रायदुर्गम पुलिस स्टेशन में देवरकोंडा के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है और जांच चल रही है।

विजय देवरकोंडा ने की विवादित टिप्पणी

आपको बता दें कि हैदराबाद में रेट्रो फिल्म के प्रमोशन के लिए एक कार्यक्रम का आयोजन हुआ। इस कार्यक्रम में विजय देवरकोंडा को मुख्य अतिथी के तौर पर बुलाया गया था। उस वक्त कश्मीर के पहलगाम में हमला हुआ था। इसके बाद भारत और पाकिस्तान के बीच विवाद चर रहा था। ऐसे में विजय पाकिस्तान के खिलाफ बोल रहे थे। इसी कड़ी में उन्होंने विवादित टिप्पणी करते हुए कहा जैसे पहले आदिवासी कबीले लड़ते थे, वैसे ही अब भारत और पाकिस्तान लड़ रहे हैं। यह बात संगठन ज्वाइंट एक्शन कमेटी ऑफ ट्राइबल कम्युनिटी को पसंद नहीं आई।

संगठन ने विजय की टिप्पणी की आलोचना करते हुए इसे आदिवासियों का अपमान बताया है। उन्होंने कहा आदिवासी समुदाय का हजारों साल पुराना समृद्ध इतिहास है। पर्यावरण संरक्षण में उनकी विशेष भूमिका है। उन्होंने मांग की है कि अभिनेता बोलते समय तथ्यों पर विचार करें। विजय देवरकोंडा की टिप्पणियों को लेकर आदिवासी और जनजातीय समूहों ने पूरे राज्य में आंदोलन किया है। कई जगहों पर पुलिस को शिकायतें मिली हैं। अब रायदुर्गम पुलिस ने विजय देवरकोंडा के खिलाफ मामला दर्ज किया है।

फिल्म रेट्रो कार्तिक सुब्बाराजू द्वारा निर्देशित और सूर्या द्वारा अभिनीत फिल्म है। यह फिल्म 1 मई को रिलीज हुई थी। इसमें पूजा हेगड़े ने नायिका की भूमिका निभाई थी। फिल्म का प्री-रिलीज इवेंट 26 अप्रैल को हैदराबाद में आयोजित किया गया था।

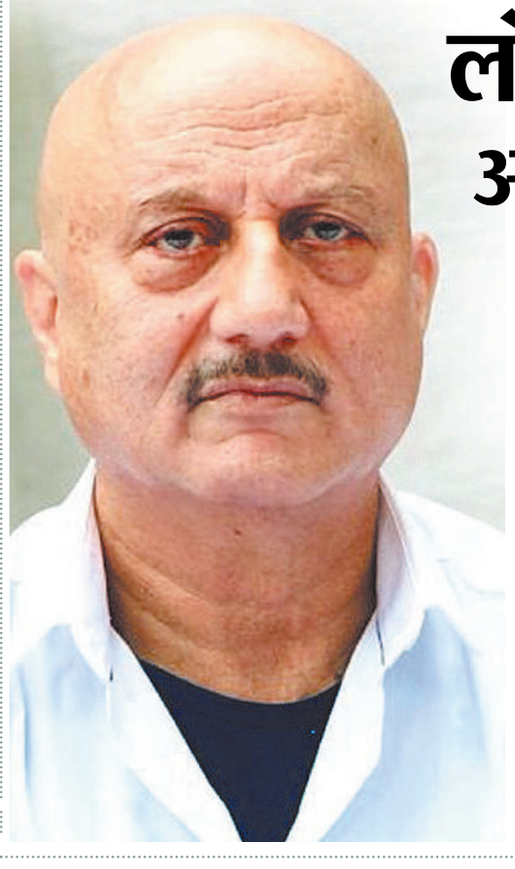

लोगों से जुड़ती है मेट्रो इन दिनों की कहानी

अनुपम खेर ने की निर्देशक अनुराग बसु की तारीफ

बॉलीवुड के दिग्गज एक्टर अनुपम खेर इन दिनों अनुराग बसु की फिल्म 'मेट्रो इन दिनों' को लेकर चर्चाओं में बने हुए हैं। अभिनेता फिल्म के प्रमोशन में जुटे हुए हैं। फिल्म की रिलीज से पहले उन्होंने अमर उजाला डिजिटल से खास बातचीत की। इस दौरान उन्होंने न सिर्फ अपनी आने वाली फिल्मों पर बात की, बल्कि इंडस्ट्री से जुड़े कुछ गंभीर मुद्दों पर भी अपनी राय बेबाक अंदाज में रखी।

'मेट्रो इन दिनों' है जिंदगी की एक खूबसूरत जर्नी

जब अनुपम खेर से पूछा गया कि वह फिल्म मेट्रो इन दिनों की जर्नी को कैसे बयां करेंगे, तो उन्होंने कहा, 'पता ही नहीं लगा कि कब यह जर्नी शुरू हुई और कब चलती रही। जिस जर्नी का पता नहीं चलता, वही सबसे अच्छी होती है। चाहे आप किसी पार्ट कम्पार्टमेंट में बैठे हो या फर्स्ट क्लास में, या एसी में - अगर सफर अच्छा है तो डेस्टिनेशन भी अच्छा ही होगा। यही इस फिल्म का अनुभव है। यह फिल्म हर किसी से किसी न किसी रूप में जुड़ती है। इसकी कहानी ऐसी है जो लोगों से जुड़ती है, क्योंकि वह अनुभव निर्देशक का है। अनुराग के साथ काम करना हमेशा वंडरफुल होता है। अनुराग बसु के बारे में बात करते हुए अनुपम ने कहा, 'मुझे नहीं पता था कि वह जितनी अच्छी फिल्में बनाते हैं, उतना अच्छा खाना भी बनाते हैं। वह बहुत ही मल्टी टैलेंटेड हैं। डांस भी करते हैं, गाना भी गाते हैं और खाना तो कमाल का बनाते हैं। सबसे बड़ी बात यह है कि सेट पर भी वह ऐसा माहौल रखते हैं कि कोई स्ट्रेस नहीं होती। कुछ डायरेक्टर सेट पर आते ही एक दबाव बना देते हैं, लेकिन अनुराग बिलकुल अलग हैं। वो कभी नहीं जताते कि वह कोई बहुत कमाल की फिल्म बना रहे हैं। फिल्म बनने के बाद भी जब पूछो कैसी बनी है, तो बस इतना ही कहते हैं ठीक है, देखते हैं।'

वर्क-लाइफ बैलेंस जरूरी, पर मेहनत की अहमियत न भूलें

आजकल के आर्टिस्ट के लिए वर्क-लाइफ बैलेंस एक अहम बात बन गई है। इस पर अनुपम ने कहा, 'उन ऐक्टर्स से जाकर बात करनी चाहिए जो वर्क-लाइफ बैलेंस की बात करते हैं। पता नहीं इतने वर्षों बाद भी वो लोग काम कर रहे होंगे या नहीं। मैं ये बात घमंड से नहीं कह रहा, लेकिन हमने बहुत लोगों को आते-जाते देखा है। हमें काम की अहमियत भी पता है और उस मेहनत की भी जो इसके पीछे लगती है। सफलता को कभी भी पक्का नहीं मानना चाहिए। काम के प्रति सम्मान और लगातार मेहनत ही आपकी पहचान बनाती है। अनुपम खेर ने साफ कहा कि उन्हें अवॉर्ड्स मिलने की खुशी होती है और न मिलने पर तकलीफ भी। उन्होंने कहा, 'बचपन से हमें सिखाया गया था कि मेहनत करोगे, तेज दौड़ोगे, तो फर्स्ट आओगे और अवॉर्ड मिलेगा। मैं उन लोगों में से नहीं हूं जो कहते हैं कि अवॉर्ड्स जरूरी नहीं होते। मुझे अच्छा लगता है जब अवॉर्ड मिलता है। और जब नहीं मिलता, तो तकलीफ भी होती है। उन्होंने माना कि कई बार उन्हें अच्छे काम के बावजूद अवॉर्ड नहीं मिला। खोसला का घोंसला' और 'स्पेशल 26' इन दोनों फिल्मों के लिए मुझे कोई अवॉर्ड नहीं मिला। थोड़ा अफसोस जरूर होता है, लेकिन इसका मतलब यह नहीं है कि आप मेहनत करना छोड़ दें। इतने वर्षों के अनुभव के बावजूद अनुपम खेर मानते हैं कि उन्हें आज भी फिल्मों की रिलीज से पहले नर्वसनेस होती है। उन्होंने कहा कि हर बार होता है। चाहे थिएटर का प्ले हो, फिल्म का ट्रेलर लॉन्च हो या रिलीज घबराहट होती है, क्योंकि आपने मेहनत की है और चाहते हैं कि फिल्म लोगों तक पहुंचे, पसंद की जाए।

तन्वी द ग्रेट के लिए उत्साहित हैं अनुपम

अपने आने वाले प्रोजेक्ट पर बात करते हुए अनुपम खेर ने बताया कि उन्होंने एक फिल्म डायरेक्ट की है - तन्वी द ग्रेट। इस फिल्म को लेकर बहुत मैं बहुत एक्साइटेड हूं। यह मेरी डायरेक्ट की हुई फिल्म है और 18 जुलाई को रिलीज होगी।

स्वामी मुद्रक व प्रकाशक अनुज कुमार के द्वारा एजीएस पब्लिकेशंस एफ 23, सेक्टर 6, गौतम बुध नगर, उत्तर प्रदेश 201301 से मुद्रित व गांव बुखारीपुर, पोस्ट ढवारसी, तहसील हसनपुर, जनपद अमरोहा, उत्तर प्रदेश पिन कोड 244242 से प्रकाशित।
संपादक-अनुज कुमार, R.N.I. No.- UPHIN/25/RAA18, मो0.9456884327, E-mail- officialsabkasapna@gmail.com, www.sabkasapna.com नोट- समस्त विवादों का न्यायिक क्षेत्र अमरोहा जनपद न्यायालय होगा।